चाणक्य

58वां प्रान्तीय सम्मेलन

15, 16 एवं 17 अप्रैल 2025

उ.प्र. माध्यमिक शिक्षक संघ

स्थल : संजय कम्युनिटी हॉल, नाथ नगरी (बरेली)

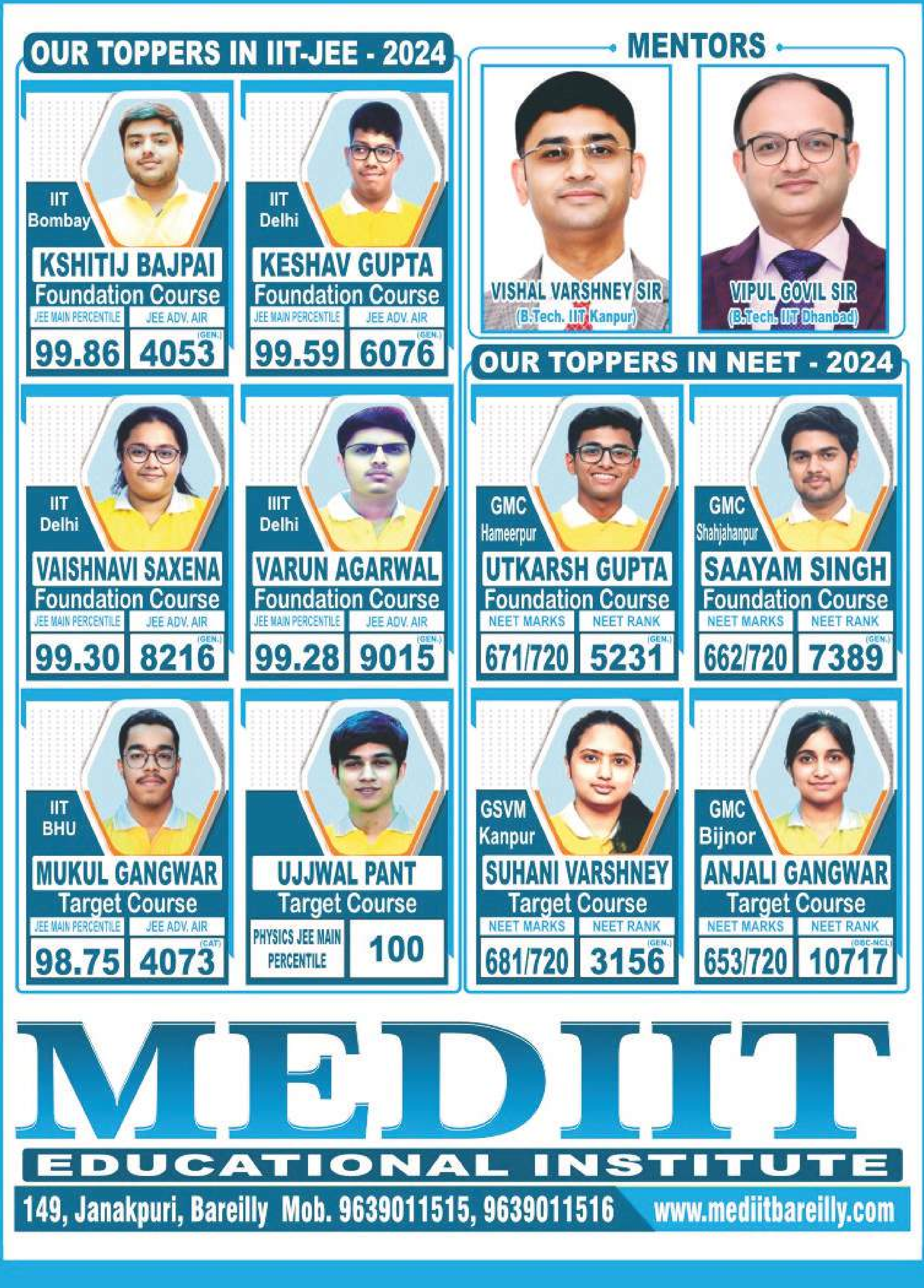
OUR TOPPERS IN IIT-JEE - 2024
IIT Bombay
KSHITIJ BAJPAI
Foundation Course
JEE MAIN PERCENTILE
JEE ADV. AIR
99.86
4053 (GEN.)
IIT Delhi
KESHAV GUPTA
Foundation Course
JEE MAIN PERCENTILE
JEE ADV. AIR
99.59
6076 (GEN.)
IIT Delhi
VAISHNAVI SAXENA
Foundation Course
JEE MAIN PERCENTILE
JEE ADV. AIR
99.30
8216 (GEN.)
IIIT Delhi
VARUN AGARWAL
Foundation Course
JEE MAIN PERCENTILE
JEE ADV. AIR
99.28
9015 (GEN.)
IIT BHU
MUKUL GANGWAR
Target Course
JEE MAIN PERCENTILE
JEE ADV. AIR
98.75
4073 (CAT)
UJJWAL PANT
Target Course
PHYSICS JEE MAIN PERCENTILE
100
MENTORS
VISHAL VARSHNEY SIR
(B.Tech. IIT Kanpur)
VIPUL GOVIL SIR
(B.Tech. IIT Dhanbad)
OUR TOPPERS IN NEET - 2024
GMC Hameerpur
UTKARSH GUPTA
Foundation Course
NEET MARKS
NEET RANK
671/720
5231 (GEN.)
GMC Shahjahanpur
SAAYAM SINGH
Foundation Course
NEET MARKS
NEET RANK
662/720
7389 (GEN.)
GSVM Kanpur
SUHANI VARSHNEY
Target Course
NEET MARKS
NEET RANK
681/720
3156 (GEN.)
GMC Bijnor
ANJALI GANGWAR
Target Course
NEET MARKS
NEET RANK
653/720
10717 (OBC-NCL)
MEDIIT
EDUCATIONAL INSTITUTE
149, Janakpuri, Bareilly Mob. 9639011515, 9639011516
www.mediitbareilly.com

अनुक्रमणिका

1.	सम्पादकीय	1
2.	राष्ट्र निर्माण, शपथ	2
3.	शुभकामना संदेश	3–15
4.	पदाधिकारियों की फोटो	15–19
5.	स्मृति शेष	20
6.	नाथ नगरी	21–23
7.	स्थापना से अब तक	25–27
8.	धारा 16–छ	28–29
9.	वेतनमानों की यात्रा	30–32
10.	नागरिक घोषणा पत्र	33–39
11.	सेवा सुरक्षा आदेश	40
12.	बोध चिन्तन	41
13.	नाथ नगरी पर एक दृष्टि	42–43
14.	नैतिक मूल्य	44
15.	माध्यमिक शिक्षक संघ (कविता)	45
16.	पुरानी पेंशन योजना	46–47
17.	ओ.पी.एस (कविता)	48
18.	वर्तमान परिवेश में शिक्षा	49–50
19.	जीवन का आधार	51
20.	आधुनिक जीवन शैली	52–53
21.	डिजीटल इण्डिया	54–55
22.	चन्द्रशेख आजाद (गैनी)	56
23.	ओजोन परत	57
24.	प्रदेश पदाधिकारियों का विवरण	58–60
25.	जिला कार्यकारिणी, बरेली	61
26.	शिक्षा अधिकारियों के सम्पर्क सूत्र	62–63
27.	झण्डा गान	64

कृपया ध्यान दें :

भारत संसार का सबसे बड़ा प्रजातांत्रिक राष्ट्र है विचारों को शब्दों में व्यक्त करना प्रत्येक व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। इस पत्रिका में प्रकाशित लेख/कहानी/रचना अथवा अन्य प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार स्वयं सम्बन्धित लेखक के हैं। यह आवश्यक नहीं है कि सम्पादक उनसे सहमत ही हो लेखक/रचनाकार अपने लेख एवं भाषा शैली के लिए स्वयं उत्तरादायी होंगे।

सम्पादकीय

आदरणीय शिक्षक साथियों

माध्यमिक शिक्षकों के सम्मान हेतु निरन्तर संघर्षरत गौरवमयी उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के तत्वावधान में आयोजित 58वां प्रान्तीय सम्मेलन नाथ नगरी बरेली में आयोजन के अवसर पर प्रकाशित स्मारिक "चाणक्य" आपके कर कमलों में सादर समर्पित करते हुये मुझे आपार हर्ष की अनुभूति हो रही है। इस स्मारिका में शिक्षक संघ के अतीत के गौरव अनेक संघर्षशील शिक्षक नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के अविस्मरणीय योगदान का पुन्य स्मरण शिक्षक एवं शिक्षक संघ के लिये न केवल आदर श्रृद्धा का विषय है अपितु वर्तमान व आगामी शिक्षक साथियों के लिये प्रेरणास्पद भी है।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ का इतिहास शिक्षकों के अद्वितीय त्याग, बलिदान, संघर्ष, समर्पण द्वारा अर्जित सफलताओं की विजयगाथा है। और शिक्षकों के भविष्य की जीवन रेखा है। शिक्षकों के लिये वर्तमान समय अत्यन्त कठिन है क्योंकि प्रदेश की सरकारें शिक्षा के पूर्ण व्यवसायीकरण पर अमादा हैं तथा शिक्षकों के बुढ़ापे की वैसाखी पुरानी पेंशन लागू न करने पर अडिग है

दुनियाँ में तेजी से बदल रहे शिक्षा के अन्तर्गत डिजीटल परिवेश शिक्षकों के लिये एक बड़ी चुनौती साबित हो रहे हैं। इसके लिये आप सभी शिक्षक साथी संगठित होकर प्रभावपूर्ण संघर्ष में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ की मुख्य धारा को तेज करें।

अपने क्रान्तिकारी एवं दूरदर्शी नेतृत्व के बल पर उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ संघर्ष के पद पर निरन्तर अग्रसर है। संगठन द्वारा अर्जित उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण इस स्मारिका का मुख्य प्रतिपाद्य है संगठन का यह प्रान्तीय सम्मेलन शिक्षकों को एकजुट करने की दिशा में अविस्मरणीय सिद्ध होगा।

धन्यवाद!

।। जय भारत ।। *।। जय शिक्षक ।।*

jitendra.varshney.1422
9837167531
@JITENDR47061278

आपका अपना प्रिय...

जितेन्द्र कुमार 'वार्ष्णेय'
सदस्य प्रान्तीय कार्यकारिणी
मो. : 9837167531
jitendrably0084@gmail.com

"शिक्षकों के हक के लिये संघर्ष जारी रहेगा"

राष्ट्र निर्माण का संकल्प

हम शिक्षक, राष्ट्र निर्माता,
हमारा संकल्प है हम बनायेंगे
नागरिक जो अन्धविश्वासों से मुक्त
और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से होंगे
भरपूर, छू न सकेगी जिन्हें,
भाषा, क्षेत्र, जाति धर्म,
सम्प्रदाय और रंग भेद की
संकीर्णताएँ और निर्मित होगा
इनके द्वारा आत्मनिर्भर

– आधुनिक भारत

शपथ

मैं.. जो स्वेच्छा से उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ की सदस्यता ग्रहण कर चुका हूँ/चुँकी हूँ। सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूँ/करती हूँ कि संगठन तथा संगठन के संविधान के प्रति सच्ची श्रृद्धा निष्ठा रखूँगा/रखूँगी। मैं संगठन द्वारा शिक्षक के लिये निर्धारित अचार संहिता का निष्ठापूर्वक पालन करूँगा/करूँगी।

मै शिक्षण स्तर की उत्कृष्टता, परीक्षाओं की पवित्रता एवं निःशुल्क शिक्षा की प्रतिवद्धता अक्षुण्य रखने में निष्ठापूर्वक योगदान करते हुये राष्ट्र निर्माण के दायित्वों का पूर्ण जागरूकता से निर्वहन करूँगा/करूँगी।

CAPITAL PUBLIC SCHOOL

Use, think, build, approach turns in to creators of games, apps & Websites

Students learn own level and accelerate to grade level

Step by steps lession plan for teachers

- Fully Smart Classrooms
- Big Play Ground
- Computer, Maths & Science Lab
- Spiritual Science
- Eco Friendly Environment

INDIA'S FIRST
in-Schools and online coading program is here!

Super 25 in every class

MAJHIYA ROAD, DATAGANJ BYPASS, BABA COLONY, BUDAUN (M) 9837888442

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

सत्यमेव जयते

राज भवन
लखनऊ - 226 027

18 फरवरी, 2025

सन्देश

मुझे यह जानकर अत्यंत हर्ष हो रहा है कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ, लखनऊ द्वारा दिनांक 15 से 17 अप्रैल 2025 तक प्रांतीय सम्मेलन का आयोजन जनपद–बरेली में किया जा रहा है। इस अवसर पर एक स्मारिका का प्रकाशन भी किया जायेगा।

शिक्षक समाज का मार्गदर्शन करते हैं, इनकी भूमिका केवल ज्ञान प्रदान करने तक ही सीमित नहीं है बल्कि विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण एवं राष्ट्र विकास मे भी महत्वपूर्ण है। मुझे विश्वास है कि यह सम्मेलन शिक्षकों के अधिकारों, दायित्वों और शैक्षिक विकास पर विमर्श का एक सशक्त मंच प्रदान करेगा, साथ ही माध्यमिक शिक्षा की गुणवत्ता को और अधिक समृद्ध करने में भी सहायक सिद्ध होगा।

मैं स्मारिका के प्रकाशन एवं आयोजन की सफलता हेतु अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करती हूँ।

आनंदीबेन

(आनंदीबेन पटेल)

सेवा में,
महेश चन्द्र शर्मा
सम्मेलन संयोजक
एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष

दूरभाष : 0522-2236497 फैक्स : 0522-2239488 ईमेल : hgovup@gov.in वेबसाइट : www.upgovernor.gov.in

संतोष कुमार गंगवार
राज्यपाल, झारखण्ड

सत्यमेव जयते

राज भवन, रांची-८३४००१
झारखण्ड
दूरभाष : 0651-2283465

संदेश

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के तत्वावधान में '58वां प्रांतीय सम्मेलन' दिनांक 15, 16 एवं 17 अप्रैल 2025 को बरेली में आयोजित किया जा रहा है। यह सम्मेलन शिक्षकों के हितों की सुरक्षा, शिक्षा के उन्नयन और समाज निर्माण में उनकी भूमिका को सुदृढ़ करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा।

शिक्षक केवल ज्ञानदाता ही नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के सशक्त स्तंभ होते हैं। उनकी भूमिका दीपक के समान है, जो स्वयं जलकर समाज को आलोकित करता है। शिक्षकों का समर्पण ही हमारे देश के उज्ज्वल भविष्य का आधार है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस सम्मेलन के माध्यम से शिक्षकों की उचित समस्याओं पर विचार-विमर्श होगा और शिक्षा की गुणवत्ता को और अधिक उन्नत करने के लिए ठोस पहल की जाएगी। इस आयोजन से शिक्षा जगत को भी नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी।

मैं उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के समस्त सदस्यों एवं शिक्षकों को बधाई देता हूँ तथा इस प्रांतीय सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ।

(संतोष कुमार गंगवार)

सेवा में,
डा. सुरेश रस्तोगी
सम्मेलन सह संयोजक

पत्र संख्या–101/पीएस[illegible]/2025

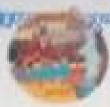

योगी आदित्यनाथ

मुख्य मंत्री
उत्तर प्रदेश

लोक भवन,
लखनऊ – 226001
दिनांक : 26 MAR 2025

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ का प्रान्तीय सम्मेलन दिनांक 15 से 17 अप्रैल, 2025 तक जनपद बरेली में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर स्मारिका 'चाणक्य' भी प्रकाशित की जाएगी।

देश और समाज के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका सर्वविदित है। शिक्षक वर्तमान पीढ़ी का मार्गदर्शन करते हुए राष्ट्र की नींव को सुदृढ़ बनाने में अपनी सार्थक भूमिका का निर्वहन करता है। विद्यार्थियों के ज्ञान स्तर में वृद्धि करने तथा उनमें नैतिक गुणों का समावेश किए जाने में शिक्षक का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

मुझे आशा है कि सम्मेलन में शिक्षा को गुणवत्तापरक बनाने तथा बेहतर शैक्षिक वातावरण सृजित करने के सम्बन्ध में सार्थक विचार–विमर्श किया जाएगा।

आयोजन की सफलता हेतु हार्दिक शुभकामनाएं।

(योगी आदित्यनाथ)

सेवा में,
महेश चन्द्र शर्मा
सम्मेलन संयोजक
एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष

दूरभाष : 0522-2289017 / 2289010 / 2289167 फैक्स – 0522-2239234 ईमेल – cmup@nic.in

ब्रजेश पाठक
उप मुख्यमंत्री

चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य,
परिवार कल्याण तथा मातृ एवं शिशु
कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश
कार्यालय कक्ष संख्या-99, 100, मुख्य भवन,
विधान सभा सचिवालय
दूरभाष- 0522-2238088 (का0)
0522-2239999 (आ0)

लखनऊ: दिनांक

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त हर्ष की अनुभूति हो रही है कि **'उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षक संघ'** द्वारा 58वें प्रान्तीय सम्मेलन समारोह दिनाँक 15, 16 एवं 17 अप्रैल 2025 को जनपद बरेली में आयोजित करने जा रहा है। **'उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षक संघ'** द्वारा समारोह के शुभ अवसर पर एक स्मारिका **'चाणक्य'** का भी प्रकाशन किया जा रहा है।

मैं, **'उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षक संघ'** द्वारा आयोजित 58वें प्रान्तीय सम्मेलन समारोह के शुभ अवसर पर प्रकाशित स्मारिका **'चाणक्य'** के सफल प्रकाशन की शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

(ब्रजेश पाठक)

सेवा में,
महेश चन्द्र शर्मा
सम्मेलन संयोजक
एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष

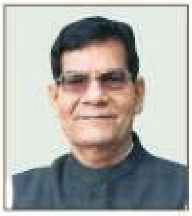

ए. के. शर्मा
मंत्री
नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग

कार्यालय
मुख्य भवन कक्ष सं.-83/84
उ. प्र. सचिवालय,
लखनऊ-01

दिनांक : 01.04.25

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर खुशी हो रही है कि उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षक संघ द्वारा "प्रान्तीय सम्मेलन" का आयोजन किया जा रहा है।

उक्त कार्यक्रम में मुझे आमन्त्रित करने के लिये धन्यवाद। किसी अन्य कार्यक्रम में व्यस्तता के कारण मैं उपस्थित नही हो पा रहा हूँ। इस कार्यक्रम की सफलता के लिये मेरी बहुत–बहुत शुभकामनाएँ।

(ए. के. शर्मा)

डॉ. राकेश सिंह,
प्रदेशीय मंत्री, उ0प्र0,
माध्यमिक शिक्षक संघ।
मोबाईल– 9415274965

दूरभाष (का.)- +91-0522-2238670 / +91-0522-2213290, (आ.)- +91-0522-2972671 / +91-0522-4322848, ई-मेल -minister.ade@up.gov.in
aksharmallbharat.in, urbandevelopment.up.nic.in, upenergy.in
@aksharmallbharatpage @aksharmallbharat

डा.अरूण कुमार
एम.बी.बी.एस. (लखनऊ)
डी.एन.बी., एम.सी.एच.पी.
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग
उत्तर प्रदेश

कक्ष संख्या-ई ब्लाक 1/2
प्रथम तल, बापू भवन,
उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ
कार्यालय : 0522-2235740
टी.एफ. : 0522-2214800

पत्रांक सं0-कैम्प कार्यालय-952B/बरेली — *दिनांक-29.03.2025*

शुभकामना संदेश

मुझे जानकर अत्यन्त प्रसन्नता है कि उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रान्तीय सम्मेलन का आयोजन होने जा रहा है। इस अवसर पर शिक्षक संघ द्वारा एक स्मारिका का प्रकाशन भी किया जा रहा है। इस स्मारिका के माध्यम से आज के बदलते सामाजिक एवं वैचारिक परिवेश में शिक्षकों द्वारा व्यक्त किये गये विचारों एवं पारित प्रस्तावों के द्वारा सम्मेलन एवं पत्रिका दोंनो ही केन्द्रीय नई शिक्षा नीति के प्रचार-प्रसार में मील का पत्थर साबित होंगे।

मैं सम्मेलन की सफलता एवं पत्रिका प्रकाशन हेतु अपनी सदभावनाओं सहित शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

शुभकामनाओं सहित!

(डॉ0 अरूण कुमार)

डा० उमेश गौतम
महापौर
अध्यक्ष उ०प्र० महापौर परिषद

कार्यालय : 0581-2576794
7217011222
9690012444
सी.यू.जी. नं. : 7055671100
E-mail : bareilly.mayor@gmail.com

वन्देमातरम्
नगर बरेली निगम

पत्रांक संख्या : 1123/एस०टी०/महापौर/2024-25 दिनांक : 21.1.2025

शुभकामना सन्देश

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के द्वारा 56वाँ प्रान्तीय सम्मेलन दिनांक–15,16 एवं 17 अप्रैल 2025 को आयोजित हो रहा है। नाथ नगरी बरेली की पवित्र धरा पर आयोजित अपने त्रिदिवसीय प्रादेशिक सम्मेलन के शुभ अवसर पर स्मारिका प्रकाशित करने का निर्णय लिया गया है।

मै इस कार्य की भूरि–भूरि प्रशंसा करता हूँ साथ ही प्रदेशीय सम्मेलन की सफलता एवं स्मारिका प्रकाशन हेतु अपनी शुभकामनायें प्रेषित करता हूँ।

सेवा में,
डा. सुरेश रस्तोगी
सम्मेलन सह संयोजक

भवनिष्ठ

(डॉ० उमेश गौतम)
महापौर

भारतीय जनता पार्टी, जिला बरेली

कुँवर महाराज सिंह

सदस्य विधान परिषद
उत्तर प्रदेश

निवास : कुँवर प्लाजा,
मेन रोड, फरीदपुर, बरेली
पिन - 243 503 (उ.प्र.)
मो. : 9412334135

E-mail : kunwarmaharajsinghh56@gmail.com

पत्रांक........?..............   दिनांक 22 मार्च 2025

प्रसन्नता का विषय है कि दिनांक 15, 16 व 17 अप्रैल 2025 को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक के द्वारा त्रिदिवसीय 58वां प्रादेशिक सम्मेलन बरेली में आयोजित किया जा रहा है।

संगठन, शिक्षकों एवं शिक्षा के प्रति रचनात्मक दृष्टिकोण रखते हुये निरन्तर कार्य कर रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि स्मारिका के प्रकाशन से संगठन द्वारा शिक्षक एवं शिक्षा के क्षेत्र में किये गये क्रिया कलापों एवं भविष्य की नीतियों की जानकारी माध्यमिक शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े प्रबुद्धजनों तक पहुँचेगी।

मैं हृदय से सम्मेलन के सफल आयोजन एवं स्मारिका 'चाणक्य' प्रकाशन हेतु अपनी शुभकामनायें प्रेषित करता हूँ।

कु० महाराज सिंह

सदस्य विधान परिषद

सेवा में,
महेश चन्द्र शर्मा
सम्मेलन संयोजक
एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष

संजीव अग्रवाल
विधायक : 125 कैन्ट बरेली (भारतीय जनता पार्टी)
प्रदेश सह कोषाध्यक्ष : भारतीय जनता पार्टी, उत्तर प्रदेश

सदस्य विधान सभा उत्तर प्रदेश

क-7 No. 017328

पत्रांक : 1778/2025

दिनाँक : 25-3-25

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई है, कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ, इस वर्ष 58वां प्रान्तीय सम्मेलन, दिनांक 15,16 एवं 17 अप्रैल, 2025 को संजय कम्युनिटी हाल, बरेली में आयोजित करने जा रहा है। मै उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रान्तीय सम्मेलन में प्रकाशित किये जाने वाली स्मारिका एवं कार्यकम के आयोजन की सफलता की कामना करता हूँ।

मै इस अवसर पर संगठन द्वारा स्मारिका के सफल प्रकाशन के लिए सम्पादक एवं पदाधिकारियों को बहुत बहुत हार्दिक शुभकामनायें देता हूँ।

Sanjeev Agrawal
संजीव अग्रवाल

ग्राउण्ड फ्लोर, 35एच/4, रामपुर गार्डन, बरेली - 243001 (उ.प्र.)
203, नवनिर्मित विधायक निवास, दारूलशफा, लखनऊ - 226001 (उ.प्र.)
मो.: 98370 02825, 7017588301 ई-मेल : sanjeev@sanjeevagarwal.co.in

डॉ0 राघवेन्द्र शर्मा
भा0ज0पा0 विधायक
123–बिथरी चैनपुर, बरेली।
मो0नं0--9897746583

कार्यालयः– रामगंगा हास्पिटल,
बदायूँ रोड, करगैना, बरेली।

सदस्य विधान सभा उत्तर प्रदेश

ख-7 No. 142892

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त हर्ष की अनुभूति हो रही है कि उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षक संघ, द्वारा 58वें प्रान्तीय सम्मेलन समारोह दिनांक 15,16, एवं 17 अप्रैल 2025 को जनपद बरेली में आयेजित करने जा रहा है। इस अवसर पर एक स्मारिका (चाणक्य) का भी प्रकाशन किया जा रहा हैं।

मैं उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षक संघ, द्वारा आयेजित 58वें प्रान्तीय सम्मेलन समारोह के शुभ अवसर पर प्रकशित समरिका (चाणक्य) के सफल प्रकाशन की एवं सम्मेलन की सफलता हेतु शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

मै पत्रिका के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

सेवा में,
महेश चन्द्र शर्मा
सम्मेलन संयोजक
एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष

आपका शुभेच्छु

(डॉ0 राघवेन्द्र शर्मा)

अर्द्धशासकीय पत्रांक

डॉ महेन्द्र देव

शिक्षा निदेशक (माध्यमिक)

उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
दूरभाष (का0) : 0522 - 2239006
ईमेल : desecedu@gmail.com

दिनांक 12-02-2025

संदेश

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ का प्रान्तीय सम्मेलन दिनांक 15, 16, 17 अप्रैल 2025 को बरेली में सम्पन्न होने जा रहा है। इस अवसर पर अपनी "स्मारिका" का प्रकाशन करने जा रहा है।

स्मारिका में शैक्षिक, सह-शैक्षिक, विविध कियाकलाप की मौलिक रचनाओं के साथ ही वर्तमान परिवेश में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय गतिविधियों का भी समावेश होगा। इसके माध्यम से छात्रों एवं अध्यापकों को अपने विचारों को अभिव्यक्त करने का सुअवसर प्राप्त होता है तथा इन रचनाओं के माध्यम से उनमें देश प्रेम, राष्ट्रीय एकता एवं बन्धुता आदि गुणों का विकास होता है।

स्मारिका के सफल प्रकाशन के लिए मैं अपनी हार्दिक शुभकामना प्रेषित करता हूँ।

भवदीय,

डॉ0(महेन्द्र देव)

श्री महेश चन्द्र शर्मा,
कोषाध्यक्ष,
उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ,
शिक्षक सदन क्लेहट अपार्टमेण्ट
लखनऊ।

राकेश कुमार
पी.ई.एस.

संयुक्त शिक्षा निदेशक
बरेली मण्डल बरेली
jdbareilly@gmail.com
website : www.jdebareilly.in
9454457517

सन्देश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के तत्वाधान में बरेली में आयोजित होने वाले 58वें प्रान्तीय सम्मेलन के उपलक्ष्य में संघ द्वारा अपनी स्मारिका ''चाणक्य'' का प्रकाशन किया जा रहा है। संघ की यह स्मारिका उनके वर्ष भर के क्रियाकलापों का दर्पण होती है। पत्र–पत्रिकाओं के माध्यम से शिक्षक एवं मानव सामाजिक सम्बन्धों एवं मानवीय मूल्यों तथा अपने कर्तव्यों की महत्ता तथा उपयोगिता से परिचित होता है। पत्रिकायें शिक्षकों की लेखन क्षमता एवं उनके कार्यों को प्रोत्साहित करने हेतु उचित मंच प्रदान करती है तथा एक पीढ़ी के संचित ज्ञान एवं अनुभवों को दूसरी पीढ़ी तक पहुँचाने में अत्यन्त उपयोग होती है।

मैं आशा करता हूँ कि शिक्षक संघ यह पत्रिका ''चाणक्य'' शिक्षकों में राष्ट्र, प्रेम, सर्वधर्म सम्भाव एवं परस्पर बन्धुत्व की भावना जागृत करने, लक्ष्य के प्रति सजग रहने, नये कीर्तिमान स्थापित करने में सार्थक भूमिका निभायेगी।

मेरी ओर से उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के आयोजित होने वाले 58वें सम्मेलन एवं प्रकाशित होने वाली पत्रिका ''चाणिक्य'' के सफल प्रकाशन हेतु हार्दिक शुभकामनायें।

(राकेश कुमार)

डा0 अजीत कुमार
पी0ई0एस0

जिला विद्यालय निरीक्षक
बरेली।
दिनांक–31 मार्च, 2025

–: शुभकामना संदेश :–

मुझे यह जानकर अत्यंत हर्ष हुआ है कि उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षक संघ–जनपद शाखा–बरेली के संयुक्त तत्वाधान में संगठन का प्रान्तीय सम्मेलन दिनांक–15, 16 एवं 17 अप्रैल, 2025 को आयोजित होने जा रहा है तथा इस अवसर पर उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षक संघ के द्वारा अपनी स्मारिका का प्रकाशन करने जा रहा है। उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षक संघ द्वारा प्रकाशित की जाने वाली स्मारिका में शैक्षिक, सह शैक्षिक, विविध किया कलाप की मौलिक रचनाओं का समावेश होगा। स्मारिका के माध्यम से छात्रों एवं अध्यापकों को अपने विचारों को व्यक्त करने का सुअवसर प्राप्त होता है। स्मारिका मे समाहित की गयी रचनायें सभी के लिए अत्यंत प्रेरक, एवं अनुकरणीय तथा आत्मसात करने योग्य हैं।

मैं उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षक संघ की स्मारिका के प्रकाशन के अवसर पर आप सभी को अपनी हार्दिक शुभकामनायें प्रेषित करता हूँ।

भवदीय
31.03.2025
डा0(अजीत कुमार)

सेवा में,
श्याम नारायण शर्मा
जिलाध्यक्ष–उ.प्र.मा.शि. संघ, बरेली

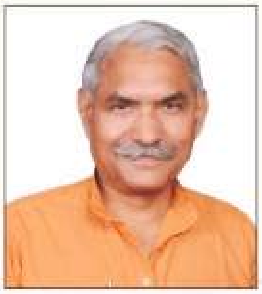

बहोरन लाल मौर्य
सदस्य विधान परिषद
उत्तर प्रदेश

सदस्य विधान परिषद उत्तर प्रदेश

ख- 094038

पत्रांक ....   दिनांक ....

संदेश

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ का 58वां प्रान्तीय सम्मेलन दिनांक 15, 16 एवं 17 अप्रैल 2025 को संजय कम्युनिटी हॉल, बरेली में सम्पन्न होने जा रहा है। इस अवसर पर संगठन के द्वारा स्मारिका ''चाणक्य'' का प्रकाशन भी कराया जा रहा है।

स्मारिका के माध्यम से शिक्षा जगत से जुड़े प्रबुद्ध नागरिकों को अपने विचारों को अभिव्यकत करने का सुअवसर प्राप्त होता है। साथ इन अभिव्यक्तियों के माध्यम से समाज में देश-प्रेम राष्ट्रीय एकता एवं बन्धुता आदि गुणों का विकास होता है। स्मारिका के प्रकाशन एवं सम्मेलन की सफलता के लिये मैं अपनी हार्दिक शुभकामनायें व्यक्त करता हूँ।

- बहोरन लाल मौर्य
सदस्य विधान परिषद उ0प्र0

लखनऊ (निवास): B-602, बहुखण्डी मंत्री आवास, लखनऊ।
बरेली (निवास) : एच.आई.जी.-9, टीबरीनाथ, बी.डी.ए. कालोनी, बरेली। मो. 9412193339, 8004915926

प्रदेशीय पदाधिकारी

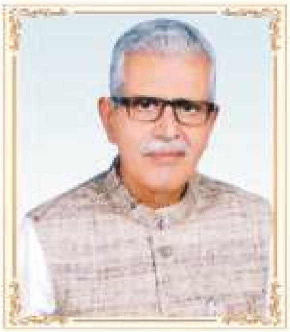

राजबहादुर सिंह चंदेल
संरक्षक
सदस्य विधान परिषद

चेत नारायण सिंह
अध्यक्ष
पूर्व सदस्य विधान परिषद

लवकुश मिश्रा
वरिष्ठ उपाध्यक्ष
पूर्व सदस्य विधान परिषद

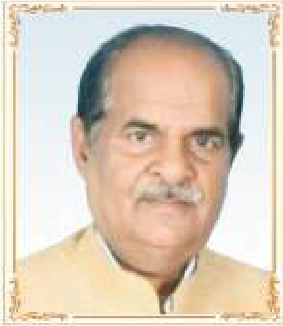

अनिरूद्ध त्रिपाठी
महामंत्री

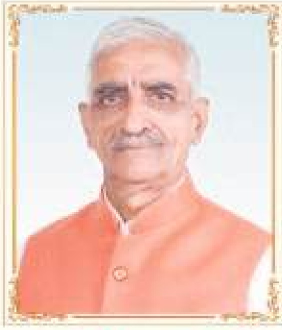

महेश चन्द्र शर्मा
कोषाध्यक्ष

उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद

आदरणीय संयोजक जी,

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रान्त स्तरीय सम्मेलन, बरेली में आयोजित करने पर बधाई। सम्मेलन से नई–नई दिशाओं और विचारों का मंथन होता है। बदलते नवीन सामाजिक और वैचारिक परिवेश में शिक्षकों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

शिक्षकों द्वारा लाए गए विचार प्रस्ताव और उन पर लिए गए निर्णय सरकार और व्यवस्था के लिए आवश्यक सुधार करने को बाध्य करेंगे।

यह बरेली सम्मेलन एवं पत्रिका "चाणक्य" उक्त दिशा में मील का पत्थर सिद्ध हो, ऐसी शुभकामना है।

सुनील मिश्रा
प्रवक्ता
उ0प्र0 प्रधानाचार्य परिषद
मो. : 9719972777

लीलावती
हॉस्पिटल एवं ट्रॉमा सेंटर

डॉ. अतुल सक्सेना
Director- MBBS, MS (Orhto)
जॉइंट रिप्लेसमेंट, ट्रॉमा और स्पाइन सर्जन

- Knee Replacement (घुटने का प्रत्यारोपण)
- Hip Replacement (कूल्हे के जोड़ प्रत्यारोपण)
- Spine Surgery (रीढ़ की हड्डी की सर्जरी)
- Rheumatoid arthritis (गठिया और जोड़ों के दर्द का इलाज)
- स्पोर्ट्स इंजरी और ट्रॉमा केयर
- Cervical गर्दन मे दर्द का इलाज

(Scope of Services)

समय: प्रात: 11:00 बजे से 3:00 बजे तक और सांय 7:00 बजे से 8:00 बजे तक

- हड्डी एवं जोड़ रोग विभाग (Orthopedics Dep)
- जनरल एवं लेप्रोस्कोपी सर्जरी विभाग (General & Laparoscopy Surgery Dep)
- मेडिसिन विभाग (Medicine Department)
- गुर्दा एवं मूत्र रोग विभाग (Nephrology Department)
- यूरोलॉजी एवं यूरो सर्जरी विभाग (Urology and Uro Surgery Department)
- क्रिटिकल केयर यूनिट (Critical Care Unit - ICU)
- स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग (Gynaecology & Obstetrics Department)
- कान, नाक एवं गले विभाग (ENT Department)
- बाल रोग विभाग (Paediatrics Department)
- दंत रोग विभाग (Dental Department)
- प्लास्टिक सर्जरी विभाग (Plastic Surgery Department)
- रेडियोलॉजी (X-Ray, C-Arm)
- पैथोलॉजी विभाग (Pathology Department)
- 24/7 आपातकालीन सेवाएँ (24/7 Emergency Services)
- 24/7 एंबुलेंस सेवा (24/7 Ambulance Service)
- वेंटिलेटर युक्त ICU सुविधा (Ventilator Equipped ICU)

आयुष्मान कार्ड से करवाएं
नि:शुल्क कूल्हा एवं घुटना प्रत्यारोपण एवं समस्त ऑपरेशन

- Ericson Insurance TPA Pvt. Ltd.
- SBI General Insurance
- DOT CO (Third Party Insurance)
- M S Chola
- United Healthcare
- Paramount
- Aditya Birla

CASHLESS FACILITIES

ALL TPA Cards Accepted Through Third Party

सूद धर्मकांटा चौराहा, प्रेम नगर, बरैली 243005 +91-8171099409,0581-2549409

उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षक संघ के
58वें प्रान्तीय सम्मेलन
की आप सभी को हार्दिक शुभकामनायें

प्रबल कुमार तिवारी
सहा. अध्यापक (वाणिज्य)
कुँवर रंजीत सिंह इण्टर कॉलेज, बरेली

उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षक संघ के
58वें प्रान्तीय सम्मेलन
की आप सभी को हार्दिक शुभकामनायें

डा. मनोज गोस्वामी
प्रधानाचार्य
डी.ए.वी. इण्टर कॉलेज, बिजनौर

बरेली–मुरादाबाद मण्डल से प्रदेश के पदाधिकारी

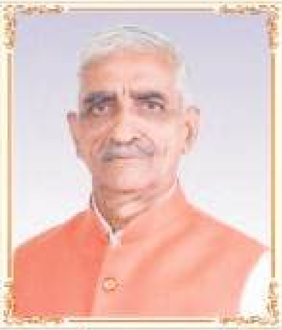

महेश चन्द्र शर्मा
प्रदेश कोषाध्यक्ष

जगदीश बाथम
प्रदेश उपाध्यक्ष

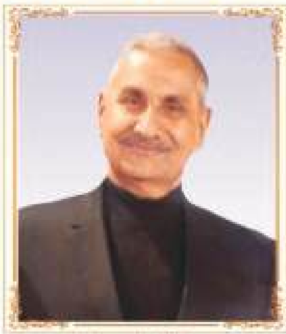

डा. (मेजर) देवेन्द्र सिंह
उपाध्यक्ष

डा. सुरेश रस्तोगी
प्रदेश उपाध्यक्ष

सुधीर कुमार अग्रवाल
प्रदेश मंत्री

ब्रजराज सिंह राघव
सदस्य-प्रदेश कार्यकारिणी

जितेन्द्र कुमार 'वार्ष्णेय'
सदस्य-प्रदेश कार्यकारिणी

विमलेन्द्र शर्मा
प्रान्ती कार्यकारिणी सदस्य

नवाब हसन
सदस्य प्रदेश कार्यकारिणी

डा. शहनाज रहमान
सदस्य प्रदेश कार्यकारिणी

हरपाल सिंह
सदस्य प्रदेश कार्यकारिणी

ओम प्रकाश
सदस्य प्रदेश कार्यकारिणी

शिवेन्द्र पाल सिंह
विशेष आमंत्रित सदस्य

बरेली मण्डल/जनपद के पदाधिकारी

रजनीश राठौर
मण्डल अध्यक्ष-बरेली

डा. कुँ. संजय सिंह
मंण्डल मंत्री-बरेली

ब्रजेश शर्मा
मण्डल उपाध्यक्ष-बरेली

श्याम नारायण शर्मा
जिाध्यक्ष-बरेली

प्रदीप कुमार पटेल
जिलामंत्री-बरेली

अजय गुप्ता
कोषाध्यक्ष-बरेली

राजवीर सिंह
जिलाध्यक्ष-बदायूँ

सूरज कुमार मिश्रा
जिलामंत्री-बदायूँ

ललित कुमार राठौर
कोषाध्यक्ष-बदायूँ

कमल मोहन पाण्डेय
जिलाध्यक्ष-पीलीभीत

सी.पी. गंगवार
जिलामंत्री-पीलीभीत

राजेश कुमार
कोषाध्यक्ष - पीलीभीत

डा. (कैप्टन) जे.पी. सिंह
जिलाध्यक्ष-शाहजहाँपुर

डा. प्रद्युम्न कुमार मिश्रा
जिलामंत्री-शाहजहाँपुर

रामकुमार वर्मा
कोषाध्यक्ष-शाहजहाँपुर

मुरादाबाद मण्डल / जनपद के पदाधिकारी

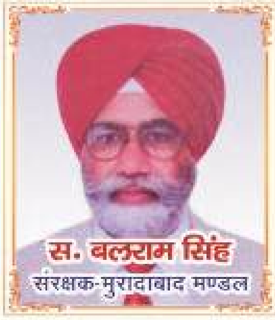
स. बलराम सिंह
संरक्षक-मुरादाबाद मण्डल

हरिशंकर भारतीय
मंडल अध्यक्ष-मुरादाबाद

अरूण कुमार शर्मा
मण्डलमंत्री-मुरादाबाद

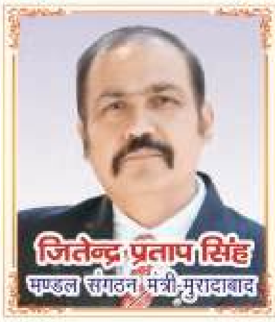
जितेन्द्र प्रताप सिंह
मण्डल संगठन मंत्री-मुरादाबाद

डा. मनोज गोस्वामी
संरक्षक/प्रधानाचार्य

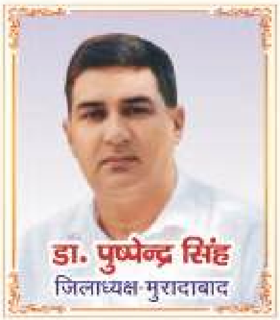
डा. पुष्पेन्द्र सिंह
जिलाध्यक्ष-मुरादाबाद

शमशाद हुसैन
जिलामंत्री-मुरादाबाद

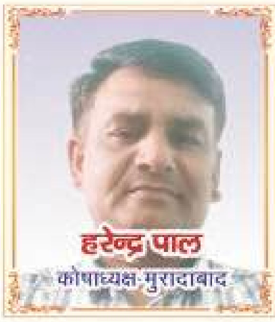
हरेन्द्र पाल
कोषाध्यक्ष-मुरादाबाद

मनोज कुमार
जिलाध्यक्ष-रामपुर

पीयूष श्रीवास्तव
जिलामंत्री-रामपुर

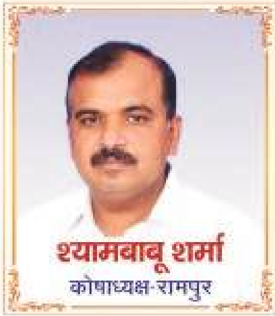
श्यामबाबू शर्मा
कोषाध्यक्ष-रामपुर

सोमदेव सिंह
जिलाध्यक्ष-बिजनौर

मो. वसीम सिद्दीकी
जिलामंत्री-बिजनौर

हरज्ञान सिंह
कोषाध्यक्ष-बिजनौर

गुरमेज सिंह
जिलाध्यक्ष-अमरोहा

संजीव चौहान
जिलामंत्री-अमरोहा

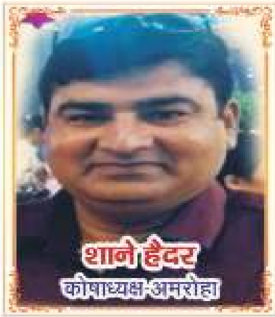
शाने हैदर
कोषाध्यक्ष-अमरोहा

नसीम हुसैन
जिलाध्यक्ष-सम्भल

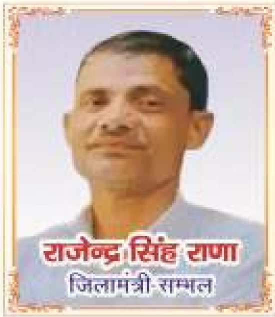
राजेन्द्र सिंह राणा
जिलामंत्री-सम्भल

डॉ. मोहम्मद तालिब
कोषाध्यक्ष-सम्भल

स्मृति शेष

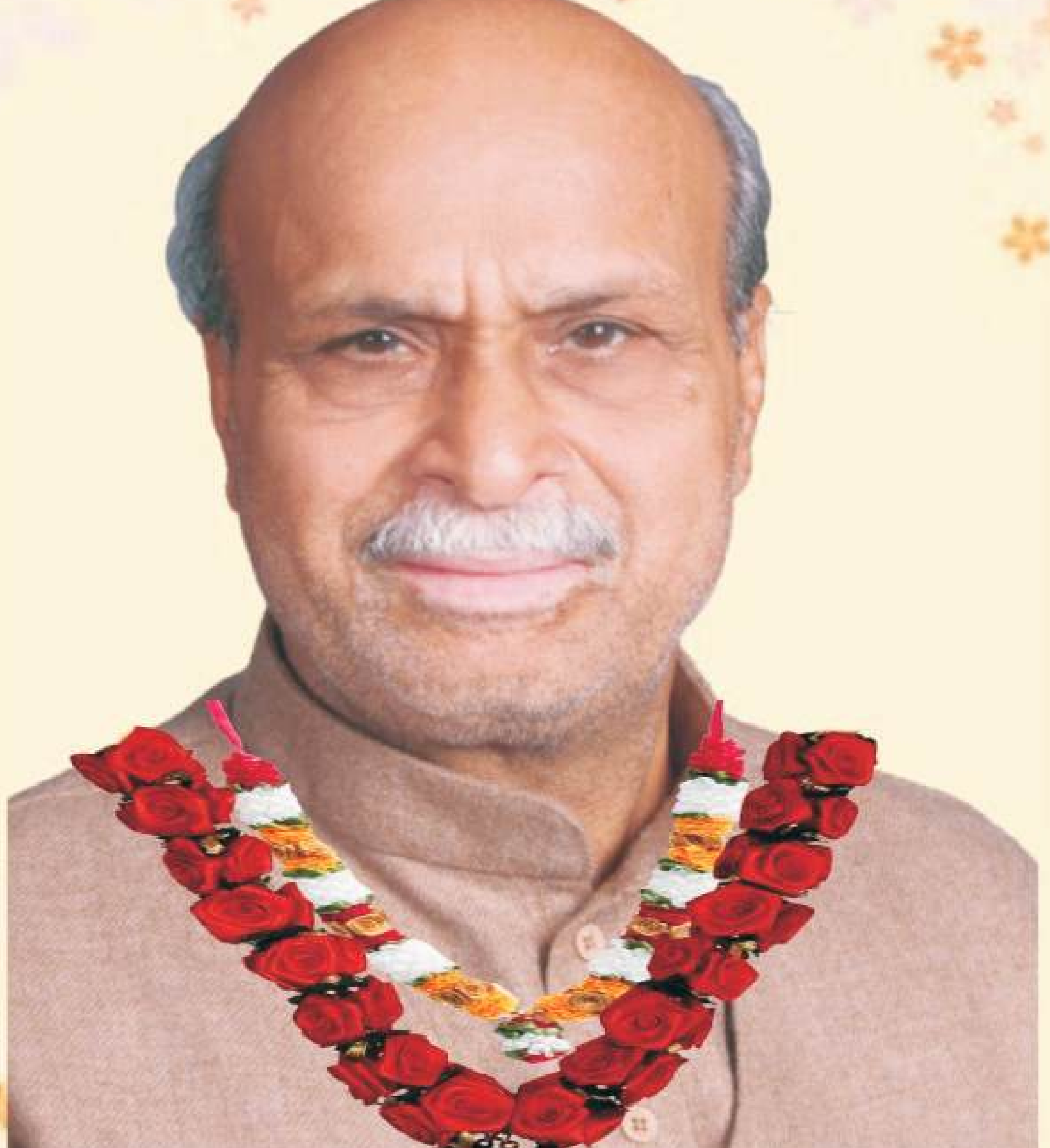

स्व. रामबाबू शास्त्री

पूर्व सदस्य विधान परिषद एवं पूर्व प्रान्तीय महामंत्री

भोलेनाथ की कृपा से रक्षित नाथ नगरी

भारतवर्ष की एकमात्र नाथो की नगरी से प्रसिद्ध उत्तर प्रदेश स्थित जिला बरेली जो कि आस्था और श्रृद्धा से परिपूर्ण नाथ नगरी जिसकी चारों दिशाओं में प्रभु भोलेनाथ के सात धाम से रक्षित है प्राचीन मान्यताओं के आधार पर द्वापर युग से ही नाथ नगरी का गौरव संजाये इस नगर की विशेषता है जिसके पूर्व दिश में श्री बनखण्डी नाथ मन्दिर, पश्चिम दिशा में श्री मढ़ीनाथ मन्दिर, उत्तर दिश में त्रिवटीनाथ मन्दिर, दक्षिण में श्री तपेश्वर नाथ मन्दिर, पूर्व दक्षिण में श्री धोवेश्वर नाथ और उत्तर पश्चिम में श्री अलखनाथ मन्दिर स्थापित हैं। इन सभी दिशाओं में स्थापित शिव मन्दिरों का एक संक्षिप्त इतिहास और महत्ता निम्न प्रस्तुत है–

बाबा त्रिवटीनाथ मन्दिर–

नगर के प्रेमनगर इलाके में बाबा त्रिवटीनाथ मन्दिर करीब 600 साल पुराना मन्दिर है यहाँ बरगद, शीशम आदि का घना वनक्षेत्र हुआ करता था। मान्यता के अनुसार यहाँ बिराजमान बाबा स्वयं प्रकट शिवलिंग को साक्षात शिव का स्वरूप माना जाता है। एक मान्यता के अनुसार एक दिन चरवाहा यहाँ एक वट वृक्ष के नीचे सौ गया उसके स्वप्न में स्वयं भगवान शिव ने दर्शन दिये और कहा कि मैं इस वट वृक्ष के नीचे बिराजमान हूँ। इसके बाद से ही यह मन्दिर यहाँ की जनता की आस्था के प्रमुख केन्द्रों में शामिल हो गया जब उस चरवाले की नींद खुली तो उसने वहाँ एक विशालकाय शिवलिंग पाया चरवाहा ने शहर में जाकर सभी को यह पूरी बात बतायी।

बाबा अलखनाथ मन्दिर–

नगर के किला क्षेत्र में स्थित भगवान शिव का अलखनाथ मन्दिर स्थापित है इस मन्दिर के क्षेत्र में घना बांस का जंगल हुआ करता था प्राचीन काल में यहाँ एक तवस्वी बाबा ने एक बरगद के वृक्ष के नीचे कई वर्षों तक तपस्या कर सनातन धर्म की अलख जगायी थी। इसी बरगद के वृक्ष के पास ही स्थापित शिवलिंग भी बहुत प्राचीन था। उस तपस्वी बाबा ने इस बरगद के नीचे ही समाधि ले ली थी। उन तपस्वी बाबा ने धर्म के प्रति यहाँ के नागरिकों में अलख जगायी इसी कारण से इस मन्दिर का नाम अलखनाथ मन्दिर के नाम से विख्यात हुआ।

बाबा मढ़ीनाथ मन्दिर –

नगर की पश्चिम दिशा में भगवान शिव का मढ़ीनाथ मन्दिर स्थापित है इसी नाम से इसके आस–पास का क्षेत्र मढ़ीनाथ महोल्ला के नाम से जाना जाता है पांचाल नगरी के इस मन्दिर में एक मणिधारी सर्पधारी बाबा ने इस स्थान पर घोर तपस्या की थी। जिस कारण से इस मन्दिर और आस–पास के स्थान का नाम मढ़ीनाथ पड़ गया। करीब एक हजार साल पूर्व यहाँ दूर–दूर तक सिर्फ अत्यन्त घना जंगल था अपनी मनोकामना पूर्ति और सुख समृद्धि के लिये भारी तैदात में श्रृद्धालु यहाँ पूजा अर्चना करने आते हैं।

Estd : 1990

Manas Sthali Residential School

(A Co-Ed. Sr. Sec. Fully Residential School) Affiliated to CBSE, New Delhi (Affiliation No. 2130178)

Admission Open
for classes
III to IX & XI

SPECIAL FEATURES:

- 30 acres of lush green,co-educational, fully residential institution affiliated with CBSE, New Delhi.
- Air-conditioned classrooms with interactive smart class learning for all subjects.
- Air-cooled hostels for boys and girls with 24x7 in-campus medical facility.
- Well-equipped library, multimedia centre, laboratories for Chemistry, Physics, Biology, Social Science, Computer Science, Geography, Mathematics, and Robotics.
- A blend of rigorous academics with well-planned sports, co-curricular, and recreational activities.
- Facilities for a variety of games and sports, including Yoga, Swimming, Taekwondo, Archery, Football, Basketball, Volleyball, Cricket, Badminton, Table Tennis, Skating and Gymnastics.
- Equipped with modern and high capacity elevator, RO water supply system, fire safety system and 24 hour CCTV surveillance ensuring a safe and secure environment.
- Nutritious vegetarian meals and emphasis on health and hygiene.
- Explore abroad range of hobbies to nurture innovative and multifaceted skills in students.
- Yearly educational tours and excursions, mountaineering, and trekking.
- Focus on physical, emotional, intellectual, and spiritual growth through guided tutorial and personalized attention.
- Reasonable fee structure.

Satyendra Prakash Goel President | **Saurabh Agarwal** (J.T.) Secretary | **Prakash Chandra Sharma** Treasurer | **Anil Kumar Tripathi** Principal

Admission Test
Conducted daily
Including Sundays

Bareilly-Lucknow Road, Near Faridpur Town, Bareilly (U.P).- 243 503 **Email:**manassthaliresidentialschool@gmail.com
Website: www.manassthaliresidentialschool.com **Contact:** +91-9068222751 I +91-9068222741

बाबा तपेश्वर नाथ मन्दिर –

नगर की दक्षिण दिशा में सुभाष नगर क्षेत्र में विराजमान बाबा तपेश्वर नाथ का मन्दिर प्राचीन काल से ही ऋषिमुनियों की तपोभूमि रहा है मान्यताओं के अनुसार हजारो वर्ष पहले यहाँ रामगंगा कल–कल कर बहती थी और यहाँ घना वनक्षेत्र भी था यहीं पर एक अत्यन्त विशालकाय पीपल वृक्ष हुआ करता था जिसके नीचे एक शिवलिंग प्रकट हुआ और तभी यहाँ सबसे पहले भालू बाबा आये थे उन्होंनें 400 वर्ष तक इस स्थान पर तपस्या की थी। भालू बाबा के बाद और भी कई ऋषिमुनि और संत यहाँ निवास करते रहे तथा संतो की तपोभूमि होने के कारण यह मन्दिर तपेश्वरनाथ मन्दिर के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

बाबा धोपेश्वरनाथ मन्दिर –

नगर के कैन्ट परिक्षेत्र में स्थापित बाबा धोपेश्वर नाथ मन्दिर लगभग 500 हजार साल पुराना है प्राचीन मान्यता है कि यहाँ स्थापित एक सरोवर में स्नान मात्र से मनुष्य में चर्म रोग का नाश होता है यह मन्दिर महाभारत काल में पांडव, कौरव और भगवान श्रीकृष्ण के युग का साक्षी है। महाभारत में पांडवों के गुरु धूम ऋषि ने यहाँ तपस्या की थी और यहीं पर ही अपने प्राण त्यागे थे तब यहाँ के लोगों ने उनकी समाधि बना दी थी उसी समाधि के ऊपर शिवलिंग की स्थापना हुई थी। पूर्व में इसका नाम धोमेश्वर नाथ था जो आगे चलकर धोपेश्वरनाथ के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

बाबा पशुपतिनाथ मन्दिर –

नगर के पीलीभीत बाईपास रोड पर स्थित पशुपतिनाथ मन्दिर नैपाल देश के काठमांडु में स्थापित पशुपतिनाथ मन्दिर की तर्ज पर बनाया गया है। करीब 22 वर्ष पूर्व इस मन्दिर की स्थापना हुई जिसके चारों दिशाओं में सरोवर बनाया गया है सरोवर के बीचोबीच मन्दिर का निर्माण हुआ है यहाँ प्रमुख शिलिंग के अतिरिक्त छोटे–छोटे 108 शिवलिंग हैं मन्दिर के पीछे की ओर कृत्रिम कैलाश पर्वत का भी निर्माण कराया गया है इसकी विशेषता यह है कि इस मन्दिर में लगे सभी पत्थर कैलाश पर्वत से ही मंगाकर लगाये गये हैं।

बाबा बनखण्डीनाथ मन्दिर –

नगर के पुराना शहर क्षेत्र के महोल्ला जोगी नवादा में स्थापित भगवान शिव का श्री बनखण्डीनाथ मन्दिर है यह मन्दिर प्राचीन काल से ही यहाँ के नागरिकों की आस्था का मुख्य केन्द्र रहा है बाबा बनखण्डीनाथ मन्दिर की स्थापना राजा द्रुपद की पुत्री और पांडवों की पत्नी द्रोपदी ने स्वयं की थी। द्रोपदी भगवान शिव की पूजा अर्चना करती थी। मुगल मुस्लिम शासकों ने कई बार इस मन्दिर को तोड़ने के लिये हमले भी किये थे जानकारों के अनुसार आलमगिर औरंगजेब के सिपाहियों ने सैकड़ों हाथियों से शिवलिंग को जंजीरों से बांधकर नष्ट कराने का प्रयास किया था लेकिन कई हाथियों के मारे जाने के बाद भी वह नष्ट नहीं हुआ।

GNIOT
GROUP OF INSTITUTIONS

Transforming Students Into Industry Ready Professionals

PACKAGE SNIPPET HIGHLIGHTS

Average Package	Highest Package (Domestic)	Highest Package (International)
7.25 LPA	27.25 LPA	70.00 LPA

#ImpeccablePlacements

& Many More Placed with Pride...

19500+	10900+	9000+	510+
Proud Alumni	Placements	Students	Faculties

OUR ALLIANCES

A+ GRADE NAAC

AAA+ India's Best Engineering College CAREERS 360

12 Top North Zone Engineering College of India

AA+ India's Best B-Schools Uttar Pradesh CAREERS 360

20 Private B-Schools Delhi/NCR THE WEEK

OUR RECRUITERS

Deloitte. | Kansai Nerolac | Nestlé | Berger | NEC | accenture | ANZ | BARCLAYS | infoedge | HCL | croma | cognizant | Radisson | IBM

ADMISSIONS OPEN 2025

Engineering | Management | Commerce
Computer Applications | Nursing | Pharmacy | Law

GNIOT | GNIOT | GIPS | GIMS | GIMSAR | GNALSAR | GNIPER

Plot No. 7, Knowledge Park II, Greater Noida, Uttar Pradesh - 201310
www.gniotgroup.edu.in | 1800-274-6969

स्थापना दिवस से अव तक

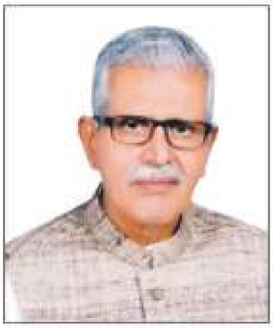

राजबहादुर सिंह चंदेल
शिक्षक विधायक
सभापति–प्रश्न एवं संदर्भ समिति

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के 58वें राज्य सम्मेलन में सहभागिता कर रहे सम्मानित अतिथियों, पदाधिकारियों, प्रतिनिधियों तथा सभी शिक्षक साथियों एवं बहनों नाथ नगरी, क्रान्तिकारी, साहित्यक एवं सांस्कृतिक भूमि पर स्वागत करते हुये मैं रोमांच के साथ भाव विभोर हूँ। बरेली जनपद जो कि महाभारत काल में पांचाल क्षेत्र के नाम से जाना जाता रहा है एवं बरेली परिक्षेत्र के चारों दिशाओं में महादेव के स्वयंशंभु विराजमान है जिससे बरेली को नाथ नगरी बरेली के नाम से भी जाना जाता है और रोहिला बन्धुओं का साम्राज्य, पंडित राधेश्याम कथावाचक, दरगाह ए आला हजरत इमाम अहमद रज़ा खान, बाँस फर्नीचर नगरी बरेली, सुरमाऐ बरेली एवं झुमका बरेली सहित अनेक युग परिवर्तकों की जन्म एवं कर्मभूमि रही है शिक्षक आन्दोलन में भी यह तपः भुमि युग बोध का मार्ग प्रशस्त करती रही है। देश के इतिहास में संगठन की स्थापना और संघर्ष यात्रा का ऐतिहासिक महत्व है। गौरवशाली अतीत से प्रेरणा लेकर प्रगतिशील अग्रगामी दिशा की ओर सामूहिक रूप से उन्मुख होना समय की आवश्यकता है।

आप सभी का अभिनन्दन करते हुये शिखक आन्दोलन के इतिहास का संक्षिप्त तथा सहज वर्णन करना मैं अनिवार्य समझता हूँ। अतीत के पृष्ठ पलटने के पीछे हमारा लक्ष्य यह है कि सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में आयोग, चयनबोर्ड अथवा शिक्षा सेवा आयोग के माध्यम से शिक्षक पथ की सेवा में आये नई पीढ़ी के साथी यह जान सकें कि सेवा सुरक्षा तथा वेतन सुरक्षा सहित सभी प्राप्त उपलब्धियाँ किसी सत्ता प्रतिष्ठान ने हमें स्वभाविक न्याय के रूप में प्रदान नहीं की हैं। इसी प्रकार वित्तविहीन विद्यालयों के शिक्षकों को यह जानना और प्रेरणा लाना आवश्यक है कि प्रारम्भिक दौर में सहायता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षकों की दशा कई संदर्भो में वर्तमान वित्तविहीन विद्यालयों के शिक्षकों की भांति ही थी।

हम सभी को आत्मचिन्तन के साथ आंकलन करना चाहिये कि हमारी पुरानी पीढ़ी ने सतत् संघर्ष करके जो प्रतिष्ठापूर्ण जीवन और सेवानिवृत्ति के बाद परिवार को संरक्षण का संवैधानिक हक हांसिल कराया था उसमें ह्रास की नई चुनौतियाँ सामने हैं। सामाजिक सिद्धान्त है कि पुरानी पीढ़ी जो वरासत छोड़ जाती है अगली पीढ़ी उसको और अधिक समृद्ध करती है लेकिन सच से हम मुँह नहीं मोड़ सकते हैं। वर्तमान संवेदनहीन रजनैतिक व्यवस्था उपलब्धियां छीनने पर अमादा प्रतीत होती हैं और हम उपलब्धियों से इस सीमा तक आत्मसंतोष का अनुभव करते हैं कि संघर्षशीलता की धार अनाव्यवधानता में क्रमशः कुठित होती जा रही है।

संगठन की स्थापना सन 1956 के कानपुर महानगर में उस दौर की पीढ़ी चिन्तनशील, समयनायको ने की थी। संस्थापक पीढ़ी की स्वर्गीय विद्यासागर दीक्षित प्रदेशीय अध्यक्ष मेरठ व महामंत्री शिव नारायण दीक्षित कानपुर तथा संगठन के झण्डागान के रचियता स्व0 कृष्ण कुमार द्विवेदी कोमल को नमन करते हुये मैं विचार करता हूँ कि कानपुर का योगदान स्वाधीनता समर, पत्रिकारिता व शैक्षिक वैचारिक प्रगतिशील तथा श्रमिक आन्दोलन के क्षेत्र में अग्रणी रहा है। यहाँ से ही संगठन की साहित्य रचनाधर्मी, नैसर्गिक न्याय पाने की उत्सर्गवादी यात्रा प्रारम्भ हुई थी।

सन 1956 के पूर्व शिक्षक सम्बन्धी वेतन संवर्गो के अनुसार अलग–अलग समूह में विभक्त था। प्रधानाचार्यो,

शिक्षकों तथा शिक्षणोत्तर कर्मचारियों की सेवा दशायें असम्मानजनक शौषणयुक्त तथा सेवायोजकों की स्वेच्छाचारिता पर निर्भर थी। संगठन की स्थापना में सामूहिक नवचेतना का स्फूर्ति के साथ संचार हुआ। सन 1956 में समस्त वेतन विसंगतियों के विरूद्ध माध्यमिक शिक्षा परिषद की परीक्षाओं का वहिष्कार करके आन्दोलन का बिगुल फूँका। इस सफल आन्दोलन के पड़ाव से 1968–69 में जेल भरो आन्दोलन किया गया और इस वर्ष वेतन वितरण अधिनियम तथा सेवा सुरक्षा का वैधानिक कवच हम सभी को प्राप्त हो सका। सन 1972 में प्रगतिशील नेतृत्व का अभ्युदय नये उत्साह के साथ हुआ। मील के पत्थर की भांति उन्नाव की धरती पर 4 व 5 मार्च 1972 को सम्पन्न राज्य सम्मेलन गौरव के साथ स्मरण किया जाता है। इस राज्य सम्मेलन का संयोजन श्री के.एस. सेंगर ने किया था। 4 दशक के वाद नव प्रगतिशील यात्रा के शुरुआत में उन्नाव की धरती को राज्य सम्मेलन आयोजित करने का अवसर युगवोध की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर सकेगा। ऐसी हमें आशा है।

सन 1972 के सम्मेलन में पारित प्रस्तावों के क्रम में 3 दिसम्बर 1972 से प्रदेश के सभी माध्यमिक विद्यालयों में पूर्ण हड़ताल व जेल भरो आन्दोलन का शंखनाद किया गया। इस आन्दोलन से तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमवती नन्दन बहुगुणा शिक्षक नेतृत्व से वार्ता के लिये संवेदनशील हुये तथा उनके साथ 1 नवम्बर 1973 से राजकीय शिक्षकों की वेतन समानता हम सभी को भी प्रदान कर दी गयी। इसी श्रृखला में 1975 में शिक्षकों व कर्मचारियों को सामूहिक जीवन वीमा का लाभ 1 मार्च 1974 से लागू किया गया था। शिक्षकों की पदोन्नति का कोटा 33 प्रतिशत से बढ़ाकर 40 प्रतिशत कर दिया गया। कालान्तर में 15 सितम्बर 1990 को पदोन्नति का कोटा 50 प्रतिशत निर्धारित कर दिया गया। प्रबन्ध समिति के असीमित अधिकारों को विधिक दायरे में सीमित करते हुये यह प्राविधान अधिनियमित कर दिया गया कि शिक्षकों और प्रधानाचार्यों को 60 दिन से अधिक निलंबित नहीं रखा जा सकेगा। संघर्ष का नया संघर्ष 1977–78 में तत्कालीन प्रान्तीय अध्यक्ष मा0 आर.एन. ठकुरई व महामंत्री स्व. मान्धाता सिंह के नेतृत्व में चला। 42 दिन तक प्रदेश के सभी माध्यमिक विद्यालयों में पूर्ण हड़ताल रखी। 39 हजार से अधिक शिक्षक सत्याग्रह करके जेल के सीखचों के पीछे रहे। 39 हजार शिक्षकों का वेतन काट दिया तथा कई हजार वैकल्पिक नियुक्तियां करके। लगभग 11 हजार शिक्षकों को सेवा से वर्खास्त कर दिया गया। इस अभूतपूर्व आन्दोलन के वाबजूद सत्ता की हठधर्मिता से आन्दोलन जनता को समर्पित हुआ। प्रखर आन्दोलन के पहरी विचलित नहीं हुये फलतः नैसर्गिक न्याय के सिद्धान्त से सेवायें भी वहाल हुईं और वेतन का भी भुगतान हुआ। शिक्षकों का वलिदान व्यर्थ नहीं गया और अप्रैल 1978 से पेंशन की लाभत्रयी योजना शासन को लागू करनी पड़ी।

सन 1984 में 16 जनवरी से प्रान्तीय अध्यक्ष मा0 मान्धाता सिंह व स्व0 पंचानन राय के नेतृत्व में शिक्षकों द्वारा एक आन्दोलन चलाया गया। जिसके परिणाम स्वरूप पेंशन का राशिकरण तथा पारिवारिक पेंशन एवं मृतक आश्रित को तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के पद पर नियुकित का अधिकार प्राप्त हो सका। तत्पश्चात वर्ष 1986 में शिक्षकों और कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से चतुर्थ केन्द्रीय वेतनमानों को लागू किये जाने हेतु आन्दोलन प्रारम्भ किया। इस आन्दोलन में शिक्षकों को चतुर्थ केन्द्रीय वेतनमानों की समानता से वंचित कर दिया गया। इस घटनाक्रम में कर्मचारियों के साथ मिलकर संघर्ष करने की परम्परा का ह्रास हो गया। 14 अक्टूबर 1986 को माधमिक विद्यालयों में वित्तविहीन व्यवस्था का अधिनियम पारित हुआ जिस पर संघर्ष न किये जाने के कारण इस व्यवस्था ने विस्तार ले लिया।

कालान्तर में पंचम वेतन आयोग की संस्तुतियों को लागू किये जाने में किये गये संघर्ष के फलस्वरूप तत्कालीन माननीय मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह ने 1 जनवरी 1996 से लागू कर उनके प्रकल्पित वेतन निर्धारण का परिणामी लाभ 1 जुलाई 2001 से प्रदान किया। छठे वेतन आयोग की संस्तुतियों के लागू किये जाने के सम्बन्ध में भी 8 दिसम्बर 2008 को निर्गत राजज्ञा में भी शिक्षकों को वेतनमानों की समानता से वंचित कर दिया गया। यहाँ भी संघर्ष की परिस्थितियों ने पुनः जन्म लिया जिसके परिणामस्वरूप 24 जनवरी 2009 को निर्गत राजज्ञा से केन्द्रीय वेतन समानता का लाभ प्राप्त हो सका।

इस संक्षिप्त इतिहास को सम्मेलन के समक्ष रेखांकित करने के पीछे हमारा उद्देश्य नई पीढ़ी को यह

बताना है कि अधिकारों की प्राप्ति हेतु संघर्ष का कोई विकल्प नहीं होता है। हमारी प्राथमिकता है कि सभी प्रकार के तदर्थ शिक्षकों को विनयमित किया जाये और वित्तविहीन शिक्षकों की सेवाओं का सत्यापन शिक्षा विभाग के सक्षम अधिकारी द्वारा किया जाये तथा इन वित्तविहीन शिक्षकों को बैंक के माध्यम से वेतन भुगतान सुनिश्चित किया जाये ताकि उन्हें बोनाफाइट शिक्षक विधिवत मान्यता प्रदान की जा सके। इसी प्रकार सी.टी. ग्रेड की सेवाओं का लाभ स्नातक वेतनक्रम के निर्धारण तिथि सं एवं 1 अप्रैल 2005 के बाद सेवारत शिक्षकों को पुरानी पेंशन से अच्छादित किया जाये।

दो दशक से अधिक समय से शिक्षक संगठन शासन को केवल प्रतिवेदन प्रस्तुत करना ही कर्तव्य का अन्त मानता आ रहा था। वर्तमान प्रान्तीय अध्यक्ष माननीय चेत पारायण सिंह पूर्व एम0एल0सी0 तथा वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री लवकुश कुमार मिश्र पूर्व एम0एल0सी0 के नेतृत्व सात ज्वलन्त एवं प्रमुख समस्याओं को लेकर 7 दिसम्बर 2011 से 21 दिसम्बर 2011 तक जेल भरो आन्दोलन चलाया गया। कई हजार शिक्षक प्रदेश में गिरफ्तार किये गये। शिक्षामंत्री से वार्ता के वाद माँगों पर 22 दिसम्बर 2011 को विन्दुबार वार्ता का एक कार्यव्रत भी बना किन्तु दो दिन बाद चुनाव की अचार संहिता लागू हो जाने के कारण समझौता अभी अधर में ही है। अब हमें इन मुद्दों पर नये सिरे से संषर्घ के लिये विचार करना होगा।

हमारी मान्यता है कि प्रकृति निहित शक्ति नये सृजन करती है और इसी शक्ति के बल पर प्रायः सभी जनपदों में हमारा संगठन ग्राह्य होकर मुख्य धारा बनता जा रहा है। हमें संगठित होकर संघर्ष के लिये तत्पर होना है और पुरानी पीढ़ी के तेजस्वी संघर्ष से प्रेरणा लेनी है। प्रारम्भिक आन्दोलनों में जन साधारण का भावनात्मक लगाव आन्दोलन के पक्ष में रहा जटिलताओं, अवरोधों और कठिनाइयों के बावजूद साहयता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों का अपनी ओर आकर्षण उत्पन्न करने का दायित्व बोध के प्रति पतिवद्ध रहना हमारा नैतिक दायित्व है।

उड़ीसा सरकार द्वारा अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों को अवरूद्ध किया जाना एक अशुभ संकेत है 1 अप्रैल 2005 से पुरानी पेंशन का बन्द हो जाना एक बहुत बड़ा दुःखद संकेत है। क्योंकि पेंशन बुढ़ापे की लाठी माना जाता है। जिस क्रम में संघर्षों से उपलब्धियाँ प्राप्त हुई उसके विपरीत क्रम में कुछ उपलब्धियों का जाना एक दुःखद संकेत है जैसे नगर प्रतिपूर्ति भत्ता (सी.सी.ए.) एवं परिवार नियोजन भत्ता बन्द हो जाना। इन सभी चीजों को हमें वापस लेना अति आवश्यक हो गया है जिसमें सबसे महत्वपूर्ण है पुरानी पेंशन योजना को बहाल कराना। ये सब संघर्ष और कर्तव्य की सामूहिक चेतना से ही सम्भव है। अपने अस्तित्व की रक्षा करते हुये वित्तविहीन विद्यालय के शिक्षकों को विधि सम्मत प्रतिष्ठा पूर्ण न्याय दिलाना हमार प्रमुख दायित्व है।

एक बार पुनः आप सभी का भोलेनाथ की प्रसिद्ध नगरी नाथ नगरी बरेली जिसके सातों कोनों पर भोलेनाथ स्वयं विराजमान हैं मैं ऐसी नाथ नगरी बरेली में होने वाले 58वें प्रान्तीय सम्मेलन में आप सभी का हृदय से स्वागत करता हूँ और सम्मेलन से नई दिशा के रूप में आगे आने की कामना करता हूँ। राज्य सम्मेलन हेतु सहर्ष स्थल और आवासीय सुविधायें, भोजन व्यवस्था आदि सुविधायें उपलब्ध कराने हेतु बरेली के पदाधिकारियों का हृदय से कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ।

– राजबहादुर सिंह चंदेल

शिक्षकों की सेवाओं को संरक्षित करेगा इण्टरमीडिएट एजुकेशन एक्ट की धारा 16–छ

संजय द्विवेदी
प्रदेश मंत्री/प्रदेश संयोजक (आई.टी.सेल)
उ.प्र. माध्यमिक शिक्षक संघ

माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन आयोग के भंग होने से पूरे प्रदेश में प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों के निलम्बन की बाढ़ आ गयी है। प्रधानाचार्य व शिक्षक अपनी सेवा सुरक्षा को लेकर बेहद चिन्तित हैं। कारण यह है कि माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन आयोग के भंग होने से सेवा सुरक्षा को लेकर बनायी गयी नियमावली समाप्त कर दी गयी है और उसके स्थान पर उ.प्र. शिक्षक सेवा आयोग अस्तित्व में आया है जिसमें उत्तर प्रदेश के माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन आयोग की धारा–21 को समाहित नहीं किया है, जिससे पूरे प्रदेश के शिक्षक अपनी सेवा सुरक्षा को लेकर परेशान है, जबकि संस्था प्रधान/अध्यापिकों के सेवा शर्तों सम्बन्धी व्यवस्था इण्टरमीडिएट शिक्ष अधिनियम 1921 की धारा 16–छ एवं उसके अन्तर्गत निहित विनियम आज भी हुबहू लागू है। इन्ही आशंकाओं को दूर करने के लिये शिक्षा निदेशक माध्यमिक उ0प्र0 (डा. महेन्द्र देव) ने जिला विद्यालय निरीक्षक बरेली को अनिल कुमार प्रजापति सहायक अध्यापक कुँ0 रंजीत सिंह इण्टर कॉलेज, नगरिया परीक्षित बरेली के सेवा समाप्ति प्रकरण में अपने पत्रांक समान्य (1), द्वितीय/ 1215–16/2024–25, दिनांक 17.03.2025 के माध्यम से लिखित मार्गदर्शन दिया है। इस शासन की अधिसूचना–415/79–बी–2023–1–क–14–2023, दिनांक 21.08.2023 द्वारा उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड अधिनियम 1982 को निरसित कर दिया है जिस कारण वर्तमान में अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत् संस्था प्रधान/अध्यापक की सेवा–शर्तें/दण्ड आदि की व्यवस्था उपरोक्त अधिसूचना दिनांक 21.08.2023 में न होने के कारण इण्टरमीडिएट शिक्षा अधिनियम, 1921 (यथा संशोधित) की व्यवस्था प्रभावित हो गयी है।

सूच्य है कि संस्था प्रधान/अध्यापकों के सेवा शर्तों सम्बन्धी व्यवस्था इण्टरमीडिएट शिक्षा अधिनियम 1921 की धारा 16–छ एवं उसके अन्तर्गत निहित विनियमों में निर्धारित है। तदानुसार प्रकरण में इण्टरमीडिएट शिक्षा अधिनियम (यथा संशोधित) की संगत धाराओं में विहित व्यवस्था के अनुक्रम में गुणदोष के आधार पर नियमानुसार सुशंगत कार्यवाही करते हुये कृत कार्यवाही से निदेशालय को अवगत करायें।

उक्त धारायें निम्नवत् हैं– 16–छ–संस्थाओं के प्रधान/अध्यापकों और अन्य कर्मचारियों की सेवा शर्तें–

1. किसी मान्यता प्राप्त संस्था में सेवायोजित प्रत्येक व्यक्ति सेवा की ऐसी शर्तों द्वारा शासित होगा, जो विनियमों द्वारा विहित की जाये और प्रबन्धाधिकरण तथा ऐसे कर्मचारी के बीच किया गया कोई करार, जहाँ तक वह इस अधिनियम के उपबन्धों या विनियमों से असंगत हो शून्य होगा।
2. उपधारा (1) द्वारा प्रदान किये गये अधिकारों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना विनियमों में निम्नलिखित के व्यवस्था की जा सकती है–

(क) परिवीक्षा की अवधि, स्थायीकरण की शर्तें और पदोन्नति तथा दण्ड देने की प्रक्रिया और शर्तें (जिसके अन्तर्गत जाँच या अपेक्षित जाँच होने तक, या नैतिक पतन समन्वित किसी अपराध के लिये किसी दण्डित मामले में अन्वेषण, जाँच या विचार किये जाने तक निलम्बन भी है) तथा निलम्बन की अवधि के लिये उपलब्धियों और नोटिस देकर सेवा का समाप्त किया जाना सम्मिलित है।

(ख) वेतनक्रम तथा वेतनों का भुगतान

(ग) एक मान्यता प्राप्त संस्था से दूसरी में सेवा का स्थानान्तरण।

(घ) छुट्टी प्रदान करना और भविष्यनिधि तथा अन्य लाभ।

(व) कार्य और सेवा के अभिलेख का रखा जाना।

3. (क) कोई भी प्रधानाचार्य / प्रधानाध्यापक या अध्यापक निरीक्षक की लिखित रूप में पूर्ण स्वीकृति के बिना न तो सेवा मुक्त किया जा सकेगा या सेवा से हटाया या पदच्युत किया जा सकेगा। निरीक्षक के निर्णय की सूचना उस अवधिक के भीतर दी जायेगी जो विनियमों द्वारा विहित की जाये।

(ख) निरीक्षक प्रबन्धाधिकरण द्वारा प्रस्तावित दण्ड की स्वीकृत या अस्वीकृत कर सकता है या उसे घटा–बढ़ा सकता है या सेवायें समाप्त करने की नोटिस की स्वीकृति या अस्वीकृति कर सकता है।
प्रतिबन्ध यह है कि दण्ड के मामलों में निरीक्षक आदेश जारी करने के पूर्व प्रधानाचार्य, प्रधानाध्यापक या अध्यापक को इस बात का एक अवसर देगा कि वह नोटिस प्राप्ति के दिनांक से एक पखवारे के भीतर कारण बतायें कि उसे प्रस्तावित दण्ड क्यों न दिया जाये।

(ग) कोई पक्ष खण्ड (ख) के अधीन किसी निरीक्षक के आदेश के विरूद्ध चाहें वह इण्टरमीडिएट एजुकेशन संशोधन अधिनियम 1966 के प्रारम्भ होने के पूर्व अथवा पश्चात किया गया हो, आदेश की सूचना पाने की दिनांक एक माह भीतर सभांगिये शिक्षा उपनिदेशक के समक्ष अपील प्रस्तुत कर सकता है और संभागिये उप शिक्षा निदेशक ऐसी अतिरिक्त जाँच यदि कोई हो करने के पश्चात जो आवश्यक समझे आदेश की पुष्टि या उसे रद्ध अथवा परिष्कृत कर सकता है, जो कि अन्तिम होगा। यदि वह आदेश जिसके विरूद्ध अपील की गयी हो सभागीय उपनिदेशक का पद धारण करने वाले व्यक्ति ने ही निरीक्षक की हैंसियत से दिया था तो वह निदेशक के आदेश से वह अपील किसी अन्य संभागीय उपशिक्षा निदेशक को निर्णय के संक्रामित हो जायेगी और इस खण्ड के उपबन्ध उस संभागीय उपनिदेशक के निर्णय के सम्बन्ध में उसी प्रकार प्रभावी होंगे मानों वह अपील हुई थी।

(घ) खण्ड (ग) के अधीन जैसा कि वह इण्टरमीडिएट एजुकेशन (संशोधन) अधिनियम 1966 के प्रारम्भ होने के दिनांक के पूर्व था, प्रस्तुत की गयी सभी अपीलें जो उक्त दिनांक के ठीक पूर्व निर्णय के लिये विचाराधीन थी उक्त अधिनियम द्वारा यथा प्रतिस्थापित खण्ड (ग) के अनुसार सम्भागीय शिक्षा उपनिदेशक द्वारा निर्णीत की जायेगी।

4. उपधारा (3) के अधीन किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा दिये गये किसी आदेश या निर्णय पर किसी न्यायालय में कोई आपत्ति न की जायेगी और सम्बन्धित पक्ष आदेश या निर्णय में दिये गये निर्देशों को उस अवधि के भीतर, जो उसमें निर्दिष्ट की जाये, निष्पादित करने के वाध्दय होंगे।

5. किसी संस्था का प्रधान या अध्यापक प्रबन्धाधिकरण द्वारा निलम्बित नहीं किया जायेगा जब तक कि प्रबन्धाधिकरण की राय में – (क) उसके विरूद्ध आरोप इतने गम्भीर न हों कि उससे उसको पदच्युत करना पद से हटाना या पंक्तिच्युत करना उचित समझा जाये या (ख) उसके पद पर बने रहने से उसके विरूद्ध अनुशासनिक कार्यवाहियों के संचालन में बाधा पड़ने या उन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, या (ग) उसके विरूद्ध किसी ऐसे अपराध के लिये दण्ड विषयक मामला अन्वेषण, जाँच या परिक्षण के अधीन है जिसमें नैतिक पतन सन्निहित है।

6. जब कभी प्रबन्ध समिति द्वारा किसी संस्था का प्रधान या अध्यापक निलम्वित किया जाये तब उसकी सूचना उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा विधि (संशोधन) अधिनियम 1975 से प्रारम्भ के दिनांक से 30 दिन के भीतर निलम्बन आदेश ऐसे प्रारम्भ के पूर्व पारित किया था, और किसी अन्य मामले में निलम्बन के आदेश के दिनांक से सात दिन के भीतर निरीक्षक को दी जायेगी और ऐसे विवरण को विहित किया जाये और उसके साथ सभी सुसंगित दस्तावेज होंगे।

7. निलम्बन का कोई आदेश, जब तक कि निरीक्षक द्वारा लिखित रूप में अनुमोदित न हो, उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा विधि (संशोधन) अधिनियम, 1975 के प्रारम्भ के दिनांक से या यथास्थिति उस आदेश के दिनांक से साठ दिन से अनधिक अवधि के लिये प्रवृत्त न रहेगा और निरीक्षक का आदेश अन्तिम होगा और उस पर किसी न्यायालय में आपत्ति नहीं की जायेगी।

8. यदि किसी समय निरीक्षक का यह समाधान हो जाये कि संस्था के प्रधान या अध्यापक के विरूद्ध अनुशासनिक कार्यवाही में संस्था के प्रधान या अध्यापक के किसी दोष के बिना विलम्ब किया जा रहा है तो निरीक्षक प्रबन्धाधिकरण को अभ्यावेदन देने का अवसर प्रदान करने के पश्चात इस धारा के अधीन दिये गये निलम्बन के आदेश को प्रतिसंहित कर सकती है।

9. इस उपधारा के प्रारम्भ होने के ठीक पूर्व उपशिक्षा निदेशक (महिला) के समक्ष विचाराधीन सभी अपीलें संयुक्त निदेशक (महिला) को निस्तारण के अन्तरित हो जायेंगी।

प्रतिबन्ध यह है कि यदि इस उपधारा के प्रारम्भ होने के पूर्व उप शिक्षा निदेशक महिला ने किसी ऐसी अपील की सुनवाई प्रारम्भ कर दी हो तो अपील का निस्तारण स्वयं उप शिक्षा निदेशक (महिला) द्वारा किया जायेगा।

शिक्षकों के संघर्ष की सहगामी वेतनमानों की यात्रा आजादी से पूर्व आज तक

वेतन विवरण अधिनियम–1971 के पूर्व वेतनमान

पद	वेतनमान	शासनादेश दि0 12.07.1947	शासनादेश दि0 27.07.1959	शासनादेश दि0 15.03.1969	शासनादेश दि0 31.10.1969
–––	–––	प्रभावी तिथि 01.07.1947 वाध्यकारी	प्रभावी तिथि 01.07.1959 वाध्यकारी	प्रभावी तिथि 01.03.1969	प्रभावी तिथि 01.07.1969
प्रधानाचार्य इण्टर	साधारण चयन	250–500	250–675	275–900 (प्रा. अस्थाई रोक रु. 45/–)	275–900 (द.रो.यथावत)
प्रधानाचार्य हाईस्कूल	साधारण चयन	200–350	225–425	240–600 (प्रा. दक्षिता रोक रु. 15/–)	240–600 (द.रो. यथावत)
प्रवक्ता	साधारण चयन प्रोन्नत	150–350	175–350	215–550 (प्रा.द.रो.10/–)	215–550 (प्रा.द.रो.15/–)
प्रशिक्षित स्नातक	साधारण चयन प्रोन्नत	120–200	120–300	138–350 (प्रा.द.रो.6/–)	138–350 (प्रा.द.रो.8/–)
सी.टी	साधारण चयन	75–175	75–200	100–250 (प्रा.द.रो.5/–)	100–250

टिप्पणी : वेतन आयोग (1971–1973) के क्रम में प्रवक्ता संवर्ग, एल.टी., प्रशिक्षित संवर्ग एवं सी.टी. संवर्ग में सृजित पदों के सापेक्ष 1 अक्टूबर 1975 से दिये गये प्रतिबन्धों/भर्ती के अधीन ज्येष्ठम 10 प्रतिशत लोगों को चयन वेतनमान अनुमय किया गया।

उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षक संघ के 58वें प्रान्तीय सम्मेलन की आप सभी को हार्दिक शुभकामनायें

– अनिल प्रजापति
से.नि. सहायक अध्यापक
वरि. उपाध्यक्ष उ.प्र.मा. शिक्षक संघ

शिक्षकों के संघर्ष की सहगामी वेतनमानों की यात्रा
आजादी से पूर्व आज तक

प्रथम वेतन आयोग 1971–73		द्वितीय वेतन आयोग शा.दे. 20.11.81	वेतन समिति–89 शासनादेश 03.06.1989	वेतनसमिति उ.प्र. 1998 शा.दे. दि. 2000–2001	
शासनादेश दि. 18.01.1974	शासनादेश दि. 24.01.1974				
प्रभावी तिथि 01.08.1972	प्रभावी तिथि 01.11.1973 राज. समानता	प्रभावी तिथि 01.07.1979	प्रभावी तिथि 01.01.1986	प्रभावी तिथि 01.01.1996	प्रभावी तिथि 01.07.2001
500-1150	550-1200	850-1720 1300-1900	2200-4000 3000-4500	8000-275-13500 10000-325-15200	10500-325-15200
400-775	450-950	770-1600 850-1720	2000-3500 2200-4000	6500-200-10500 8000-275-13500	7500-250-12000 8000-275-13500
375-715	400-750	650-1280 960-1480	1600-2660 2000-3200 3300-3700	5500-175-8650 6500-200-10500 8000-275-13500	6500-200-10500 7500-250-12000 8000-275-13500
300-510	300-550	540-910 740-1090	1400-2300 1640-2765 2840-3165	4500-125-7000 5500-175-8650 6500-200-10500	5500-175-9000 6500-200-10500 7500-250-12000
220-400	250-425	450-720 620-820	1350-2070 1450-2490	3200-89 से सी.टी. ग्रेड	

टिप्पणी : शासनादेश दि0 29 दिसम्बर 1981 (वेतन आयोग 1997–80) की संस्तुतियों के क्रम में प्रधानाचार्य, प्रधानाध्यापक, प्रवक्ता, एल.टी., प्रशिक्षित वेतनक्रम के शिक्षकों को 16 वर्ष की निरन्तर संतोषजनक नियमित सेवा के आधार पर दी गयी भर्ती/प्रतिबंधों के अधीन चयन वेतनमान अनुमय किया गया।

उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षक संघ के 58वें प्रान्तीय सम्मेलन की आप सभी को हार्दिक शुभकामनायें

– अरविन्द कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य–गाँधी इण्टर कॉलेज, शाही, बरेली

शिक्षकों के संघर्ष की सहगामी वेतनमानों की यात्रा आजादी से पूर्व आज तक

वेतन समिति 2008, पी.बी.—02 9300—34800, पी.बी.—3 15600—39100 ग्रेड तृतीय—साधारण	ग्रेड द्वितीय—चयनवेतन ग्रेड—प्रथम—प्रोन्नत वेतन	वेतन समिति 2016 पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स—4
शा.दि. 08.12.2008 प्र.तिथि 01.01.2006	शा.दि. 24.02.2009, प्र.तिथि 01.01.2006 08.12.2008 अथवा उपरन्तर वास्तविक लाभ	शा.दि. 20.12.2016 प्र.तिथि 01.01.2016
पी.बी.—3, जी.पी—6600	संशो. 12000—66500, पी.बी.—3, जी.पी.—7600	78800—209200, एल—12 मैट्रिक्स लेवल—12
पी.बी.—2, जी.पी.—4800 पी.बी.—2, जी.पी.—5400	संशो. 8000—13500, पी.बी.—3, जी.पी—5400 संशो. 10000—15200, पी.बी.—3, जी.पी—6600	56100—197500, एल—10 67700—208700, एल—11
पी.बी.—2, जी.पी—4600 पी.बी.—2, जी.पी.—4800 पी.बी.—2, जी.पी.—5400	संशो. 7500—12000, पी.बी.—2, जी.पी. 4800 संशो. 8000—13500, पी.बी.—3, जी.पी. 5400 संशो. 10000—15200, पी.बी.—3, जी.पी. 6600	47600—151100, एल.—8 56100—177500, एल.—10 67700—208700, एल—11
पी.बी.—2, जी.पी.—4200 पी.बी.—2, जी.पी.—4600 पी.बी.—2, जी.पी.—4800	संशो. 7450—11500, पी.बी.—2, जी.पी.—4600 संशो. 7500—12200, पी.बी.—2, जी.पी.—4800 संशो. 8000—13500, पी.बी.—3, जी.पी.—5400	44900—142400, एल—7 47600—151100 56100—177500, एल.—10

टिप्पणी : शासन की रजज्ञा दि0 28.09 / 18.10.1989 के क्रम में 10 वर्ष की नियमित सेवा पर चयन वेतन दी गयी भर्ती / प्रतिबन्धों के अधीन अनुमय किया गया। इसी प्रकार 1 जनवरी 1996 से 10 वर्ष की नियमित सेवा के उपरान्त चयन वेतनमान तद्क्रम में उसके बाद 12 वर्ष की संतोषजनक सेवा के उपरान्त प्रोन्नत वेतनमान अनुमय है, वर्तमान में साधारण वेतन, चयन वेतन व प्रोन्नत वेतनमान का का क्रमशः ग्रेड—3, ग्रेड—2, ग्रेड—1 का नाम दिया गया है। 8वें वेतन आयोग की घोषणा में काफी जिद्दोजहद के बाद विगत 17 जनवरी 1925 को केन्द्र सरकार ने अधीकृत घोषणा कर दी है। प्रमाणित नियमों की परिधि में 01 जनवरी 2026 से लागू किया जाना है।

प्रस्तुतकर्ता
वीरेन्द्र प्रताप सिंह
प्रधान सम्पादक—शौक्षिक विचार /
पूर्व जिलाध्यक्ष वाराणसी मो. : 9450544585

उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षक संघ के 58वें प्रान्तीय सम्मेलन की आप सभी को हार्दिक शुभकामनायें

— देवेन्द्र कुमार
प्रधानाचार्य—विष्णु इण्टर कॉलेज, बरेली

प्रेषक,

शिक्षा निदेशक (माध्यमिक),
उ0प्र0, लखनऊ।

सेवा में,

1. अपर शिक्षा निदेशक (माध्यमिक/राजकीय/पत्राचार/व्या0शि0), उ0प्र0, प्रयागराज/लखनऊ।
2. सचिव, माध्यमिक शिक्षा परिषद, उ0प्र0 प्रयागराज।
3. सचिव, माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद, उ0प्र0 लखनऊ।
4. वित्त नियंत्रक (माध्यमिक), शिक्षा निदेशालय, उ0प्र0 प्रयागराज।
5. समस्त मण्डलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक, उ0प्र0।
6. समस्त मण्डलीय उप शिक्षा निदेशक, उ0प्र0।
7. समस्त जिला विद्यालय निरीक्षक, उ0प्र0,
8. समस्त वित्त एवं लेखाधिकारी माध्यमिक शिक्षा, उ0प्र0।

पत्रांकः शिविर/ 54359–435 /2024–25 दिनांक 05 मार्च, 2025

विषयः माध्यमिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत राजकीय/अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक/शिक्षणेत्तर कर्मचारियों, प्रधानाध्यापकों/प्रधानाचार्यों तथा उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज व उ0प्र0 माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद, लखनऊ के समस्त प्रकरणों/समस्याओं का विभिन्न स्तर पर त्वरित एवं समयबद्ध निस्तारण हेतु कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में अंगीकृत नागरिक घोषणा–पत्र का अनुपालन सुनिश्चित किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय/महोदया,

उत्तर प्रदेश जनहित गारन्टी अधिनियम 2011 यथा–संशोधित में उल्लिखित 10 सेवाओं के सम्बन्ध में निस्तारण की समय सीमा निर्धारित की गयी है। माध्यमिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत राजकीय/अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक/शिक्षणेत्तर कर्मचारियों, प्रधानाध्यापकों/प्रधानाचार्यों तथा उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज व उ0प्र0 माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद, लखनऊ के समस्त सेवा सम्बन्धी विषयों व अन्य प्रकरणों का त्वरित एवं समयबद्ध निस्तारण किये जाने हेतु दिनांक 05 मार्च, 2025 को नागरिक घोषणा–पत्र अंगीकृत किया गया है, जो इस पत्र के साथ संलग्न है।

उल्लेखनीय है कि संलग्न नागरिक घोषणा–पत्र में उल्लिखित राजकीय/अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक/शिक्षणेत्तर कर्मचारियों, प्रधानाध्यापकों/प्रधानाचार्यों तथा उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज व उ0प्र0 माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद, लखनऊ के विभिन्न प्रकरणों के निस्तारण से सम्बन्धित समिति के प्रथम अपीलीय अधिकारी तथा द्वितीय अपीलीय अधिकारी का सम्पूर्ण विवरण **15 दिवस के अन्दर** अपने **कार्यालय के मुख्य द्वार (प्रवेश द्वार के निकट) पर मोटे अक्षरों में पेंट कराया जायेगा।** इस सम्बन्ध में सूचना पट्ट का प्रारूप नागरिक घोषणा–पत्र में अंकित है।

अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि उपरोक्त निर्देशों एवं संलग्न नागरिक घोषणा–पत्र का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए जनसामान्य के प्रकरणों सहित माध्यमिक शिक्षा विभाग से सम्बन्धित विभिन्न प्रकरणों का नियमों के आलोक में समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें।

संलग्नकः–उक्तवत्।

भवदीय

डॉ0(महेन्द्र देव)
शिक्षा निदेशक(माध्यमिक),
उ0प्र0, लखनऊ।

पृ0सं0: शिविर/ 54359–435/2024–25 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1. अपर मुख्य सचिव, माध्यमिक शिक्षा विभाग, उ0प्र0 शासन, लखनऊ।
2. महानिदेशक, स्कूल शिक्षा, उ0प्र0, लखनऊ।
3. निदेशक, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0, लखनऊ।
4. केन्द्र निदेशक, दूरदर्शन/आकाशवाणी, लखनऊ।

डॉ0(महेन्द्र देव)
शिक्षा निदेशक(माध्यमिक),
उ0प्र0, लखनऊ।

नागरिक घोषणा–पत्र

उत्तर प्रदेश जनहित गारन्टी अधिनियम 2011 यथा–संशोधित में उल्लिखित 10 सेवाओं के सम्बन्ध में निस्तारण की समय सीमा निर्धारित की गयी है। माध्यमिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत राजकीय / अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक / शिक्षणेत्तर कर्मचारियों, प्रधानाध्यापकों / प्रधानाचार्यों के समस्त सेवा सम्बन्धी विषयों के समयान्तर्गत निस्तारण के सम्बन्ध में लोक सेवा प्रबन्धन अनुभाग द्वारा निर्गत शासनादेश संख्या: 738(1) / पन्द्रह–2–2023 दिनांक 05 जून, 2023 द्वारा माध्यमिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत राजकीय / अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक / शिक्षणेत्तर कर्मचारियों, प्रधानाध्यापकों / प्रधानाचार्यों के समस्त प्रकार के अवकाश मानव सम्पदा पोर्टल के माध्यम से ऑन लाईन स्वीकृति के निर्देश प्रदान किये गये हैं, ताकि उनके सेवा सम्बन्धी विषयों का समयान्तर्गत निस्तारण किया जा सके।

2– माध्यमिक शिक्षा विभाग में नागरिक घोषणा–पत्र इस उद्देश्य से लागू किया जा रहा है कि जनसामान्य के साथ–साथ माध्यमिक शिक्षा विभाग में कार्यरत अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शिक्षकों के सेवा सम्बन्धी एवं अन्य प्रकरणों का निस्तारण समयबद्ध रूप से हो सकेगा, जिससे शासकीय कार्यों में पारदर्शिता आयेगी। इससे जहाँ एक ओर शैक्षिक वातावरण के विकास में उत्तरोत्तर गतिशीलता मिलेगी, वहीं दूसरी ओर शिक्षा का गुणवत्ता संवर्द्धन भी होगा।

3– लोक सेवा प्रबन्धन अनुभाग द्वारा निर्गत उत्तर प्रदेश जनहित गारन्टी अधिनियम–2011 यथा–संशोधित में 10 सेवाओं सहित अन्य प्रकार की समस्त विभागीय सेवाओं के लिए निर्धारित समय–सारिणी के क्रम में निम्नवत् समय सीमा निर्धारित की जाती है:– .

क्रम	विभाग का नाम	प्रकरण	सेवा संख्या	निस्तारण की समय सीमा					
				कार्यालय में प्राप्ति की तिथि से	अग्रसारण / स्वीकृतकर्ता अधिकारी	प्रथम अपील	प्रथम अपीलीय अधिकारी	द्वितीय अपील	द्वितीय अपीलीय अधिकारी
1		2		3	4	5	6	7	8
1	माध्यमिक शिक्षा परिषद उ०प्र० प्रयागराज	(1) मूल प्रमाण–पत्र जारी करना	09	15 दिवस	अपर सचिव क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी, गोरखपुर, मेरठ, बरेली, प्रयागराज	15 दिवस	सचिव, माध्यमिक शिक्षा परिषद, उ०प्र०, प्रयागराज	15 दिवस	शिक्षा निदेशक(मा०) / सभापति, माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश
		(2) प्रमाण–पत्र की द्वितीय प्रतिलिपि जारी करना।		30 दिवस		15 दिवस		15 दिवस	
		(3) मूल अंक पत्र जारी करना		30 दिवस		15 दिवस		15 दिवस	
		(4) अंक पत्र की द्वितीय प्रतिलिपि जारी करना		30 दिवस		15 दिवस		15 दिवस	
		(5) संशोधित प्रमाण–पत्र जारी करना		30 दिवस		15 दिवस		15 दिवस	
		(6) संशोधित अंक–पत्र जारी करना		30 दिवस		15 दिवस		15 दिवस	
		(7) निरस्त "CANCELLED" परीक्षाफल का निराकरण करना।		45 दिवस		30 दिवस		15 दिवस	
		(8) रोके गये "WITHELD" परीक्षाफल का निराकरण करना		45 दिवस		30 दिवस		15 दिवस	
		(9) अपूर्ण अथवा त्रुटिपूर्ण परीक्षाफल का संशोधन करना।		45 दिवस		30 दिवस		15 दिवस	
2	राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक / शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए	(1)पेंशन स्वीकृति पर निर्णय		60 दिवस	वित्त एवं लेखाधिकारी	30 दिवस	संयुक्त शिक्षा निदेशक	30 दिवस	अपर शिक्षा निदेशक (राज०)
		(2) जी०पी०एफ० स्वीकृति पर निर्णय		30 दिवस	संयुक्त शिक्षा निदेशक	15 दिवस	अ०शि०नि० (राज०)	15 दिवस	शिक्षा निदेशक(मा०)
		(2–A)जी०पी०एफ० अग्रिम भुगतान (ऋण)		15 दिवस	संयुक्त शिक्षा निदेशक	07 दिवस	अ०शि०नि० (राज०)	07 दिवस	शिक्षा निदेशक(मा०)
		(2–B)–नव नियुक्त शिक्षकों		60 दिवस	जि०वि०नि०	15	संयुक्त	15 दिवस	अपर शिक्षा

		जी0पी0एफ0. पेंशन स्वीकृति पर निर्णय			लेखाधिकारी	दिवस			निदेशक (राज0)
		(31) शिक्षक / शिक्षणेत्तर के अवशेष देयकों का भुगतान		15 दिवस	वित्त एवं लेखाधिकारी	07 दिवस	सं0शि0नि0	07 दिवस	अपर शिक्षा निदेशक (राज0)
3	अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक / शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के लिए	(1)पेंशन स्वीकृति पर निर्णय	24	60 दिवस	उ0शि0नि0	30 दिवस	सं0शि0नि0	30 दिवस	अ0शि0नि0 (मा0)
		(2) जी0पी0एफ0 स्वीकृति पर निर्णय		30 दिवस	उ0शि0नि0	15 दिवस	सं0शि0नि0	15 दिवस	अ0शि0नि0 (मा0)
		(2–A)जी0पी0एफ0 अग्रिम भुगतान (ऋण)		15 दिवस	जि0वि0नि0	07 दिवस	सं0शि0नि0	07 दिवस	अ0शि0नि0 (मा0)
		(2–B)–नव नियुक्त शिक्षकों के शैक्षिक अभिलेखों का सत्यापन		60 दिवस	प्रबन्धक	07 दिवस	जि0वि0नि0	07 दिवस	सं0शि0नि0
		(3) ग्रेच्युटी व राशिकरण		30 दिवस	उ0शि0नि0	30 दिवस	सं0शि0नि0	15 दिवस	अ0शि0नि0 (मा0)
		(4) पारिवारिक पेंशन		30 दिवस	उ0शि0नि0	30 दिवस	सं0शि0नि0	15 दिवस	अ0शि0नि0 (मा0)
		(5) चिकित्सा अवकाश स्वीकृति पर निर्णय		15 दिवस	प्रबन्धक	15 दिवस	जि0वि0नि0	15 दिवस	अ0शि0नि0 (मा0)
		(6) प्रोवीजनल पेंशन स्वीकृति पर निर्णय		30 दिवस	उप शिक्षा निदेशक	30 दिवस	सं0शि0नि0	30 दिवस	अ0शि0नि0 (मा0)
		(7) उपार्जित अवकाश स्वीकृति पर निर्णय		15 दिवस	प्रबन्धक	7 दिवस	जि0वि0नि0	7 दिवस	सं0शि0नि0
		(8) वेतन भुगतान पर निर्णय		30 दिवस	जि0वि0नि0	15 दिवस	सं0शि0नि0	15 दिवस	अ0शि0नि0 (मा0)
		(9) गोपनीय प्रविष्टि पर निर्णय		30 दिवस	प्रबन्धक	30 दिवस	जि0वि0नि0	30 दिवस	सं0शि0नि0
		(10) मृतक आश्रित नियुक्ति (सामान्य मामलों में) पर निर्णय		90 दिवस	जि0वि0नि0	30 दिवस	सं0शि0नि0	30 दिवस	अ0शि0नि0 (मा0)
		(11) आकस्मिक अवकाश पर निर्णय (a) स0अ0 / प्रवक्ता / शिक्षणेत्तर		01दिवस	प्रधानाचार्य	01दिवस	प्रबन्धक	01दिवस	जि0वि0नि0
		(b) प्रधानाचार्य		01दिवस	प्रबन्धक	01दिवस	जि0वि0नि0	01दिवस	सं0शि0नि0
		(12) बाल्य देखभाल अवकाश पर निर्णय		15 दिवस	प्रबन्धक	7 दिवस	जि0वि0नि0	7 दिवस	सं0शि0नि0
		(13) मातृत्व अवकाश पर निर्णय		15 दिवस	प्रबन्धक	7 दिवस	जि0वि0नि0	7 दिवस	सं0शि0नि0
		(14)गर्भपात अवकाश पर निर्णय		15 दिवस	प्रबन्धक	7 दिवस	जि0वि0नि0	7 दिवस	सं0शि0नि0
		(15) चयन वेतनमान पर निर्णय		30 दिवस	जि0वि0नि0	7 दिवस	सं0शि0नि0	7 दिवस	अ0शि0नि0 (मा0)
		(16) प्रोन्नत वेतनमान पर निर्णय		30 दिवस	जि0वि0नि0	10 दिवस	सं0शि0नि0	10 दिवस	अ0शि0नि0 (मा0)
		(16–B) स्नातक वेतनक्रम से प्रवक्ता वेतनक्रम में पदोन्नति प्रकरण का निस्तारण		30 दिवस	सं0शि0नि0	15 दिवस	अ0शि0नि0 (मा0)	15 दिवस	शि0नि0 (मा0)
		(17)अशासकीय शिक्षक / शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का अवशेष देयकों का भुगतान		30 दिवस	जि0वि0नि0	30 दिवस	सं0शि0नि0	15 दिवस	अ0शि0नि0 (मा0)

		(18) अशासकीय विद्यालयों शिक्षणेत्तर कर्मचारी का ए०सी०पी० जनवरी / जुलाई		90 दिवस	जि०वि०नि०	30 दिवस	सं०शि०नि०	30 दिवस	अ०शि०नि० (मा०)
		(20) प्रान संख्या का आवंटन		15 दिवस	जि०वि०नि०	07 दिवस	सं०शि०नि०	07 दिवस	अ०शि०नि० (मा०)
		(20–A)राष्ट्रीय पेंशन योजना के अन्तर्गत अभिदाता के प्रान खाते में अभिदाता अंश एवं नियोक्ता अंश का अंतरण		30 दिवस	जि०वि०नि०	07 दिवस	सं०शि०नि०	07 दिवस	अ०शि०नि० (मा०)
		(21)कार्यवाहक प्रधानाचार्य / प्रधानाध्यापक एवं प्रबन्धकों के हस्ताक्षर का प्रमाणन		15 दिवस	जि०वि०नि०	07 दिवस	सं०शि०नि०	07 दिवस	अ०शि०नि० (मा०)
		(22)पूर्व सेवा के आधार पर वेतन वृद्धियों के संरक्षण का निस्तारण		30 दिवस	जि०वि०नि०	15 दिवस	सं०शि०नि०	15 दिवस	अ०शि०नि० (मा०)
		(23)बीमा भुगतान		30 दिवस	जि०वि०नि०	15 दिवस	उप शिक्षा निदेशक	15 दिवस	अ०शि०नि० (मा०)
		(24)टी०सी० प्रतिहस्ताक्षर		03 दिवस	जि०वि०नि०	03 दिवस	सं०शि०नि०	07 दिवस	अ०शि०नि० (मा०)
4	माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद लखनऊ	(1) मूल प्रमाण–पत्र जारी करना	11	15 दिवस	प्रशासनिक अधिकारी संस्कृत शिक्षा परिषद, उ०प्र०	15 दिवस	सचिव, संस्कृत शिक्षा परिषद, उ०प्र०	15 दिवस	शिक्षा निदेशक(मा०) उ०प्र०
		(2) प्रमाण–पत्र की द्वि०तीय प्रतिलिपि जारी करना।		30 दिवस		15 दिवस		15 दिवस	
		(3) मूल अंक पत्र जारी करना		30 दिवस		15 दिवस		15 दिवस	
		(4) अंक पत्र की द्वितीय प्रतिलिपि जारी करना		30 दिवस		15 दिवस		15 दिवस	
		(5) संशोधित प्रमाण–पत्र जारी करना		30 दिवस		15 दिवस		15 दिवस	
		(6) संशोधित अंक–पत्र जारी करना		30 दिवस		15 दिवस		15 दिवस	
		(7) निरस्त CANCELLED परीक्षाफल का निराकरण करना।		45 दिवस		30 दिवस		15 दिवस	
		(8) रोके गये "WITHELD" परीक्षाफल का निराकरण करना		45 दिवस		30 दिवस		15 दिवस	
		(9) अपूर्ण अथवा त्रुटिपूर्ण परीक्षाफल का संशोधन करना।		45 दिवस		30 दिवस		15 दिवस	
		(10) व्यक्तिगत परीक्षार्थियों को उनके आवेदन पर माइग्रेशन / प्रव्रजन प्रमाण–पत्र निर्गत करना।		15 दिवस		15 दिवस		15 दिवस	
		(11) शैक्षिक अभिलेखों का सत्यापन		15 दिवस		15 दिवस		15 दिवस	
5	पुस्तकालय अनुभाग शिविर कार्यालय लखनऊ	(1) वेतन भुगतान पर निर्णय	05	15 दिवस	अपर शिक्षा निदेशक (व्या०शि०) शिविर कार्यालय लखनऊ	07 दिवस	अपर निदेशक (माध्यमिक)	07 दिवस	शिक्षा निदेशक (मा०)
		(2)ए०सी०पी० पर निर्णय		90 दिवस		30 दिवस		30 दिवस	
		(3)मृतक आश्रित पर नियुक्ति		90 दिवस		30 दिवस		30 दिवस	
		(4)चयन वेतनमान पर निर्णय		30 दिवस		07दिवस		07 दिवस	
		(5)प्रोन्नत वेतनमान पर निर्णय		30 दिवस		10 दिवस		10 दिवस	

के शैक्षिक अभिलेखों का सत्यापन	31			दिवस	शिक्षा निदेशक		निदेशक (राज0)
(3) चिकित्सा प्रतिपूर्ति पर निर्णय (तकनीकी एवं अनिवार्यता परीक्षण के बाद)		60 दिवस	कार्यालयाध्यक्ष	30 दिवस	संयुक्त शिक्षा निदेशक	30 दिवस	अपर शिक्षा निदेशक (राज0)
(4) प्रोवीजनल पेंशन स्वीकृति पर निर्णय		30 दिवस	वित्त एवं लेखाधिकारी	30 दिवस	सं0शि0नि0	30 दिवस	अपर शिक्षा निदेशक (राज0)
(5) वेतन भुगतान पर निर्णय		15 दिवस	वित्त एवं लेखाधिकारी	7 दिवस	सं0शि0नि0	07 दिवस	अपर शिक्षा निदेशक (राज0)
(6) गोपनीय प्रविष्टि पर निर्णय (a) स0अ0 / प्रवक्ता / शिक्षणेत्तर		30 दिवस	सम्बन्धित के प्रतिवेदक अधिकारी	30 दिवस	सं0शि0नि0	30 दिवस	अपर शिक्षा निदेशक (राज0)
(b)प्रधानाचार्य / प्रधानाध्यापक		30 दिवस	सम्बन्धित के प्रतिवेदक अधिकारी	30 दिवस	सं0शि0नि0	30 दिवस	अपर शिक्षा निदेशक (राज0)
(7) सुनिश्चित कैरियर प्रोन्नयन		90 दिवस	जि0वि0नि0	30 दिवस	सं0शि0नि0	30 दिवस	अपर शिक्षा निदेशक (राज0)
(7–A) स्नातक वेतनक्रम से प्रवक्ता वेतनक्रम में पदोन्नति प्रकरण का निस्तारण		30 दिवस	जि0वि0नि0	10 दिवस	सं0शि0नि0	10 दिवस	अपर शिक्षा निदेशक (राज0)
(8) मृतक आश्रित नियुक्ति (सामान्य मामलो मे) पर निर्णय		90 दिवस	जि0वि0नि0	30 दिवस	सं0शि0नि0	30 दिवस	अपर शिक्षा निदेशक (राज0)
(9) आकस्मिक अवकाश पर निर्णय (a) स0अ0 / प्रवक्ता / शिक्षणेत्तर		01 दिवस	प्रधानाचार्य / प्रधानाध्यापक	01 दिवस	जि0वि0नि0	01 दिवस	उप शिक्षा निदेशक
(b) प्रधानाचार्य / प्रधानाध्यापक		01 दिवस	जि0वि0नि0	01 दिवस	उप शिक्षा निदेशक	01 दिवस	सं0शि0नि0
(10)सहायक अध्यापक / प्रवक्ता वेतनक्रम में 30 दिन तक का मातृत्व उपार्जित / बाल्य देखभाल / गर्भपात अवकाश		15 दिवस	जि0वि0नि0	07 दिवस	उप शिक्षा निदेशक	07 दिवस	सं0शि0नि0
(11) स0अ0 / प्रवक्ता 30 दिन तक का चिकित्सा अवकाश		15 दिवस	जि0वि0नि0	15 दिवस	उप शिक्षा निदेशक	15 दिवस	सं0शि0नि0
(12)प्रधानाचार्य / प्रधानाध्यापक (पुरूष / महिला का आकस्मिक अवकाश)		01 दिवस	जि0वि0नि0	01 दिवस	उप शिक्षा निदेशक	01 दिवस	सं0शि0नि0
(13) स0अ0 / प्रवक्ता कार्यरत शिक्षक 30 दिन से अधिक का 04 माह तक का उपार्जित / बाल्य देखभाल / गर्भपात अवकाश		15 दिवस	उप शिक्षा निदेशक	07 दिवस	सं0शि0नि0	07 दिवस	अपर शिक्षा निदेशक (राज0)
(14)स0अ0 / प्रवक्ता कार्यरत शिक्षक 30 दिन से अधिक, 04 माह तक का चिकित्सा अवकाश		15 दिवस	उप शिक्षा निदेशक	15 दिवस	सं0शि0नि0	15 दिवस	अपर शिक्षा निदेशक (राज0)
(15) प्रधानाध्यापक / प्रधानाचार्य का 30 दिन से		15 दिवस	उप शिक्षा निदेशक	15 दिवस	सं0शि0नि0	15 दिवस	अपर शिक्षा निदेशक

		अधिक 04 माह तक का चिकित्सा अवकाश							(राज0)
		(16) स0अ0 / प्रवक्ता असाधारण / अध्ययन अवकाश (30 दिन तक)		60 दिवस	जि0वि0नि0	30 दिवस	सं0शि0नि0	30 दिवस	अपर शिक्षा निदेशक (राज0)
		(17)स0अ0 प्रवक्ता असाधारण / अध्ययन अवकाश (30 दिन से अधिक 04 माह तक)		60 दिवस	उप शिक्षा निदेशक	30 दिवस	सं0शि0नि0	30 दिवस	अपर शिक्षा निदेशक (राज0)
		(18) अधीनस्थ राजपत्रित 30 दिन तक का उपार्जित अवकाश / बाल्य देखभाल अवकाश / गर्भपात अवकाश / मातृत्व अवकाश		15 दिवस	उप शिक्षा निदेशक	07 दिवस	सं0शि0नि0	07 दिवस	अपर शिक्षा निदेशक (राज0)
		(19)अधीनस्थ राजपत्रित महिला 30 दिन से अधिक का उपार्जित अवकाश / बाल्य देखभाल अवकाश / गर्भपात अवकाश / मातृत्व अवकाश		15 दिवस	सं0शि0नि0	07 दिवस	अपर शिक्षा निदेशक (राज0)	07 दिवस	शिक्षा निदेशक(मा0)
		(20) अधीनस्थ राजपत्रित असाधारण / अध्ययन अवकाश		30 दिवस	उप शिक्षा निदेशक	15 दिवस	सं0शि0नि0	15 दिवस	अपर शिक्षा निदेशक (राज0)
		(21) अधीनस्थ राजपत्रित उपार्जित अवकाश (30 दिन से अधिक 90 दिन तक का)		15 दिवस	सं0शि0नि0	07 दिवस	अ0शि0नि0	07 दिवस	शिक्षा निदेशक(मा0)
		(22) राजपत्रित (समूह–ख) बाल्य देखभाल अवकाश / मातृत्व अवकाश / उपार्जित अवकाश / चिकित्सीय अवकाश		15 दिवस	सं0शि0नि0	07 दिवस	अपर शिक्षा निदेशक (राज0)	07 दिवस	शिक्षा निदेशक(मा0)
		(23)अधी0 राज0 वेतनक्रम में सेवानिवृत्त उपरान्त ई0एल0 अवकाश का नगदीकरण		30 दिवस	सं0शि0नि0	15 दिवस	अ0शि0नि0	15 दिवस	शिक्षा निदेशक(मा0)
		(24) चयन वेतनमान पर निर्णय		30 दिवस	उप शिक्षा निदेशक	7 दिवस	सं0शि0नि0	07 दिवस	अपर शिक्षा निदेशक (राज0)
		(25) प्रोन्नत वेतनमान पर निर्णय		30 दिवस	सं0शि0नि0	10 दिवस	अ0शि0नि0	10 दिवस	शिक्षा निदेशक(मा0)
		(26)पूर्व सेवा के आधार पर वेतन वृद्धियों के संरक्षण का निस्तारण		30 दिवस	जि0वि0नि0	15 दिवस	सं0शि0नि0	15 दिवस	अपर शिक्षा निदेशक (राज0)
		(27) बीमा भुगतान		30 दिवस	जि0वि0नि0	15 दिवस	अपर शिक्षा निदेशक (राज0)	15 दिवस	शिक्षा निदेशक(मा0)
		(28) राष्ट्रीय पेंशन योजना के अन्तर्गत अभिदाता के प्रान खाते में अभिदाता अंश एवं नियोक्ता अंश का अंतरण		30 दिवस	वित्त एवं लेखाधिकारी	7 दिवस	सं0शि0नि0	07 दिवस	अपर शिक्षा निदेशक (राज0)
		(29)टी0सी0 प्रतिहस्ताक्षर		03 दिवस	जि0वि0नि0	03 दिवस	उप शिक्षा निदेशक	03 दिवस	सं0शि0नि0
		(30)सेवानिवृत्त से पूर्व		30 दिवस	वित्त एवं	10	सं0शि0नि0	10 दिवस	अपर शिक्षा

2

नोटः– ऐसे कार्य जो अधिनियमित व्यवस्था के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी द्वारा निस्तारित किये जाने है उनके निस्तारण के लिये अपीलीय अधिकारी उन्हें निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत निस्तारण हेतु निर्दिष्ट करेंगे। यदि निर्दिष्ट समय सीमा में सक्षम प्राधिकारी द्वारा निस्तारण नहीं किया जाता है, तब अपीलीय अधिकारी सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी के विरुद्ध कार्यवाही की अनुशंसा कर सकेंगें।

2–राजकीय/अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक/शिक्षणेत्तर कर्मचारियों, प्रधानाध्यापकों/प्रधानाचार्यों के विभिन्न प्रकरणों के निस्तारण से सम्बन्धित समिति के प्रथम अपीलीय अधिकारी तथा द्वितीय अपीलीय अधिकारी का सम्पूर्ण विवरण सम्बन्धित कार्यालय के मुख्य द्वार (प्रवेश द्वार के निकट) मोटे अक्षरों में पेंट करायें। इस सम्बन्ध में सूचना पट्ट का प्रारूप निम्नवत् है–

सूचना पट्ट का प्रारूप

पदाभिहित अधिकारी का नाम, पदनाम एवं कार्यालय..

क्रम संख्या	अधिसूचित सेवा	आवेदन के साथ संलग्न किये जाने वाले दस्तावेज	सेवायें प्रदान करने के लिए नियत की गयी समय–सीमा	प्रथम अपील अधिकारी का पदनाम एवं पता	प्रथम अपील के निराकरण के लिए निश्चित की गयी समय–सीमा	द्वितीय अपील प्राधिकारी का पदनाम एवं पता
1	2	3	4	5	6	7

मानव सम्पदा से भिन्न विषयों से सम्बन्धित प्राप्त आवेदन पत्रों का अंकन/विवरण इस हेतु तैयार की गयी विशेष पंजी में रखा जाए। पंजी का प्रारूप निम्नवत् है–

पदाभिहित अधिकारी के कार्यालय में पोषित की जाने वाली पंजी का प्रारूप

पदाभिहित अधिकारी के कार्यालय का नाम..

माह.............................. वर्ष..............................

क्रम संख्या	आवेदक का नाम एवं पता	सेवा जिसके लिए आवेदन दिया गया है	नियत की गयी समय–सीमा का अन्तिम दिनांक	आवेदन स्वीकृत/निरस्त	पारित आदेश का दिनांक एवं विवरण
1	2	3	4	5	6

प्रथम अपीलीय अधिकारी एवं द्वितीय अपीलीय अधिकारी की पंजी भी सम्बन्धित कार्यालय में सुरक्षित रखी जाए। निर्धारित समयान्तर्गत प्रकरण निस्तारित न होने की स्थिति में कार्यालय के सम्बन्धित अभिकर्मी/अधिकारी का उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाएगा। निस्तारित प्रकरणों की संख्या तथा लम्बित प्रकरणों की संख्या सम्बन्धित अभिकर्मी/अधिकारी की वार्षिक आख्या के मूल्यांकन में सम्मिलित किया जाएगा।

उक्त नागरिक घोषणा–पत्र दिनांक 05 मार्च, 2025 विक्रम सम्वत् 2081, फाल्गुन मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठी तिथि, दिन बुद्धवार को अंगीकृत किया गया।

डॉ0(म... ...) 5/3/25
शिक्षा निदेशक(माध्यमिक),
उ0प्र0,लखनऊ

उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षक संघ के 58वें प्रान्तीय सम्मेलन की आप सभी को हार्दिक शुभकामनायें

– वाणी पाराशरी

अध्यापक–द्रोपदी कन्या इण्टर कॉलेज, बरेली
जिला संयुक्त मंत्री–उ.प्र.मा. शिक्षक संघ

ई–मेल

प्रेषक,

शिक्षा निदेशक (मा0), उत्तर प्रदेश,
शिक्षा सामान्य (1) द्वितीय अनुभाग,
प्रयागराज।

सेवा में,

जिला विद्यालय निरीक्षक,
बरेली।

पत्रांकः सामान्य (1) द्वितीय / 7215–18 / 2024–25, दिनाँक 17.03.2025

विषयः श्री अनिल कुमार प्रजापति, सहायक अध्यापक, कुँवर रंजीत सिंह इण्टर कालेज, नगरिया, परीक्षित, बरेली के सेवा समाप्ति प्रकरण में मार्गदर्शन दिये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक कृपया अपने कार्यालय के पत्रांकः मा0 सदर / 11718–19 / 2024–25, दिनाँक 04 मार्च, 2025 का सन्दर्भ ग्रहण करें, जो श्री अनिल कुमार प्रजापति, सहायक अध्यापक, कुँवर रंजीत सिंह इण्टर कालेज, नगरिया, परीक्षित, बरेली की दिनाँक 12–01–2025 को संस्था / प्रबन्ध समिति द्वारा की गयी सेवा समाप्ति के अनुमोदन / अनानुमोदन के सम्बन्ध में मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में है।

ज्ञातव्य है कि शासन की, अधिसूचना संख्या–415 / 79–वि–2023–1–क –14–2023, दिनाँक 21 अगस्त, 2023 द्वारा उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड अधिनियम, 1982 को निरसित कर दिया गया, जिस कारण वर्तमान में अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत् संस्था प्रधान / अध्यापक की सेवा–शर्तें / दण्ड आदि की व्यवस्था उपरोक्त अधिसूचना दिनाँक 21 अगस्त, 2023 में न होने के कारण इण्टरमीडिएट शिक्षा अधिनियम, 1921 (यथासंशोधित) की व्यवस्था प्रभावी हो गयी है। सूच्य है कि संस्था प्रधान / अध्यापकों के सेवा–शर्तो सम्बन्धी व्यवस्था इण्टरमीडिएट शिक्षा अधिनियम, 1921 की धारा–16 छ एवं उसके अन्तर्गत निहित विनियमों में निर्धारित है।

तद्नुसार प्रकरण में इण्टरमीडिएट शिक्षा अधिनियम, 1921 (यथासंशोधित) की संगत धाराओं में विहित व्यवस्था के अनुक्रम में गुण–दोष के आधार पर नियमानुसार सुसंगत कार्यवाही कराते हुए कृत कार्यवाही से निदेशालय को अवगत करायें।

भवदीय,

डा0(महेन्द्र देव),
शिक्षा निदेशक (माध्यमिक),
उत्तर प्रदेश।

पृष्ठांकन संख्याः सामान्य (1) द्वितीय / 7215–18 / 2024–25, तद्दिनाँक।

प्रतिलिपि मण्डलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक, बरेली मण्डल बरेली को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

डा0(महेन्द्र देव),
शिक्षा निदेशक (माध्यमिक),
उत्तर प्रदेश।

वर्तमान परिवेश में आचार्य चाणक्य का बोध चिन्तन

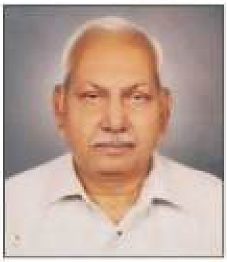

वीरेन्द्र प्रताप सिंह
सम्पादक शैक्षिक विचार
पूर्व अध्यक्ष जनपद वाराणसी
मो. : 9450544585

एक असाधारण विद्वान, महान कूटनीतिज्ञ, एक महान वंश के संस्थापक और एक निस्प्र(ब्राह्मण के रूप में आचार्य चाणक्य का बहुआयामी व्यक्तित्व आज भी भारतीय जन मानस के लिये आदर्श है। भारतीय इतिहास के युग पुरूष, असम्भव को सम्भव कर दिखाने वाले ऐसे शस्त्र विहीन योद्धा, जिन्होने अपनी नीतियों के बल पर भारतीय इतिहास को सुनहरा मोड़ दिया। विश्वभर के शिक्षकों तथा रजनैतिज्ञों को लिये आचार्य चाणक्य का व्यक्तित्व आज भी अनुकरणीय एवं आदर्श है। उनके चरित्र के पीछे उनकी महानता, कार्यनिष्ठा, दृढ़ प्रतिज्ञा और साहस नजर आता है। वे कुशल शिक्षक, दार्शनिक महान रचनाकार और जीवन दर्शन के मर्मज्ञ पहले थे, कूटनीतिज्ञ बाद में। उन्होने चन्द्रगुप्त को अपने शैक्षिक निर्देशन में साधारण से असाधारण बना दिया और सत्ता के शीर्ष सिंहासन तक पहुँचा दिया।

आचार्य चाणक्य का जन्म 375 ई.पू. तक्षशिला (वर्तमान पाकिस्तान) में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ उनके पिता का नाम चणक और माता का नाम धनेश्वरी था। चाणक्य की प्रारम्भिक शिक्षा अपने पिता के गुरुकुल में पूर्ण हुई तथा उच्च शिक्षा उन्होने तक्षशिला विश्वविद्यालय से प्राप्त की और अपनी प्रतिभा के बल पर वे वहीं आचार्य के पद पर प्रतिष्ठित हो गये। आचार्य चाणक्य सम्राट चन्द्रगुप्त के तक्षशिला विश्वविद्यालय के गुरु थे। तत्कालीन वैदेशिक विपत्ति ने इन दोनों संवेदनशील देशप्रेमी वीरों के ह्रदय में राष्ट्र रक्षा का प्रश्न उत्पन्न किया और उन्हें सिकन्दर के आक्रमण का प्रतिरोध करने के लिये प्रस्तुत कर दिया था। आचार्य चाणक्य समय–समय पर साम्राज्य निर्माणरत् चन्द्रगुप्त को आदर्श राजचरित्र के जो पाठ सिखाया करते थे उन पाठों को उन्होंने उसके तथा भारत के भावी राजाओं के स्वाध्याय के लिये ''कौटिल्य अर्थशास्त्र'' के नाम से छ सहस्त्र श्लोकों के ग्रन्थ में लिपिवद्ध कर दिया। इसके अतिरिक्त आचार्य चाणक्य ने चाणक्य नीति, चाणक्य सूत्र, लघु चाणक्य और वृहद चाणक्य नामक ग्रन्थों की रचना भी की। अपनी कूटनीति व चाणक्य नीति के बल पर पहली बार भारत में राजनैतिक एकता स्थापित कर अखण्ड भारत का निर्माण किया एवं परराष्ट्र सम्बन्धों की विवेचना प्रस्तुत की। 283 ई.पू. आचार्य चाणक्य ब्रह्मलीन हो गये।

आचार्य चाणक्य एक वेदान्तवादी, राष्ट्रवादी के साथ–साथ महान शिक्षाशास्त्री एवं दार्शनिक व्यक्ति थे। आचार्य चाणक्य के अनुसार मनुष्य का सर्वोच्च बल विचार शक्ति से प्राप्त होता है। उसके अन्दर अधिक सूक्ष्म तत्व होता है उतना ही अधिक वह व्यक्ति सम्पन्न होता है। विचार शक्ति की परम अवस्था ही ज्ञान है जो हमारे अन्दर स्वमेव विद्धमान है। शास्त्र इसको अभिव्यक्त करने का उपाय बताते हैं हमारे अन्दर ज्ञान अर्न्तज्योति का प्रकाश है। इसलिये कर्म तो केवल विद्या या ज्ञान का सहायक मात्र है क्योंकि उसके द्वारा चित्त की शु(होती है। तत्व के द्वारा ज्ञान लाभ होता है । पुण्य या कर्म के शुभ द्वारा अज्ञान के आवरण हटता है और ज्ञान की प्राप्ति होती है। ज्ञान की अन्तिम अवस्था आत्म पूजा है जिन्हें योगी ही प्राप्त कर पाता है।

आचार्य चाणक्य ने समस्त ज्ञान को चार भागों में बांटा है आन्वीक्षिकी, भयी, वार्ता और दण्डनीति जिसमें क्रमशः दर्शनिक विषयों पर सूक्ष्म चिन्तन करते हुये अर्न्तमुखी साधना प्राप्त करना, वेद तत्वों की शिक्षा, पशुपालन, वाणिज्य व्यवसाय ज्ञान और दण्डनीति हेतु प्रस्तुत हुई है। विद्या सहित विनय को सभी कर्मो में माना गया है। विद्याधन गुप्त धन है जिसे न छुपाया जा सकता और न ही चुराया जा सकता है।

आचार्य चाणक्य के अनुसार शिक्षा सभी के लियें हो, जन–जन के सर्वागीण विकास के लिये हो, बिना विभेद नर नारी सभी को समान सुलभ हो। सर्वाधिक प्रमुख शिक्षा पाना अपना अन्तिम लक्ष्य तक जारी रहे। राष्ट्र की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को पूर्ण करती हो। आचार्य चाणक्य के अनुसार शिक्षा हमारे राष्ट्र की सबसे बड़ी कमी है जिसे दूर करना ही होगा। बालक का नैतिक चरित्र का विकास करना, राष्ट्र के लिये सुयोग्य नागरिक पैदा करना आदि शिक्षा के प्रमुख उद्‌देश्य हैं।

नाथ नगरी बरेली धाम पर एक दृष्टि

सम्मानित शिक्षक साथियों,

58वें प्रान्तीय सम्मेलन (दिनांक 15, 16 एवं 17 अप्रैल 2025) नाथ नगरी बरेली में आपका हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन।

मान्यवर, नाथ नगरी में आपकी उपस्थिति पाकर अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है। आस्था, श्रृद्धा एवं मनोरथ को सिद्ध करने वाली नगरी बाबा भोले नाथ की नगरी है। बरेली की सभी दिशायें बाबा भोलेनाथ द्वारा रक्षित हैं पूर्व में बनखण्डी नाथ, पश्चिम में मढ़ीनाथ, दक्षिण में तपेश्वर नाथ एवं उत्तर में बाबा त्रिवटीनाथ का आशीष प्राप्त है। साथ ही पूर्व–दक्षिण के कोने पर बाबा धोपेश्वर नाथ एवं उत्तर पश्चिम में बाबा अलखनाथ स्नेहाशीष प्रदान कर रहे हैं।

जनश्रुति के अनुसार द्वापर युग में यह क्षेत्र पांचाल क्षेत्र के नाम से प्रसिद्ध था, इस भूखण्ड पर महाराजा द्रुपद का राज्य था जिसके प्रमाण आज भी उपलब्ध हैं। अत्रि ऋषि के शिष्य धूम्र ऋषि महाराज द्रुपद के गुरु थे। एक समय उनके मन में जन कल्याण की कामना हेतु शिवलिंग स्थापित करने का विचार उत्पन्न हुआ। इस प्रयोजन के लिये उन्होनें अपने पाँच विश्वसनीय शिष्यों को कैलाश पर्वत से शिवलिंग की स्थापना योग्य पवित्र पाषाण लाने का आदेश दिया। उस काल में कैलाश पर्वत तक पहुँचने का मार्ग अत्यन्त दुर्गम था जो किसी दिवास्वप्न से कम नहीं था। मार्ग में अनेको प्रकार के जोखिम होने के कारण जीवित लौटना भी असम्भव था। अतः ऋषिवर ने अपने पाँचों शिष्यों को यह सोचकर भेजा कि इनमें से कोई एक कार्य पुर्ण कर लौट ही आयेगा परन्तु अनेको वर्ष बीत जाने के बाद भी कोई शिष्य वापस नहीं आया। अन्ततः ऋषिवर ने निराश होकर गोधन के उपलों से धोपा लगाकर साधना प्रारम्भ कर दी प्रभु की कृपा से उस धोपे से जागृत अवस्था में शिवलिंग प्रकट हुआ जिसे हम लोग धोपेश्वर नाथ मन्दिर (कैन्ट क्षेत्र) के नाम से जानते हैं। धोपेश्वर नाथ की स्थापना के बाद पाँचों शिष्य वापस आ गये फिर साधना स्थल से पाँचों दिशाओं में अलग–अलग ऋषिवर ने तीर छोड़े जहाँ–जहाँ वह तीर गिरे वहाँ कैलाश पर्वत से आयीं पवित्र शिलाओं को स्थापित कर दिया गया, जो बनखण्डी नाथ, मढ़ीनाथ, त्रिवटीनाथ, तपेश्वर नाथ, अलखनाथ एवं धोपेश्वर नाथ का प्रादुर्भाव हुआ। मान्यता है कि यहाँ विराजमान शिवलिंग स्वयं प्रकट हुये थे जिसको साक्षात शिव का स्वरूप माना जाता है।

पूर्व में बरेली बांसों के जगल से आच्छादित थी इसलिये उसे बांस बरेली के नाम से भी विख्यात थी। इन्हीं बांसों के बीच एक तपस्वी बाबा ने वर्षों तपस्या कर धर्म की अलख जगायी थी। इस कारण बाँसों के बीच स्थित मन्दिर को बाबा अलखनाथ मन्दिर के नाम से जाना जाता है।

विगत 25 वर्ष पूर्व नेपाल (कांठमांडू) की तर्ज पर बना बाबा का पशुपतिनाथ मन्दिर के नाम से स्थापित हुआ यहाँ एक बड़े शिवलिंग के साथ–साथ 108 छोटे–छोटे शिवलिंग भी स्थापित हैं, जो सभी कैलाश पर्वत से लाये गये बताये जाते हैं।

नाथ नगरी के सिद्ध देवालयों की एक विशेषता यह भी है कि यहाँ पूजा अर्चना एवं परिकृमा करने वाले भक्त की व्यक्तिगत मनोकामना पूर्ण होने के साथ ही उसे जनमानस के कल्याण की कामना का फल भी स्वतः प्राप्त हो जाता है।

नाथ नगरी के आध्यात्मिक और पुरातन गौरव को जन–जन तक पहुँचाने की दृष्टि से नाथ कॉरिडोर परियोजना को स्वीकृति दी गयी है जो 232 करोड़ से शहर के सातों शिव मन्दिरों से जुड़े मार्गों के चौड़ीकरण, सौन्दर्यकरण, सुदृढ़ीकरण के साथ–साथ मन्दिरों के आस–पास के निजि भवनों व दीवारों को भी एक विशेष रंग से रंगने की योजना बनायी गयी है। इसके लिये नगर निगम व अन्य स्वयंसेवी संस्थायें सहभागी बन रही हैं।

महेश चन्द्र शर्मा
प्रदेष कोषाध्यक्ष
उ.प्र. माध्यमिक शिक्षक संघ

अपनी नाथ नगरी बरेली

डा0 कुँ0 संजय सिंह
मण्डलीय मंत्री
उ.प्र. माध्यमिक शिक्षक संघ
बरेली मण्डल

भारत देश की राजधानी दिल्ली एवं उ0प्र0 की राजधानी लखनऊ के मध्य विद्यमान शहर दोनों शहरों से लगभग समान दूरी (250किमी.) पर अवस्थित है, जो नाथ नगरी के नाम से विख्यात है इस ख्याति की अपनी धार्मिक मान्यता एवं आस्था में प्रमुख तत्व इस शहर की चारों दिशाओं में स्थित नीलकंठ, चन्द्रमौलि शिव के सात मन्दिर स्थापित हैं।

ऐतिहासिक परिपेक्ष्य में महाभारत काल में बरेली क्षेत्र के पाँञ्चाल के नाम से जाना जाता था जो महाराजा द्रुपद की राजधानी थी। कालान्तर में 1537 ई0 में कठेरिया राजपूत राजा जगत सिंह के पुत्र वासुदेव एवं बरलदेव द्वारा स्थापित बांस बरेली नामक मुहल्ला आज बरेली शहर है जो उत्तर प्रदेश की प्रमुख कमिश्नरी है। बरेली क्षेत्र पर गुप्त, वर्द्धन तथा मुगलवंश का अधिकार रहा तो कभी गुलामवंश के शासकों का। कभी यह बदायूँ एवं सम्भल के अधीन रही तो कभी बलवन के शासन में पाँञ्चाल क्षेत्र दो भागों में विभक्त था। उत्तरी एवं दक्षिणी पाँचाल। वर्तमान बरेली उत्तरी पाँञ्चाल क्षेत्र तथा दक्षिणी पाँञ्चाल क्षेत्र अहिच्छत्र कहलाया।

1707 से 1773 ई0 तक बरेली खण्ड रूहेला सरदारों के अधिकार में रहा जो कालान्तर में रूहेलखण्ड नाम से विख्यात हुआ। 1801 ई0 में बरेली पर ईस्ट इण्डिया कं0 का अधिकार हो गया और बरेली को रूहेलखण्ड की राजधानी बना इसे बंगाल प्रान्त के अधीन कर दिया गया। 1857 की क्रान्ति की श्रृंखला में बरेली के रूहेला सरदार खान बहादुर खाँ जनरल बख्त खाँ तथा क्रान्तिकारी नेता दामोदर स्वरूप सेठ एवं चिरंजीलाल गुप्त का नाम आज कौन भुला पाया है। बरेली कमीश्नरी में स्थित वरगद का पेड़ किसी तीर्थ से कम नहीं जिसमें 1857 की क्रान्ति में 257 क्रान्तिकारियों को फाँसी पर लटका दिया गया था। स्वतंत्रा संग्राम में एक बड़ा नाम ठाकुर पृथ्वी राज सिंह का भी आता है जिनकी आँखों में अंग्रेज सरकार ने तेजाब डलवा दिया था ऐसे महान स्वतंत्रता सेनानी की धर्मपत्नी श्रीमती शीला देवी ने कुतुबखाना घंटाघर पर यूनियन जैक उतारकर भारत का तिरंगा झण्डा फहराया था। बरेली के ही निवासी पंडित राधेश्याम कथा वाचक द्वारा रचित राधेश्याम रामायण पूरे बरेली मण्डल में अलग लय और धुन में गायी जाती है जो बहुत ही कर्णप्रिय है।

बरेली में ही अलखनाथ मन्दिर के निकट स्थित ''तुलसी स्थल'' पर अपने प्रवास के समय गोस्वामी तुलसीदास जी ने कुछ रचनायें व लेखनी से स्थान को पवित्र किया ये भी बरेली का दर्शनीय स्थल है।

शिक्षा में नैतिक मूल्य

श्रीमद्भगवदगीता में भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं– ''श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानं'' अर्थात श्रद्धावान व्यक्ति ही ज्ञान अर्जित कर सकता है। अनादिकाल से भारत में शिक्षा का मूल उद्देश्य एक ऐसे व्यक्तित्व का निर्माण करना रहा है जो मानव हित के कर्तव्य परायण हो लेकिन अच्छे संस्कारों के अभाव से जूझती आज की शिक्षा अपने मूल उद्देश्य से विचलित नजर आती है वर्तमान परिवेश में शिक्षा में नैतिक मूल्यों का वर्धन और संस्कारों का संरक्षण और जन सामान्य में बढ़ते भौतिकवाद और भोगवादी प्रवृत्ति पर अंकुश लगना नितान्त आवश्यक है। नई शिक्षा नीति भी जीवन यापन के लिये धनोपार्जन के साथ–साथ कौशल विकास और विद्यार्थियों के सम्रग विकास का समर्थन करती है। शिक्षा का क्षेत्र प्राचीन काल से ऋषि–महर्षियों तथा समर्पित शिक्षकों का रहा है आज अनेक चुनौतियों के बीच एक ही आशा की किरण रह गयी है – ''समर्पित शिक्षक ज्योति के रूप में''।

परिस्थितियाँ आती और जाती रहेंगी अनेक प्रयोग होते आयें हैं और होते रहेंगे। इस राष्ट्रीय अवदान की सार्थकता और अपने अस्तित्व की रक्षा में समर्पित शिक्षक लगे रहेंगे! यही एक किरण गहन अन्धकार को चीर सकेगी। हमारी प्राचीन पीढ़ी की कर्मठता, कर्तव्यनिष्ठा और अध्ययन अध्यापन के लिये समर्पण हमें आज भी समाज में सम्मान दिला रहा है। हम उसे बनाये रखें हो सके तो और अभिवृद्धि करें।

''शिक्षा वह विनयोग है जिसका लाभांश जीवन पर्यन्त मिलता है''

।। वन्दे भारत मातरम् ।।

– डा0 कुँ0 संजय सिंह
वाणिज्य अध्यापक–
श्री गुलाब राय इण्टर कॉलेज, बरेली

उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षक संघ के 58वें प्रान्तीय सम्मेलन की आप सभी को हार्दिक शुभकामनायें

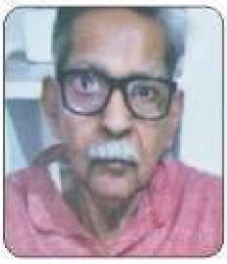

अभय चन्द्र कनकन
अध्यक्ष

सुनील वर्मा
प्रबन्धक

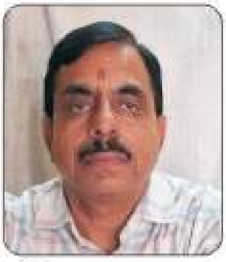

डा. हरीश कुमार स्वामी
प्रधानाचार्य

के.डी.ई.एम. इण्टर कॉलेज, बरेली मो. : 9897235106

माध्यमिक शिक्षक संघ

रामकुमार कोली
प्रवक्ता–के.डी.ई.एम. इ0कॉ0, बरेली

माध्यमिक शिक्षक संघ, शिक्षकों का जगजीवन दाता है।
दायाँ हाथ सदृश भ्राता, दु:ख त्राता, कष्ट भगाता है।
शिक्षक ज्ञान ज्योति देने में, सजग राष्ट्र का निर्माता।
भाग्य विधाता छात्र राष्ट्र के, उन्हें प्रगति पथ दिखलाता।
स्वावलम्बिता सदाचार दे, मानव श्रेष्ठ बनाता है।
माध्यमिक शिक्षक संघ..............................(1)
कलयुग में संगठन शक्ति है, कहा बुद्ध भगवान ने।
सिद्ध सून से शिखर तक, हुई शिक्षक की पहचान ने
हटा विसंगति करे सुसंगत बहु उपलब्धि दिलाता है।
माध्यमिक शिक्षक संघ....................................(2)
हुआ संगठित जब शिक्षक संघ, शक्ति मजबूत हुई।
मांगा नहीं हाथ से छीना हो अनुशक्ति व प्रीति नई।
नीति नई तब बनवाने में संघ सिंह बन जाता है।
माध्यमिक शिक्षक संघ....................................(3)
शिक्षक संघ सुदृढ़ता से निज पेंशन, टेंशन दूर हुई।
हटे समस्याओं के कांटे चाँटों से काफूर हुई।
सुविधायें भरपूर हुई हैं, गीत सुखों के गाता है।
माध्यमिक शिक्षक संघ....................................(4)
रहो संगठित शिक्षक सारे हरे संग दुख अंधियारे।
मिल रहे हैं सबके स्वर में स्वर फैले आनन्द उजियारे।
न्यारे–न्यारे रहने में अपना अपनो को ढाता है।
माध्यमिक शिक्षक संघ....................................(5)

पुरानी पेंशन योजना

विमलेन्द्र शर्मा
सदस्य प्रान्तीय कार्यकारिणी
प्रवक्ता–जी.जी. हिन्दू कॉलेज,
मुरादाबाद

माध्यमिक शिक्षा सेवा के बदले सरकार से पेंशन प्राप्त करने का अधिकार रखते हैं लेकिन केन्द्र सरकार ने अप्रैल 2004 के बाद से पुरानी पेंशन योजना समाप्त कर दी। इसके तदोपरान्त अप्रैल 2005 में राज्य सरकारों ने भी पुरानी पेंशन व्यवस्था समाप्त कर दी।

क्या है NPS योजना :-

किसी भी कर्मचारी द्वारा सेवा के बदले जो वेतन प्राप्त होता है उसका एक हिस्सा व वेतन का 10 प्रतिशत नियोक्ता द्वारा भी भविष्य निधि योजना में जमा किया जाता रहा है जो कर्मचारी के सेवानिवृत होने के बाद कुछ नकद व कुछ पेंशन के रूप में वापिस कर दिया जाता है। कर्मचारी अपना व अपने पर आश्रित का स्वास्थ्य शिक्षा व सुरक्षा पर खर्च कर सके। पुरानी पेंशन योजना त्रिलाभदायी योजना कहलाती थी। इसके अन्तर्गत कर्मचारी को भविष्यनिधि खाता, बीमा सुरक्षा एवं सेवानिवृत लाभ इत्यादि लाभ प्रदान किया जाता है।

सेवाकाल में यदि व्यक्ति/कर्मचारी की मृत्यु हो जाये तो उसके पाल्य को मृतक आश्रित अनुकम्पा पर नौकरी (योग्यतानुसार) दे दी जाती है लेकिन सरकारों ने शिक्षक/कर्मचारी हित को ध्यान में रखकर उपर्युक्त पुरानी पेंशन योूजना को उ0प्र0 में 1 अप्रैल 2005 से समाप्त कर दिया है। विभिन्न शिक्षक संगठनों ने पुरानी पेंशन योजना के संघर्ष से यह कहकर अपना पल्ला झाड़ लिया कि यह कार्य केन्द्र सरकार का है। यदि केन्द्र में पुरानी पेंशन योजना लागू होगी तो राज्य में पुरानी पेंशन योजना लागू हो जायेगी जो कि एक सफेद झूठ सावित हो रहा है जिसका उदाहरण वर्तमान की हिमाचल प्रदेश सरकार, राजस्थान सरकार, छत्तीसगढ़, झारखण्ड और पंजाब सरकार है।

पुरानी पेंशन योजना कहाँ पर लागू है पुरानी पेंशन योजना को उपर्युक्त पाँच राज्यों के साथ–साथ भारतीय सेना के तीनों अंगों में आज भी लागू है इसके साथ विधान सभा सदस्यों, विधान परिषद सदस्यों, लोकसभा सदस्यों एवं राज्य सभा सदस्यों को भी पुरानी पेंशन योजना में आज भी लागू किया गया है। इस प्रकार की दौहरी नीति लागू करना हमारे देश की राजनीति का दौहरा चरित्र प्रदर्शित करता है।

पुरानी पेंशन योजना के स्थान पर नई पेंशन योजना :-

सरकार सभी संगठित एवं असंगठित क्षेत्रों में नई पेंशन योजना लागू कर दी है इ संदर्भ में शिक्षक/कर्मचारी प्रान नम्बर जैसी स्कीम लागू कर दी है जिसमें 14 प्रतिशत योगदान केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा कर्मचारियों के लिये है यह योगदान कर्मचारी के मूल वेतन और महंगाई भत्ते पर होता है जबकि कर्मचारी/शिक्षक द्वारा 10 प्रतिशत का अंश जमा होगा। यह राशि शेयर बाजार जैसे बाजारों में लगा दिया जायेगा और सेवानिवृति के समय जो बाजार का मूल्य होगा वह शिक्षक/कर्मचारी को भुगतान में दे दिया जायेगा और एक हिस्सा रोककर बाकी का भुगतान कर दिया जायेगा। पेंशन रूप में रोकी गयी राशि पर बैंक द्वारा ब्याज दिया जायेगा। इस पर किसी प्रकार का मंहगाई भत्ता नहीं दिया जायेगा। न किसी प्रकार की बड़ौत्तरी होगी जबकि पुरानी पेंशन योजना में मंहगाई भत्ता यथावत दिया जाता रहा है। वेतन आयोग लागू होने पर पेंशन भी पुनरीक्षित की जाती है। जिससे पेंशन में भी वृद्धि होती रहती है।

एन.पी.एस. योजना के पश्चात नई यू.पी.एस. योजना :-

इसी माह अप्रैल में पेंशन सिस्टम में बड़ा बदलाव हो रहा है अब एन.पी.एस. के तहत आने वाले कर्मचारी / शिक्षक यू.पी.एस. यानि यूनिफाइट पेंशन स्कीम में स्वीच करने का ऑप्सन दिया गया है। सरकार ने 24 जनवरी 2025 को इस योजना का अधिकारिक ऐलान किया था और अब इस योजना को 1 अप्रैल 2025 से लागू किया गया है एन.पी.एस. के तहत कवर होने वाले शिक्षक / कर्मचारियों को इस नई स्कीम का लाभ मिल सकेगा। यानि जो शिक्षक व कर्मचारी एन.पी.एस. के तहत आते हैं और इसके तहत यू.पी.एस. के ऑप्सन को चुनते हैं वे इसका लाभ ले सकेंगे। यू.पी.एस. चुनने वाले शिक्षक व कर्मचारी किसी अन्य पॉलिसी रियायत, पॉलिसी चेन्ज, फाइनेंन्शियल बेनिफिट के हकदार नहीं होंगे।

यू.पी.एस. को आसानी से समझें :

अब बताते हैं कि आखिर यू.पी.एस. है क्या? तो यूनिफाइट पेंशन स्कीम के तहत अब कर्मचारी / शिक्षक को एक निश्चित पेंशन दी जायेगी जो कर्मचारी / शिक्षक के सेवानिवृत के पहले के आखिरी 12 महीने की एवरेज वेसिक सैलरी का 50 प्रतिशत होगा। शिक्षक / कर्मचारी यह पेंशन पाने के लिये कम से कम 25 साल तक सर्विस करनी होगी वहीं अगर शिक्षक / कर्मचारी की मृत्यु हो जाती है तो परिवार को भी एक निश्चित पेंशन मिलती रहेगी जो उसे मिलने वाली पेंशन का 60 प्रतिशत होगा। इसके अलावा न्यूनतम इंश्योर्ड पेंशन भी दिया जायेगा, जिसका मतलब यह है कि जो लोग 10 वर्ष तक नौकरी करते हैं तो उन्हें कम से कम 10000 रूपये की पेंशन मिलेगी।

एन.पी.एस. में शिक्षक व कर्मचारी को अपनी सैलरी का 10 प्रतिशत योगदान करना होता है और इसमें सरकारी योगदान 14 प्रतिशत होता है वहीं 1 अप्रैल 2025 से लागू होने जा रही यू.पी.एस. में सरकार का योगदान कर्मचारी / शिक्षक की वैसिक सैलरी का 18.5 प्रतिशत होगा।

महंगाई के आधार पर बढ़ेगी पेंशन :-

यू.पी.एस. के तहत इन्डेक्स सेशन को भी जोड़ा गया है इसका मतलब यह है कि महंगाई के हिसाब से सेवानिवृत शिक्षक / कर्मचारी की पेंशन बड़ती रहेगी। यह बड़ौत्तरी महंगाई भत्ता के तौर पर पेंशन में जोड़ी जायेगी।

सभी कर्मठ और सुयोग्य शिक्षक साथी / कर्मचारी साथियों से निवेदन है कि पुरानी पेंशन योजना प्राप्त करने के लिये एकजुटता का परिचय दें व आन्दोलन में अपने सभी कार्य छोड़कर उसको गति दें जिससे सरकारों पर दवाब बनाया जा सके व सरकारों की कथनी व करनी के अन्तर को खत्म किया जा सके।

सेवा सुरक्षा केसे पाई, संघर्षो से बलिदानों से।

संघर्ष से बलिदान के लिये तैयार रहें तभी अपना अधिकार प्राप्त कर सकते हैं।

जय हिन्द ! जय भारत!! जय शिक्षक !!!

–विमलेन्द्र शर्मा

अजय कुमार शर्मा
प्रवक्ता–खैर इण्टर कॉलेज खैर, अलीगढ़

ओ.पी.एस. लेना ही पड़ेगा

डगर काँटों का भरा हो या, सफर फिसलन भरा।
रूकना नहीं है हर हाल में, चलना ही पड़ेगा।
हालात हों चाहें, बंजर जमीन जैसे।
मेहनत के पसीनों, से सींचना ही पड़ेगा।
हे मनुज मुझे ओ.पी.एस. लेना ही पेड़गा........।
मौसम का रूख चाहें तूफान जैसा हो।
झंझावात का रूप चाहें, शैतान जैसा हो।
मुश्किल खड़ी हो चाहें चट्टान की तरह।
बुलंद इरादों से इसको तोड़ना ही पड़ेगा।
मंजिलों की रूकावटों को दिखा दो औकात अब।
पराभव के मुख से जीत को छीनना ही पड़ेगा।
हे मनुज मुझे ओ.पी.एस. लेना ही पेड़गा........।

उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षक संघ के 58वें प्रान्तीय सम्मेलन की आप सभी को हार्दिक शुभकामनायें

– संध्या राज
प्रवक्ता–द्रोपदी कन्या इण्टर कॉलेज, बरेली

वर्तमान परिवेश में शिक्षा

डॉ. गोबिन्द दीक्षित
एम.ए. (हिन्दी, संस्कृत)
एम.एड., पी.एच.डी., नेट
श्री गुलाबरॉय इण्टर कॉलेज, बरेली

मानव–मन चिरंतन काल से ही अन्वेषी रहा है। वर्तमान में परिलक्षित परिवेश और परिदृश्य उसकी अन्वेषी प्रवृत्ति का ही परिणाम है। अपने संधानों से प्राप्त ज्ञान को न केवल उसने संचित किया वरन उसे भावी पीढ़ी को हस्तांतरित करने का कार्य भी किया। एक ही स्थान पर रहकर सीमित समय में विभिन्न विषयों का ज्ञान नई पीढ़ी को कैसे दिया जाये? इस पर विचार करते हुये उसने गुरुकुल की परिकल्पना की और उसे साकार भी किया, जहाँ विभिन्न विषय–ज्ञानलब्धजन जिन्हें गुरु की संज्ञा से अभिहित किया गया वे अपने अन्तस् में संचित ज्ञान का अन्तरण नव पीढ़ी में किया करते थे। वर्तमान समय के विद्यालय कुछ–कुछ उन्हीं गुरुकुल की ही अनुकृति है किन्तु गुरु की गुरुता और शिष्यों के शिष्यत्व का कहीं न कहीं न केवल ह्रास हुआ है वल्कि गुरु शिष्य के पवित्र सम्बन्धों में भी न्यूनता आयी है जो उदात्त एवं श्रेष्ठ संस्कृति वाले भारत जैसे महान देश के वासियों के लिये निश्चित ही चिन्तनीय विषय है क्योंकि शाश्वत सनातन संस्कृति में गुरु शिष्य का सम्बन्ध जन्म जन्मान्तर का होता है जिसमें माना जाता है कि गुरु के उज्जवल चरित्र और पवित्र जीवन का उत्कट प्रभाव शिष्य के जीवन पर अवश्य पढ़ता है और इस हेतु शिष्य भी सदैव अपने गुरु के प्रति कृतज्ञ रहता है किन्तु, आज पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण और भोग वाद की पाशविक प्रवृत्ति ने इन दोनों ही पक्ष को ग्रसित कर दूषित कर दिया है।

सदा निःस्वार्थ दान का विषय रही ''शिक्षा'' अब व्यापार बनने लगी है। तकनीकि के इस भौतिकवादी युग में शिक्षा पूँजीपतियों की आय का साधन बन गयी है तो कतिपय गुरुजन भी त्याग की भावना छोड़कर भोग लिप्सा में पड़कर ''हरहिं शिष्य–धन शोक न हरहीं'' के मार्ग के पथिक हो गये हैं और शिष्य भी अपने अभिभावकों से प्राप्त मोबाइल हाथ में थाम अन्तर्जाल (इन्टरनेट) के मनमोहक और आकर्षण से युक्त मायाजाल में उलझकर रह गये हैं। व्यापार बन चुकी आज की अत्यधिक मंहगी शिक्षा आमजन के लिये दूर की कौड़ी बनकर रह गयी है। वो तो भला हो सरकारी विद्यालयों और उनके शिक्षकों का जो इन साधनविहीन व विपन्न वर्ग की निराशा और हताशा को आशा में परिवर्तित करने हेतु प्रयासरत् हैं किन्तु उनकी भी अपनी व्यवस्था है क्योंकि उनसे अन्यान्य शिक्षणेत्तर कार्य कराये जाने सम्बन्धी शासनादेश नित्यप्रति आते ही रहते हैं जिनके अनुपालन हेतु उन्हें न चाहते हुये भी प्रायः शिक्षण कार्य से विरत रहने को विवश होना पड़ता है। जिससे शिक्षा का कार्य कुछ हद तक प्रभावित होता है। इस पर भी ''कोढ़ में खाज'' का काम करता है वह अशिक्षित या अल्पशिक्षित साधनहीन अभिभावक जो अपनी सन्तति को योग्य बनाकर अपने सुन्दर भविष्य के सपने तो संजोता है और इस हेतु वह उनका

इन विद्यालयों में पंजीकरण कराकर प्रवेश भी दिलाता है किन्तु विवशता किंवा स्वार्थपूर्ति हेतु उन्हें कहीं न कहीं काम पर रखकर धनार्जन का साधन बना लेता है। ऐसे में वे बालक विद्यालय में शिक्षक के समक्ष यदा–कदा यों प्रकट होते हैं जैसे संचित पुण्यों के प्रभाव और भक्त की करूण पुकार से द्रवित होकर कभी–कभी भगवान दर्शन देने आ जाते हैं। अब ऐसे में परिणाम तो प्रभावित होना ही है किन्तु लोग अन्य कारणों को छोड़कर इस विफलता का सारा दोष शिक्षकों के माथे मड़कर उनकी योग्यता व कर्मठता पर प्रश्नचिन्ह लगाकर समाज में उनकी नकारात्मक छवि प्रस्तुत करते हैं जो उन शिक्षकों के मन में रोष उत्पन्न कर उनकी कार्यकुशलता को प्रभावित करता है, क्योंकि कहा गया है कि ''मन एवं मनुष्याणां कारणं बन्धमोक्ष्योः''।

श्रीमद्भगवत गीता का कथन है कि ''न ही ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते'' तो जहाँ इस परम् पवित्र ज्ञान के प्रदाता शिक्षक का धर्मशास्त्र व अन्य विषय विशेष का गहन ज्ञाता होने के साथ–साथ निष्पाप, निष्कलंक, त्यागी, संयमी, कर्तव्यनिष्ठ, सहानुभूति और शिष्य वत्सलता जैसे उदात्त गुणों से युक्त होना चाहिए तो वहीं इसकी प्राप्ति की चाह रखने वाले शिक्षार्थियों में भी ज्ञान पिपासा के साथ–साथ पवित्रता, सहनशीता, निरभिमानता, विश्वास, सेवा और समर्पण की भावना का होना परम आवश्यक है। इसके साथ ही ''लोक और तंत्र'' का कार्य भी इस पवित्र कर्म के सम्पादन में सहयोग और उत्साहवर्धन करने का होना चाहिए, न कि अनावश्यक छिद्रान्वेषण का व्यवधान उत्पन्न करने का।

शिक्षा रूपी केन्द्र और उसके चारो और का वातावरण व उससे जुड़े शिक्षक संगठन आदि का उद्देश्य जब साकारात्मक व सृजनात्मक होगा तभी शिक्षा व उसके वास्तविक उद्देश्यों को प्राप्त कर लक्ष्य की प्राप्ति सम्भव हो सकेगी। शिक्षक हो या शिक्षार्थी, अधिकारी हो या समाज सभी को यह ध्यान रहे कि–

सृजन के काम जो करता, उसी का नाम होता है।
बना विध्वंश का वाहक वहीं बदनाम होता है।
लग्न के साथ बड़ता मंजिलों की ओर जो गोविन्द।
उसी को कर्म हांसिल सुखद परिणाम होता है।

।। इति शुभमस्तु।। ।। मे मनः शिवसंकल्पमस्तु।।

उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षक संघ के 58वें प्रान्तीय सम्मेलन की आप सभी को हार्दिक शुभकामनायें

– डोरी लाल गंगवार
से.नि. अध्यापक–के.डी.ई.एम. इन्टर कॉलेज, बरेली

जीवन का आधार – गहरे लम्बे श्वास

आमतौर पर श्वास लेने और छोड़ने की प्रक्रिया स्वतः ही गतिमान रहती है। जब यह प्रक्रिया बन्द हो जाती है तब यह समझा जाता है कि व्यक्ति अब जीवित नहीं है। सामान्यतः लोग श्वास लेने और छोड़ने की विधि से अनभिज्ञ हैं। इस विधि का रहस्य गहरे लम्बे श्वास लेने में छिपा है इस विधि से श्वास लेने से हमारे शरीर में कार्य करने वाली सभी प्रणालियां यथा– पाचन, निष्कासन, श्वसन और रक्त भ्रमण आदि प्रभावित होती हैं।

सामान्यतः व्यक्ति भोजन से ही शरीर में ऊर्जा का अनुभव करता है परन्तु वास्तविकता यह बिल्कुल नहीं है। व्यक्ति को 80 प्रतिशत ऊर्जा केवल और केवल प्राण वायु (ऑक्सीजन) से मिलती है और 20 प्रतिशत ऊर्जा भोजन से प्राप्त होती है। कोरोना काल इस बात का स्वयं में स्पष्ट प्रमाण है।

एक स्वस्थ व्यक्ति 1 मिनट में 15 से 16 श्वास लेता और छोड़ता है जिससे उसकी आयु 100 वर्ष तक आंकी गयी है। एक कछुआ 4 से 5 श्वास लेता है जो 200 वर्ष तक जीवित रहता है इसके विपरीत सर्प 7 से 8 सांसे लेता है जो लगभग 150 वर्ष जीवित रहता है घोड़ा 20 से 22 श्वास लेता है जिसकी आयु लगभग 40 वर्षों की होती है। सबसे तेज सबसे अधिक श्वासें कुत्ता लेता है जिसकी आयु मात्र 12 से 14 वर्ष की होती है।

इससे स्पष्ट होता है कि प्राणी की आयु दिन महीना और वर्षों पर आधारित न होकर श्वासों पर आधारित होती है 1 मिनट में 15 से 16 श्वासें लेने वाला व्यक्ति वायुमण्डल विद्यमान 21 प्रतिशत ऑक्सीजन में से मात्र 5 प्रतिशत ऑक्सीजन ही फेफड़ो द्वारा अवशोषित कर पाता है और 16 प्रतिशत ऑक्सीजन श्वास के साथ बाहर निकल जाती है। गहरे लम्बे श्वासों को लेने से व्यक्ति 5 प्रतिशत के स्थान पर 16 प्रतिशत ऑक्सीजन फेफड़ों के द्वारा अवशोषित कर सकता है। जिससे वह आजीवन निरोगी रहकर स्वस्थ जीवन व्यतीत कर सकता है।

गहरे लम्बे श्वास लने की विधि :

पदमासन या सुखासन में बैठें कमर, गर्दन सीधी दोनो हाथ ज्ञान मुद्रा बनाकर घुटनों पर रख लें आँखें कोमलता से बन्द कर लें मुख पर प्रसन्नता का भाव बनायें ध्यान को पूरी तरह श्वासों के आवागमन पर केन्द्रित करें फिर धीरे–धीरे श्वांस को बाहर निकालकर नाभि को अन्दर की ओर खीचें फिर पेट को ढीला कर श्वांस को धीरे–धीरे कंठ तक भरें यह एक आवृति हुई प्रारम्भ में 5 या 10 आवृतियों से प्रारम्भ करके अभ्यास के द्वारा धीरे–धीरे आवृतियों को बढ़ायें। श्वांस को बिना किसी शक्ति के आनन्द पूर्वक ही भरना है। श्वांस को छोड़कर नाभि को अन्दर की ओर खींचने के लिये शक्ति लगायें। श्वांस लेने और छोड़ने की आवाज आपके स्वयं के कान तक न जाये ऐसा हमारा प्रयास होना चाहिए। इस अभ्यास के द्वारा हम श्वांसो को गहरा और लम्बा कर सकते हैं। लगभग 2 महीने इसका अभ्यास करने के पश्चात इस क्रिया को चार चरणों में करें।

1. धीरे–धीरे श्वांस को बहार निकालना।
2. थोड़ी शक्ति लगाकर नाभि का संकुचन करना।
3. पुनः श्वांस को धीरे–धीरे आनन्दपूर्वक भरना।
4. क्षमतानुसार भरी श्वांस में रूकना।

इस क्रिया से होने वाले लाभ :

1. इस क्रिया के अभ्यास से प्राणायाम का अभ्यास सरल हो जाता है।
2. इस क्रिया को सीख लेने से श्वांसों की संख्या में बचत होती है जिससे हमारी आयु बढ़ती है।
3. शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ने से हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।
4. टी.बी. दमा, हृदय रोग, एनीमियां आदि रोगों में विशेष लाभ होता है।
5. फेफड़ों के बन्द पड़े छिद्र खुलते हैं जिससे उनमें ऑसीजन को अवशोषित करने की क्षमता बढ़ती है। मन की चंचलता कम होती ध्यान में स्थिरता आती है।

(डॉ0 सुरेश रस्तोगी)
प्रदेश उपाध्यक्ष
उ.प्र.माधमिक शिक्षक संघ
राज्यपुरस्कृत से.नि. राप्रधानाचार्य

आधुनिक जीवन शैली और कमजोर प्रतिरक्षा तंत्र : आयुर्वेदिक समाधान एवं उनका प्रभाव

डॉ. शशांक कुमार चौहान
एसोसिएट प्रोफेसर,
FIAMS फ्यूचर यूनिवर्सिटी
बरेली (उ.प्र.)

आधुनिक जीवनशैली ने जहाँ हमें अनेक सुविधाएँ दी है, वहीं इसने हमारे स्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव डाला है। आज के दौर में भागदौड़ भरी दिनचर्या, अनियमित खान–पान, तनाव और शारीरिक श्रम की कमी के कारण लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) कमजोर होती जा रही है। जब इम्युनिटी कमजोर होती है, तो शरीर विभिन्न रोगों की चपेट में जल्दी आ जाता है। लगातार बदलते मौसम, बढ़ता प्रदूषण और असंतुलित दिनचर्या भी हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। ऐसे में आयुर्वेद, जो कि भारत की प्राचीन और समग्र चिकित्सा प्रणाली है, एक स्थायी और प्राकृतिक समाधान प्रदान करता है।

आयुर्वेद के अनुसार किसी भी व्यक्ति का स्वास्थ्य तीन दोषों – वात, पित्त और कफ के संतुलन पर निर्भर करता है। जब ये तीनों दोष संतुलित होते हैं, तो व्यक्ति निरोगी रहता है और जब इनका असंतुलन होता है, तो शरीर विभिन्न बीमारियों से ग्रसित हो जाता है। वर्तमान समय में हमारा खान–पान और रहन–सहन इन दोषों को असंतुलित कर रहा है। जंक फूड, तला–भुना, भोजन, कोल्ड ड्रिंक्स, रसायनयुकत खाद्य पदार्थ और समय पर न सोने–जागने की आदतें हमारी इम्युनिटी को कमजोर करने का मुख्य कारण बन रही है। मानसिक तनाव और चिंता भी शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को प्रभावित करते हैं, जिससे व्यक्ति जल्दी बीमार पड़ने लगता है।

आयुर्वेद में रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने के लिए रसायन चिकित्सा का विशेष उल्लेख किया गया है। इसमें कुछ विशिष्ट जड़ी–बूटियों और प्रक्रियाओं के माध्यम से शरीर को भीतर से शुद्ध और ऊर्जावान बनाया जाता है। गिलोय, तुलसी, अश्वगंधा, हल्दी और आँवला जैसी औषधियाँ शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में अत्यधिक सहायक होती हैं। गिलोय को 'अमृता' कहा जाता है, जो शरीर को संक्रमणों से बचाने में सहायक है। तुलसी में एंटी बैक्टीरियल और एंटी–वायरस गुण होते हें, जो शरीर को रोगों से सुरक्षित रखते हें। हल्दी, जो लगभग हर भारतीय रसोई में पाई जाती है, अपने एंटी एंफ्लीमेंटरी और एंटी ऑक्सीडेंट गुणों के कारण शरीर को कई बीमारियों से बचाती है।

इसके अलावा आयुर्वेद में दिनचर्या और ऋतुचर्या का विशेष महत्व बताया गया है। समय पर सोना और जागना, सही समय पर भोजन करना, योग और प्रणायाम को अपने जीवन का हिस्सा बनाना इम्युनिटी को मजबूत करने में सहायक होता है। सुबह उठकर गुनगुना पानी पीना, शरीर की मालिश करना और पंचकर्म जैसी शुद्धिकरण विधियों का पालन करना शरीर को स्वस्थ और ऊर्जावान बनाए रखता है। योग और प्रणायाम जैसे कि अनुलोम विलोम और भस्त्रिका, फेफड़ों की क्षमता को बढ़ाते हैं और तनाव

को कम करके मानसिक स्वास्थ्य को भी सुधारते हैं।

इम्युनिटी को मजबूत करने के लिए खान–पान का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है। सात्विक और पौष्टिक आहार, जिसमें ताजे फल, हरी सब्जियाँ, सूखे मेवे और घर का बना खाना शामिल हो, शरीर को आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है। भोजन में अदक, लहसुन, दालचीनी और काली मिर्च का सेवन करने से शरीर में गर्मी बनी रहती है और सर्दी–खांसी जैसे संक्रमणों से बचाव होता है।

आधुनिक जीवनशैली से जुड़े तनाव और चिंता को कम करने के लिए ध्यान (मेडिटेशन) और सकारात्मक सोच भी अत्यंत आवश्यक है। आयुर्वेद मानता है कि जब मन शांत और संतुलित होता है, तो शरीर भी स्वस्थ रहता है। इसीलिए खुश रहना प्रकृति के साथ समय बिताना और अनावश्यक चिंता से बचना भी इम्युनिटी को बढ़ाने के लिए जरूरी है।

इस प्रकार यदि हम आयुर्वेद की इन प्राकृतिक पद्यतियों को अपने जीवन में अपनाएँ और आधुनिक जीवन शैली में आवश्यक सुधार करें, तो हम अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर एक स्वस्थ और निरोगी जीवन जी सकते हैं। आयुर्वेद न केवल बीमारियों से बचाव करता है बल्कि शरीर को भीतर से मजबूत बनाकर दीर्घायु प्रदान करता है। स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर ही हम भविष में होने वाली बीमारियों से बच सकते हैं और एक संतुलित जीवन जी सकते हैं।

डॉ. शशांक कुमार चौहान
एसोसिएट प्रोफेसर,
FIAMS फ्यूचर यूनिवर्सिटी
बरेली (उ.प्र.)

उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षक संघ के 58वें प्रान्तीय सम्मेलन की आप सभी को हार्दिक शुभकामनायें

– डा. संदीप इन्दवार
प्रधानाचार्य–एस.वी. इण्टर कॉलेज, बरेली

डिजीटल इण्डिया कार्यक्रम

श्याम नारायण शर्मा
जिलाध्यक्ष–उ.प्र. मा.शिक्षक संघ
वाणिज्य अध्यापक
के.डी.ई.एम. इण्टर कॉलेज, बरेली

डिजिटल इण्डिया भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जिसे एक जुलाई 2015 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा किया गया है इसका मुख्य उद्देश्य भारत को डिजिटल रूप से सशक्त और मजबूत बनाना है। इस अभियान का नारा है "पावर–टू–एम्पावर"। डिजिटल इण्डिया अभियान ने देश के विकास में तकनीकि के महत्व को स्थापित किया है और इसे विश्व स्तर पर पहचान दिलायी है।

डिजिटल इण्डिया का उद्देश्य देश के हर नागरिक को डिजिटल सेवाओं को सुलभ बनाना है इसके तहत सरकारी बैंकों को इलैक्ट्रोनिक माध्यम से सुलभ बनाया गया है जैसे ऑन लाइन बैंकिंग, मोबाइल भुगतान, ई–गवर्नेस और डिजिटल शिक्षा जैसे कदम उठाये गये हैं जो नागरिकों के जीवन को सरल और आसान बना रहे हैं।

डिजिटल इण्डिया के तहत कई महत्वपूर्ण योजनायें शुरू की गयी हैं जैसे कि भारतनेट, ई–हॉस्पिटल, उमंग ऐप और डिजिलॉकर आदि ये योजनायें स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार एवं प्रशासनिक सेवाओं को डिजीटल माध्यम से जोड़ने में सहायक सिद्ध हुई हैं। इसके अलावा भीम ऐप और रूपे कार्ड ने डिजिटल भुगतान को बढ़ावा दिया है। डिजिटल इण्डिया ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच डिजिटल अन्तरों को भी कम करने का प्रयास किया है। ग्रामीण इलाकों में इन्टरनेट की पहुँच बढ़ रही है किसानों को कृषि से सम्बन्धित जानकारी मिल रही है। छात्रों को डिजिटल शिक्षा अर्थात ऑनलाइन क्लासों और छोटे व्यापारियों को ई–कॉमर्स का लाभ मिल रहा है। डिजिटल इण्डिया कार्यक्रम में न केवल प्रशासन ने पारदर्शिता बढ़ायी है बल्कि भ्रष्टाचार पर भी काफी अंकुश लगा है। लोगों को सरकारी योजनओं और सेवाओं का सीधा लाभ मिल रहा है। डिजिटल मार्केट में शिक्षा, स्वास्थ्य के रोजगार के अवसर बढ़ें हैं जो देश के विकास में योगदान कर रहे हैं।

डिजिटल इण्डिया का मुख्य घटक ई–गवर्नेंस को माना गया है जिससे सरकारी सेवाओं को डिजिटल बनाकर नागरिक अपने घर बैठे ही प्रमाण पत्रों के लिये आवेदन करने, उपयोगिता बिलों का भुगतान करने और कर दाखिल करने जैसी आवश्यक सेवाओं तक पहुँच सकते हैं। उदाहरण के लिये डिजिटल लॉकर सिस्टम नागरिकों को महत्वपूर्ण दस्तावेज को डिजिटल प्रारूप में सुरक्षित रूप से संग्रहीत करने की अनुमति देता है।

डिजिटल इण्डिया से स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा क्षेत्र को भी काफी लाभ हुआ है टेली मेडिसिन एवं ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफार्म गुणवत्ता पूर्ण स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा तक पहुँच में अन्तर को पाटने में मदद कर रहे हैं। SWAYAM डिजिटल इण्डिया भारत सरकार द्वारा शुरु किया गया एक ऑनलाइन शिक्षा पोर्टल है जिसका उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा को सभी तक पहुँचाना है यह एक ऐसा मंच

है जो विभिन्न कक्षाओं के पाठ्यक्रमों की सुविधा प्रदान करता है जिसे कोई भी कहीं भी किसी भी समय उपयोग कर सकता है और यह एक निःशुल्क पाठ्यक्रम है। यह मानव संसाधन विकास मंत्रालय (अब शिक्षा मंत्रालय) द्वारा शुरू की गयी एक पहल है।

(उमंग ऐप) Umang - Umang App (Unified Mobile application for new-age governance)

डिजिटल इण्डिया के कदम को बढ़ाने के लिये एक और पहल प्रधानमंत्री मा0 नरेन्द्र मोदी जी ने साइबर स्पेस वैश्विक सम्मेलन के पाँचवे संस्करण में भारत के नागरिकों के लिये एक नया एप्लीकेशन लाँच किया इस एप का नाम उमंग है यह उमंग ऐप सभी एन्ड्रॉइड आई.ओ.एस., विन्डोस डिवाइस उपयोगकर्ताओं, फीचर फोन उपयोगकर्ताओं के लिये उपलब्ध है। यह एक एप्लीकेशन है जो एक ही जगह पर 100 से अधिक केन्द्र और राज्य सरकार की सेवायें प्रदान करता है। इस ऐप पर बहुत सी सेवायें उपलब्ध हैं जैसे–कर्मचारी भविष्यनिधि संगठन, एल.पी.जी. सेवायें, कर भुगतान, पासपोर्ट सेवा, पेंशन, ई–पाठशाला, फसल बीमा, आय–जाति, निवास प्रमाण पत्र, आधार सेवायें और पासपोर्ट सेवायें (डिजी लॉकर) आदि सेवाओं का उपयोग किया जा सकता है।

निष्कर्ष :

इस प्रकार हम यह कह सकते हैं कि डिजिटल इण्डिया एक परिवर्तनकारी पहल है जो भारत के भविष्य में क्रान्ति लाने का वादा करती है डिजिटल उपकरणों और सेवाओं के साथ नागरिकों को सशक्त बनाकर ये एक अधिक समावेशी, अभिनव और आर्थिक रूप से समृद्ध समाज बनाने में मदद कर रहा है।

डिजिटल इण्डिया ने भारत को 21वीं सदी डिजिटल अर्थव्यवस्था की दौड़ में आगे बढ़ाया है, यह हमारे देश को आत्म निर्भर और प्रगतिशील राष्ट्र बनाने में सहायक सिद्ध हो रही है यदि इसे सही दिशा में आगे बढ़ाया जाये तो यह कहा जा सकता है कि डिजिटल इण्डिया अभियान भारत को एक वैश्विक पावर हाउस में बदल सकता है।

श्याम नारायण शर्मा
जिलाध्यक्ष–उ.प्र.मा. शिक्षक संघ
बरेली

उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षक संघ के 58वें प्रान्तीय सम्मेलन की आप सभी को हार्दिक शुभकामनायें

– डा. राजीव कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य–बरेली इण्टर कॉलेज, बरेली

भारत माता के वीर सपूत क्रान्तिकारी विचारधारा के प्रणेता शहीद शिरोमणि पं० चन्द्रशेखर आजाद : एक झलक

श्रावण मास, शुक्ल पक्ष, द्वितीया तिथि, विक्रम संवत् 1963 तदनुसार 23 जुलाई 1906 दिन सोमवार, मध्य प्रदेश की अलीराजपुर रियासत में भावरा गांव में एक छोटा-सा घर...........जगरानी देवी अपने नवजात शिशु को गोद में लेकर सूतिका -गृह से बाहर निकलती हैं। शिशु के पिता पं0 सीताराम तिवारी उस दुबले-पतले बालक को देखकर भय और आशंका से कांप उठते हैं क्योंकि इससे पहले उनकी कई संताने अल्प समय में ही काल-कवलित हो गई थीं। चन्द्रमा के समान गोल और सुन्दर मुख होने के कारण बालक का नाम चन्द्रशेखर रखा गया।

इस विद्यालय का शुभारम्भ आज से लगभग 150 वर्ष पूर्व एक मिडिल स्कूल के रूप में हुआ था। सन् 1914 में रामगंगा की भीषण बाढ़ से विद्यालय का प्राचीन भवन ध्वस्त हो गया और नये भवन का शिलान्यास किया गया। जनपद बरेली का तत्कालीन प्रमुख विद्यालय होने के कारण इस विद्यालय में छात्रों के निवास की सुचारू व्यवस्था हेतु सन् 1916 में एक सुन्दर छात्रावास का निर्माण कराया गया। उन्ही दिनों यह विद्यालय वर्तमान रोहिलखण्ड और मुरादाबाद मण्डल का शिक्षा एवं दीक्षा विद्यालय (नार्मल स्कूल) भी रहा।

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् माध्यमिक शिक्षा की महती आवश्यकता को अनुभव कर स्व0 पं0 दरबारी लाल शर्मा, अध्यक्ष जिला परिषद, स्व0 कृष्ण सुन्दर लाल एडवोकेट, स्व0 नवल किशोर, स्व0 अमीर मियां तथा स्व0 पं0 टेकचन्द्र मिश्र ने स्थानीय जनता के सहयोग से 13 जुलाई 1957 को पंजीकृत समिति के माध्यम से श्री चन्द्रशेखर आजाद हायर सेकेण्ड्री स्कूल की नींव डाली। महामनस्वी परम् श्रद्धेय स्व0 पं0 भोलानाथ शर्मा, अध्यक्ष-संस्कृत विभाग, बरेली कॉलेज, बरेली ने वेद मंत्रो के सस्वर वाचन के साथ विद्यालय का उद्घाटन किया। सन् 1959 में हाई स्कूल मानविकी वर्ग, सन् 1963 में हाई स्कूल विज्ञान वर्ग तथा इण्टरमीडिएट मानविकी वर्ग की मान्यता प्राप्त कर यह विद्यालय जनपद के एक बड़े विद्यालय के रूप में विकसित हुआ। विद्यालय के वर्तमान प्रधानाचार्य श्री महेन्द्र कुमार गंगवार के अथक प्रयासों तथा नवगठित प्रबन्ध समिति के विशेष सहयोग से सन् 2022 में इस विद्यालय को इण्टरमीडिएट विज्ञान वर्ग की वित्त विहीन मान्यता प्राप्त हुई।

विद्यालय की तत्कालीन प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष श्री नरेश चन्द्र पाराशरी, प्रबंधक श्री सुशील कुमार शर्मा एडवाकेट, उपप्रबंधक डॉ. कृष्ण कुमार शर्मा तथा प्रधानाचार्य स्व0 पं0 राधेश्याम शर्मा ने जनपद बरेली निवासी महान शिक्षाविद् एवं शिक्षा जगत के कुशल प्रशासक स्व0 पं0 रामचन्द्र शर्मा के विचारों से प्रेरणा लेकर 27 फरवरी 2001 को विद्यालय प्रांगण में क्रांतिकारी शहीद शिरोमणि पं0 चन्द्र शेखर आजाद की प्रतिमा की स्थापना की जिसका उद्घाटन शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह के अनुज सरदार कुलतार सिंह द्वारा किया गया।

सन् 2001 से विद्यालय में साधिकार नियंत्रक की व्यवस्था लागू हो गयी। 4 सितम्बर 2022 को विधिवत् चुनी गई एवं विभागीय मान्यता प्राप्त प्रबंध समिति अस्तित्व में आई जिसमें श्री सुशील कुमार शर्मा जी एडवोकेट-अध्यक्ष, श्री अख्तर बेग साहब-उपाध्यक्ष, श्री कुंवर पाल सिंह जी प्रबंधक, श्री सौरभ चौहान जी एडवोकेट-सहायक प्रबंधक, डॉ0 कृष्ण कुमार शर्मा- कोषाध्यक्ष तथा कुंवर सिद्धराज सिंह जी , श्री विशेषपाल सिंह जी एडवोकेट, श्री सोहन लाल शर्मा जी, श्री नसीम अनवार साहब , श्री बृजमोहन शर्मा जी, श्री जुनैद जाहिद सिद्दीकी साहब, श्री प्रमोद बाबू शर्मा जी- सदस्य कार्यकारिणी हैं जिनके कुशल निर्देशन में विद्यालय दिनों -दिन प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

ओजोन परत का क्षरण : कारण व प्रभाव

मोना शर्मा
प्रवक्ता–भौतिक
के.डी.ई.एम. इण्टर कॉलेज, बरेली

पृथ्वी के वायुमण्डल में गैसों की एक परत पायी जाती है ये गैसे पृथ्वी को परावैगनी किरणों से बचाती हैं इन्ही में से एक परत ओजोन परत भी पायी जाती है। पृथ्वी के समतापी मण्डल में ओजोन का निर्माण लगातार परावैगनी किरणों द्वारा होता है यह एक ऑक्सीजन का प्रकार है जिसका रासायनिक सूत्र O3 है यह एक गन्धयुक्त गैस होती है जिसका रंग हल्का नीला होता है। और सूर्य की हानिकारण परावैगनी किरणों को अवशोषित करने के कारण इसे पृथ्वी का रक्षाकवच भी कहा जाता है। इस परत के कारण ही पृथ्वी पर जीवन सम्भव है यह परत सूर्य की परावैगनी किरणों को 90 प्रतिशत अवशोषित कर लेती हैं। यह किरणें मानव जीवन में अनेक असाध्य रोगों जैसे त्वचा का कैंसर, आँखों पर दुष्प्रभाव को जन्म देती हैं।

पहली बार सन् 1974 में रासायनिक विद् शेरवुड रॉलैण्ड व मारियो मोलिना ने संकेत दिया कि क्लोरो फ्लोरो कार्बन के कारण समताप मण्डल के ओजोन के औसत साद्रण में कमी आ रही है इसका मुख्य क्षरण अर्न्टाटिका के ऊपर होता है। वैज्ञानिक जोसेफ फर्मन ने कहा कि अर्न्टाटिका के ऊपर वायुमण्डल में वसन्त काल में ओजोन में 40 प्रतिशत क्षरण हो जाता है इसी को ओजोन छिद्र भी कहा जाता है। इसके मुख्य तीन कारण हैं (1) ध्रुवीय समताप मण्डलीय बादल (2) भंवर (3) सक्रिय क्लोरीन का प्रभाव।

पराबैगनी विकिरण के अधिक मात्रा में पृथ्वी पर पहुँचने से तापमान होने वाली वृद्धि से नॉन मेलानोमा त्वचा कैंसर में वृद्धि होगी। इससे श्वसन तंत्र पर भी विपरीत प्रभाव पड़ेगा। साथ ही फसलों तथा जलीय आहार के प्रभावित होने के कारण मानव के लिये खाद्य का संकट भी उत्पन्न हो जायेगा। पराबैगनी किरणों से आँखों में मोतियाबिन्द जैसे नेत्रदोष उत्पन्न होंगे और प्रतिरक्षा तंत्र कमजोर होने के साथ ही त्वचा में जलन उत्पन्न होगी।

पराबैगनी विकिरण में वृद्धि स्थलीन एवं जलीय जैव भू रसायनिक चक्र को प्रभावित करती है जिससे दोनों श्रोतों में परिवर्तन होता है। और ग्रीन जैसों के भण्डार गृह भी प्रभावित होते हैं। इन सब के कारण जलवायु परिवर्तन जैसी घटना में वृद्धि होती है। इसके अतिरिक्त पेन्ट, प्लास्टिक, सिन्थेटिक पॉलीमर का तीव्र अपघटन होता है।

ओजोन क्षरण के नियंत्रण हेतु प्रयास :– सन 1970 व 1980 के दसक में अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय की ओजोन विघटनकारी पदार्थों द्वारा ओजोन परत को हानि पहुँचाने की प्रवृत्ति के प्रति चिन्ता बड़ी। 1985 में वियना तथा 1987 में कनाडा का भाट्रियल शहर में एक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी हुई जिसमें इसके चरणवद्ध रूप से नियंत्रण करना, सी.एफ.सी. का उत्पादन बन्द करना तथा इसका उत्पादन 1998 तक 50 प्रतिशत कम करना था। 1990 में ओजोन स्तर सुरक्षा के नाम से भी लन्दन में एक संगोष्ठी हुई जिसमें सभी देशों को सी.एफ.सी. रहित करना था। जहाँ तक भारत का प्रश्न है भारत में ओजोन परत क्षरण में इस दिश में काफी प्रयास हुये हैं 1991 वियना कन्वेंशन तथा इसके पश्चात सभी संगोष्ठियों में भारत ने प्रत्येक समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं।

16 सितम्बर को विश्व ओजोन दिवस के रूप में मनाया जाता है ताकि सभी का ध्यान ओजोन संकट की ओर किया जा सके। मेरे विचार से ओजोन परत के क्षरण से होने वाले संकट से बचने हेतु सभी देशों को पूरी इमानदारी से अपनी जिम्मेदारी निभाने की आवश्यकता है।

उ.प्र.मा. शिक्षक संघ के प्रदेश पदाधिकारियों का विवरण

	पद	पदाधिकारी का नाम	पता	सम्पर्क सूत्र
1.	संरक्षक	श्री राजबहादुर सिंह चंदेल सदस्य विधान परिषद	35, रॉयल होटल, लखनऊ निवास : 45, बाबूगंज, उन्नाव	9415905949 9696690054
2.	अध्यक्ष	श्री चेतनारायण सिंह	एस–1 / 121, ए–1 सूर्या नगर कॉलोनी, गिलेट बाजार, वाराणसी	9415905873 8115087683
3.	उपाध्यक्ष	श्री लवकुश मिश्र	ग्राम व पो. बन्थरा, फतेहपुर	9415032815
4.	उपाध्यक्ष	श्री मारकण्डे सिंह	भुवर निरन्जनपुर राजपूत कॉलोनी, जेल गेट गाँधी नगर, बस्ती	9450573931 8318071448
5.	उपाध्यक्ष	श्री गिरेन्द्र सिंह कुशवाहा	1534, पाठक बगीचे के पास, नया रामनगर, उरई जलौन	9415923702
6.	उपाध्यक्ष क्षेत्रीय संयोजक पश्चिम क्षेत्र	डा0 (मेजर) देवेन्द्र सिंह	2 / 345, आवास विकास कॉलोनी, बुद्धि बिहार, मुरादाबाद	9897887331
7.	उपाध्यक्ष	श्री जगदीश प्रसाद व्यास	नेशनल इण्टर कॉलेज मौदहा, हमीरपुर	9450832877
8.	उपाध्यक्ष	श्री नरसिंह बहादुर सिंह	गाँधी इण्टर कॉलेज, समोधपुर, जौनपुर	9454494969 9450087755
9.	उपाध्यक्ष	डा. सुरेश चन्द्र रस्तोगी	215, ऊँचा डालचन्द्र, बरेली	9897926458
10.	उपाध्यक्ष	श्री सुन्दर पाल सिंह यादव	ग्रा. व पो. कोटा, बुलन्दशहर	9412657779
11.	उपाध्यक्ष	डा. सुरेश कुमार तिवारी	आर.बी.एस.बी इण्टर कॉलेज, कमलापुर, सीतापुर	9415138373 8858449916
12.	उपाध्यक्ष	श्री नरेन्द्र सिंह	एस.के.पी. इण्टर कॉलेज आजमगढ़	9415103677 9682814616
13.	उपाध्यक्ष संयोजक मध्य क्षेत्र	श्री रामानन्द द्विवेदी	मो. इन्द्रा नगर, (रामलीला मैदान) तिबरागंज, कन्नौज	9450693516
14.	उपाध्यक्ष	श्री अवधेश कुमार कटिहार	11 / 264, शूटरगंज, कानपुर	9450346089
15.	उपाध्यक्ष	डा. दिनेश सिंह राणा	एफ–886, गोविन्द नगर, मथुरा	9897951739
16.	उपाध्यक्ष	श्रीमती सुलेखा जैन	C/o राजेश जैन 294 / 51, बनबारी वाटिका, गली नं.–1 कैन्ट वाली गली मोदी पार्क, गुप्ता कॉलोनी, टी.पी. नगर, मेरठ	9368099877

17.	उपाध्यक्ष	डा. दिनेश पचौरी	52, कपिल विहार, बन्ना देवी जी.टी रोड, अलीगढ़	9149390190
18.	उपाध्यक्ष	श्री रजनीश चौहान	802, न्यू आवास कॉलोनी, सहारनुपर	8171580922 8630809222
19.	महामंत्री	श्री अनिरूद्ध त्रिपाठी	आनन्द नगर, कटरा, प्रधान डाकघर, बस्ती	7355957470 8765934984
20.	संगठन मंत्री	श्री रघुवंश राय	एस–2, 6 / 14– 1, आकाया वाराणसी	9569327508
21.	मंत्री	श्री महेन्द्र नाथ राय	कालीचरण इण्टर कॉलेज, चौक, लखनऊ	9415260278
22.	मंत्री संयाजक पूर्वी क्षेत्र	डा. राकेश सिंह	प्रधानाचार्य–नेहरू इण्टर कॉलेज, रतनपुरा, मऊ	9415274965
23.	मंत्री	श्री अजय प्रकाश सिंह	आदर्श इण्टर कॉलेज, शम्भुगंज, जौनपुर	9452710232 6394971101
24.	मंत्री	श्री अरूण कुमार दुबे	गली नं.3, जयभारत कॉलोनी पक्काबाद, इटावा	9084075662
25.	मंत्री	श्री राममोहर सिंह	457, के / क, सम्राट नगर गोरा बाजार, रायबरेली	9455311569 8887558329
26.	मंत्री	डा. सत्येन्द्र कुमार शुक्ला	128 / 372, वार्ड नं.1, ब्लॉक किदवई नगर, कानुपर	9450148859
27.	मंत्री	श्री संजय द्विवेदी संयोजक– प्रदेश आई.टी.सेल	ग्राम सोनूपार्क, पो. दुधारा बस्ती	9415171045
28.	मंत्री	श्री सुधीर कुमार अग्रवाल	मो. साहूवान, दिनेश वर्मा, चक्की के पास, चाँदपुर, बिजनौर	8630508080
29.	मंत्री	डा. मधुसूदन सिंह	प्रधानाचार्य–श्री परशुराम इण्टर कॉलेज, पकवा, इनार, बलिया	9936290579
30.	मंत्री	श्री वीरेन्द्र प्रताप तिवारी	प्रधानाचार्य–बाल्मिीकि इण्टर कॉलेज बलुआ, चन्दौली	9956568124
31.	मंत्री	श्री वीरेन्द्र कुमार सिंह	अशोक इण्टर कॉलेज बबुरी, चन्दौली	7755847100
32.	मंत्री	श्री भानू प्रताप सिंह	प्रधानाचार्य–इण्टर कॉलेज, करन्डा, गाजीपुर	9451595608

33.	मंत्री	श्री कमलेश कुमार सिंह	सरस्वती इण्टर कॉलेज, सुड़िया, वाराणसी	6380122242
34.	मंत्री	श्री उमाशंकर मिश्र 'मुन्ना'	422, मोती नगर, उन्नाव	9415435934
35.	मंत्री	श्री ज्योतिष कुमार पाण्डेय	नेहरू इण्टर कॉलेज, तरया सुजान, कुशीनगर	9792134001
36.	मंत्री	श्रीमती ऊषा यादव	नवयुग विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज चौकाघाट, वाराणसी	9451524468
37.	मंत्री	श्री प्रभात कुमार सिंह	28, केस्टो रेजीडेन्सी, जानकीपुर विस्तार सेक्टर–06, लखनऊ	9415612785
38.	मंत्री	श्री कुलदीप	धनसी इण्टर कॉलेज, पांचाली खुर्द मेरठ	7906726639
39.	कोषाध्यक्ष	श्री महेश चन्द्र शर्मा	एम.एच. इण्टर कॉलेज, शाही, मीरगंज, बरेली	9410431134 8445413777
40.	आय व्यय निरीक्षक	श्री महेश चन्द्र यादव	43–जी / 1–जी, लिडिल रोड जोर्ज टाउन, प्रयागराज	9415289035
41.	मीडिया प्रभारी	श्री अशोक कुमार श्रीवास्तव	58 / 474ए–2, पाण्डेयपुर, वाराणसी	8601301678
42.	सह मीडिया प्रभारी	श्री राजेन्द्र तिवारी	ए–एस, जुबली इण्टर कॉलेज, मिर्जापुर	9415876509
43.	पत्रिका सम्पादक	श्री वीरेन्द्र प्रताप सिंह	एस.एच.–5 / 155 डी.के. लक्ष्मणपुर, शिवपुर, वाराणसी	9450544585
44.	पत्रिका सह सम्पादक	श्री प्रदीप कुमार सिंह	प्रवक्ता–बाल्मीकि इण्टर कॉलेज, बलुआ, चन्दौली	9452023747
45.	संयोजक संरक्षण समिति	श्री श्रीनारायण दुबे	टेलीफोन एक्सचेंज के पास, गाँधी नगर, अजीतमल, औरया	9412429861
46.	सह संयोजक संरक्षण समिति	श्री संत सेवक सिंह	प्लाट नं.6, लेन नं. 4–डी, भक्ति नगर कॉलोनी, पाण्डेयपुर, वाराणसी	8840209365 9415452301

उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षक संघ के 58वें प्रान्तीय सम्मेलन की आप सभी को हार्दिक शुभकामनायें

– करूणा शंकर मिश्रा

प्रधानाचार्य–भारत सेवा समाज इण्टर कॉलेज, रजपुरी नवादा

जिला कार्यकारिणी
उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (चंदेल गुट), बरेली

जिला अध्यक्ष : श्री श्याम नारायण शर्मा (के.डी.ई.एम. इण्टर कॉलेज, बरेली) मो. 9058940570
जिलामंत्री : श्री प्रदीप कुमार (विष्णु इण्टर कॉलेज, बरेली) मो. : 9411469203

वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष : अनिल प्रजापति (कुँवर रंजीत सिंह इण्टर कॉलेज, बरेली) मो. : 9927581434

वरि. जिला उपाध्यक्ष (महिला)–श्रीमती प्रतिभा शर्मा (रामभरोसे गर्ल्स इण्टर कॉलेज, बरेली) मो.: 8445702402
जिला उपाध्यक्ष (महिला)–श्रीमती प्रियंका शुक्ला (मे0 सुरेश भटनागर उ.मा.वि. कुड्डा) मो.: 7906204895
जिला उपाध्यक्ष :

1. श्री मनोज कुमार गुप्ता, के.डी.ई.एम. इण्टर कॉलेज, बरेली मो. : 9997647781
2. श्री अनवर अली रिजवी, एफ.आर. इस्लामियाँ इण्टर कॉलेज, बरेली मो. : 85333040083
3. श्री अजय अग्निहोत्री, श्री गुलाबराय इण्टर कॉलेज, बरेली मो. : 9412605232
4. श्री कुँवरपाल, एम.बी. इण्टर कॉलेज, बरेली मो. : 9719238262
5. श्री सुरेन्द्र कुमार अरोड़ा, गुरु गोविन्द सिंह इण्टर कॉलेज, बरेली मो. : 9319467635
6. श्री रूद्र नारायण मौर्य, मे0 सुरेश भटनागर उ0मा0वि., कुड्डा मो. : 8630763487
7. ज्ञानेन्द्र कुमार शर्मा, एस.वी. इण्टर कॉलेज, बरेली मो. : 9412822619

जिला संयुक्त मंत्री (महिला)–श्रीमती वाणी पाराशरी, द्रोपदी कन्या इण्टर कॉलेज, बरेली मो. : 9410431837

जिला संयुक्त मंत्री:

1. श्री प्रबल तिवारी, कुँवर रंजीत सिंह इण्टर कॉलेज, बरेली मो. : 7534941023
2. श्री प्रताप सिंह, तिलक इण्टर कॉलेज, बरेली मो. : 9456470167
3. श्रीमती रतन कुमारी, महावीर कन्या इण्टर कॉलेज, बरेली मो. : 630679375
4. श्री डी.पी. सिंह, पटेल इण्टर कॉलेज, धौरां, बरेली मो. : 9997820426
5. श्री पंकज वर्मा, चन्द्रशेखर आजाद इण्टर कॉलेज, गैनी, आँवला, बरेली मो. : 9452106141
6. श्री विक्रम सिंह, महाराणा प्रताप उ0मा0 विद्यालय, अहियापुर, बरेली मो. : 8449258888
7. श्री हसनैन रज़ा, एफ.आर. इस्लामियाँ इण्टर कॉलेज, बरेली मो. : 9411219191

जिला कोषाध्यक्ष - श्री अजय कुमार गुप्ता, विष्णु इण्टर कॉलेज, बरेली मो. : 9412417525

आय-व्यय निरीक्षक : श्री शगुन गुप्ता, भारत इण्टर कॉलेज, भोजीपुरा, बरेली मो. : 9457313198

संगठन मंत्री : श्री राकेश बाबू, विष्णु इण्टर कॉलेज, बरेली मो. : 8077317550

जिला मीडिया प्रभारी : मो. तस्लीम, श्री सतीश चन्द्र इण्टर कॉलेज, पड़ेरा, बरेली मो. : 9412737427

उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षक संघ के 58वें प्रान्तीय सम्मेलन की आप सभी को हार्दिक शुभकामनायें

– सुनीता यादव
प्रधानाचार्य–कुँ0 रंजीत सिंह इण्टर कॉलेज, बरेली

माध्यमिक शिक्षा अधिकारियों के सम्पर्क सूत्र

शिक्षा निदेशक माध्यमिक
डा. महेन्द्र देव
मो. : 9450449469
9760076999

अपर शिक्षा निदेशक माध्यमिक
श्री सुरेन्द्र कुमार तिवारी
मो. : 7355122315

अपर शिक्षा निदेशक राजकीय
श्री अजय कुमार द्विवेदी
मो. : 9450049545

क्र.सं.	मण्डल	संयुक्त शिक्षा निदेशक	उप शिक्षा निदेशक
1.	मेरठ	9454457512	9837200871
2.	सहारनपुर	9454457513	9412865234
3.	आगरा	9454457514	8859066710
4.	अलीगढ़	9454457515	
5.	मुरादाबाद	9454457516	9871423484
6.	बरेली	9454457517	9450872429
7.	लखनऊ	9454457518	9454457248
8.	अयोध्या	9454457519	9415102932
9.	देवीपाटन	9454457520	9415102932
10.	गौरखपुर	9454457521	9450020636
11.	बस्ती	9454457522	9415821492
12.	आजमगढ़	9454457523	9454457523
13.	वाराणसी	9454457524	9454457252
14.	मिर्जापुर	9454457525	9410282632
15.	प्रयागराज	9454457526	9415368859
16.	कानपुर	9454457527	9455885645
17.	झांसी	9454457529	9415009503
18.	चित्रकूट	9454457529	9415009503

उ.प्र. माध्यमिक शिक्षा परिषद

1.	सचिव माध्यमिक शिक्षा परिषद	श्री भगवती सिंह	9415419771
2.	अपर सचिव माध्यमिक शिक्षा परिषद		9454457241
3.	अपर सचिव मा0शि0परिषद (मेरठ)	श्री कमलेश कुमार	9454457256
4.	अपर सचिव मा0शि0परिषद (बरेली)	श्री नीरज कुमार पाण्डेय	9451055902
5.	अपर सचिव मा0शि0परिषद (प्रयागराज)	श्रीमती विभा मिश्रा	9454457246
6.	अपर सचिव मा0शि0परिषद (वाराणसी)	श्री सतीश सिंह	9670666624
7.	अपर सचिव मा0शि0परिषद (गौरखपुर)	श्री विनोद कृष्ण	9415259462

जिला विद्यालय निरीक्षक

क्र.	जिला	सम्पर्क सूत्र	क्र.	जिला	सम्पर्क सूत्र	क्र.	जिला	सम्पर्क सूत्र
1.	मेरठ	9454457266	26.	पीलीभीत	9454457301	51.	बलिया	9454457361
2.	गाजियाबाद	9454457270	27.	लखनऊ	9454457262	52.	वाराणसी	9454457363
3.	गौतमबुद्ध नगर	9454457272	28.	उन्नाव	9454457319	53.	चन्दौली	9454457365
4.	हापुड़	9454457549	29.	रायबरेली	9454457315	54.	जौनपुर	9454457371
5.	बुलन्दशहर	9454457274	30.	सीतापुर	9454457321	55.	गाजीपुर	9454457367
6.	बागपत	9454457268	31.	हरदोई	9454457317	56.	मिर्जापुर	9454457371
7.	सहारनपुर	9454457276	32.	लखीमपुर खीरी	9454457323	57.	सोनभद्र	9454457375
8.	मुजफ्फर नगर	9454457278	33.	अयोध्या	9454457325	58.	भदोही	9454457373
9.	शामली	9454457351	34.	अम्बेडकर नगर	9454457327	59.	प्रयागराज	9454457377
10.	आगरा	9454457608	35.	बाराबंकी	9454457331	60.	कौशाम्बी	9454457379
11.	मथुरा	9454457564	36.	सुल्तानपुर	9454457329	61.	प्रतापगढ़	9454457383
12.	फिरोजाबाद	9454457286	37.	अमेठी	9454457413	62.	फतेहपुर	9454457381
13.	मैनपुरी	9454457282	38.	गोंडा	9454457333	63.	कानपुर नगर	9454457385
14.	अलीगढ़	9454457288	39.	बहराईच	9454457340	64.	कानपुर देहात	9454457387
15.	एटा	9454457292	40.	श्रावस्ती	9454457338	65.	इटावा	9454457396
16.	कासगंज	9454457294	41.	बलरामपुर	9454457335	66.	औरैया	9454457394
17.	हाथरस	9454457290	42.	गोरखपुर	9454457342	67.	फर्रूखाबाद	9454457390
18.	मुरादाबाद	9454457305	43.	महाराजगंज	9454457344	68.	कन्नौज	9454457392
19.	अमरोहा	9454457307	44.	देवरिया	9454457346	69.	झांसी	9454457398
20.	रामपुर	9454457309	45.	कुशीनगर	9454457348	70.	ललितपुर	9454457401
21.	बिजनौर	9454457311	46.	बस्ती	9454457350	71.	जालौन	9454457404
22.	सम्भल	9454457570	47.	सिद्धार्थ नगर	9454457354	72.	बांदा	9454457409
23.	बरेली	9454457296	48.	सन्तकबीर नगर	9454457352	73.	हमीरपुर	9454457405
24.	बदायूँ	9454457298	49.	आजमगढ़	9454457357	74.	चित्रकूट	9454457411
25.	शाहजहाँपुर	9454457303	50.	मऊ	9454457359	75.	महोवा	9454457405

माध्यमिक शिक्षक संघ का झण्डा गान

यह अखिल विश्व की लहरें ज्ञान पताका
आओ हे जन-जन नमन करें जय गायें।

युग युगों-युगों तक अभिनव क्रान्ति करायें,
यह सबके उर में उठती भ्रान्ति भगायें।
यह कभी न बुझने वाली दीप शलाका,
यह कभी न झुकने वाली एक पताका,

यह मूल कल्प तरू, प्रगति पंथ प्रतिबोधी,
विरचित हैं जिस पर सब अनुपम उपमायें।

यह अमर अरस्तु के जीवन की आशा,
यह ज्ञान कोष के चयन शोध की भाषा,
यह परिभाषा है जग की, जन जीवन की,
यह मौन मुखर है, चिर चिन्तर मन्थन की।

यह चिर नवीन, चिर सौम्य शान्ति की प्रतिमा,
आओ सब मिलकर इसका रूप सजाएँ।

यह कलाकार के श्रम की तन्मयता है,
यह प्रकृति-पुरूष की युग्मज चिन्मयता है,
यह सकल सृष्टि की दृष्टि, सहज दर्शन है,
यह मानव मन का मौलिक आकर्षण है।

यह सत्यम् शिवम् सुन्दरम् की जननी है,
आओ जननी के आँचल में लहरायें।

उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षक संघ के 58वें प्रान्तीय सम्मेलन की आप सभी को हार्दिक शुभकामनायें

के.डी.ई.एम. इण्टर कॉलेज, बरेली

अनिल कुमार
अध्यापक

मनोज गुप्ता
अध्यापक

FUTURE UNIVERSITY

Learn · Assimilate · Transcend

India's 1st

AI Enabled New Age

Innovative University

Industry 5.0 Oriented Programs

Powered by

L&T EduTech

IBM

Xebia

EC-Council Global Services

Engineering | Polytechnic | Pharmacy
Computer Application | Law | Agriculture
Management | Commerce | Nursing
Para Medical | Ayurveda, Yoga & Naturopathy
Education | Sciences, Arts and Humanities

Toll Free

1800 123 6789

www.futureuniversity.in

Campus: Bareilly-Lucknow Road Near Faridpur, Bareilly (U.P.) India

Call: 9917480040, 9012313333

THREE DOTS® SCHOOL

Projected up to 12th

Facilities :

- Motivation
- Value Based Education
- Spiritual Science
- Manners & Etiquettes
- Practical Based Knowledge

H.O. : KOHARAPEER TO SOOD DHARAM KANTA ROAD, BAREILLY. (M) 9897600278

Sr. Branch : Pardhauli, Nainital Road, Near Bada Bypass, Bareilly I to XII (Proj.)

B.O. : Dhorera Mafi, Mahanagar, Bareilly. (M) 9997923775, 7617612613

THE ART OF LIVING
BAREILLY CHAPTER

ध्यान **प्राणायाम** **भस्त्रिका**

के द्वारा

अपने शरीर, मन और आत्मा में सामजस्य स्थापित करने के लिए और जीवन जीने की कला को सीखें

विश्व प्रसिद्ध सुदर्शन क्रिया

गुरुदेव श्री श्री रविशंकर

हैप्पीनेस प्रोग्राम में

फायदें :

- एकाग्रता
- आत्मविश्वास
- गुस्से पर काबू
- समय प्रबन्धन
- सम्बन्धों में सुधार
- शारीरिक स्वस्थता
- रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि
- उत्साह एवं निर्णय क्षमता में वृद्धि

कम होता है :

- तनाव
- चिन्ता और डिप्रेशन
- भावनाओं पर काबू
- सुस्ती और अनिद्रा

सौरभ मेहरोत्रा
आर्ट ऑफ लिविंग शिक्षक
सम्पर्क : 9897051808

H.O. : KOHARAPEER TO SOOD DHARAM KANTA ROAD, BAREILLY. (M) 9897600278

Printed at : Surya Graphics, Bareilly # 9837204080, 7017380186